घटती घटना

सत्य के साथ...जनहित में बात...

www.ghatatighatana.com अम्बिकापुर,वर्ष 23, अंक - 12- शनिवार 14- नवम्बर 2026,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये RNI Reg.No.- CHHHIN/2004/15050,डाक पंजीयन. क्रं. 13/Surguja DN/ 2026-2028

असम में बस-ट्रक भिड़ंत...26 की मौत,ज्यादातर स्टूडेंट

गाड़ी काटकर शव निकाले,बस के 12 चालान कट चुके थे...





कांजीरंगा,13 नवम्बर 2026। असम के काजीरंगा में शुक्रवार को एक तेज रफ्तार मिनी बस और कंटेनर ट्रक में आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसे में 26 लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। असम के मंत्री और बोकाखाट से विधायक अतुल बोरा ने इसकी जानकारी दी है। टक्कर के बाद मिनी बस बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। कई यात्री बस के अंदर फंस गए। रेस्क्यू टीम ने बस काटकर शवों को बाहर निकाला। बस में कुल कितने लोग सवार थे,इसकी जानकारी अभी नहीं आई है। लोकल मीडिया के मुताबिक, हादसे का शिकार हुई गाड़ी के 12 चालान कट चुके थे। इनमें से 38,500 रुपए का जुर्माना भरा जा चुका था, जबकि 4,000 रुपए का एक चालान अब भी बकाया था। कमर्शियल गाड़ी की ओवरस्पीडिंग पर यह जुर्माना लगता है।

पुलिस बोली...बस तेज रफ्तार में थी ड्राइवर ने नियम का पालन नहीं किया...

गोलाघाट के एसएसपी स्वप्निल डेका ने पीटीआई को बताया कि मिनी बस बोकाखाट से नगांव जा रही थी। बस तेज रफ्तार में थी। शुरुआती जांच के मुताबिक, ड्राइवर ने नियंत्रण खो दिया,जिसके बाद बस सामने से आ रहे कंटेनर ट्रक से टकरा गई। हादसे के बाद घायलों को कोहोरा मॉडल अस्पताल पहुंचाया गया। गंभीर रूप से घायल यात्रियों को जोरहाट मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। राष्ट्रपति,प्रधानमंत्री ने हादसे पर शोक जताया है।

असम में 5 साल में सड़क हादसों में 25 हजार से ज्यादा मौतें

केंद्र सरकार के आंकड़ों के मुताबिक, 2020 से 2024 के बीच राज्य में सड़क दुर्घटनाओं में 15,306 लोगों की मौत हुई। इनमें 2024 में सबसे ज्यादा 3,351 लोगों की जान गई। वहीं,2023 में 3,296 और 2022 में 2,994 लोगों की मौत हुई थी। हालांकि,इसके बाद की जानकारी नहीं आई है।

मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने जताया शोक

हादसे में हुई जनहानि पर मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने गहरा दुख व्यक्त किया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर उन्होंने मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना जताई। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस हादसे में हुई भारी जनहानि से पूरा राज्य स्तब्ध है। दुःख की इस घड़ी में सरकार पीड़ित परिवारों के साथ खड़ी है। उन्होंने कहा कि मृतकों के परिजनों का दुख शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। सरकार की पहली प्राथमिकता घायलों को बिना देरी के बेहतर से बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना है। मुख्यमंत्री ने घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना भी की।



रक्षा मंत्री ने लखनऊ में ब्रह्माकुमारीज के नवनिर्मित 'दिव्य संस्कृति भवन' का किया लोकार्पण

विकसित भारत का सपना केवल पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था तक सीमित नहीं : राजनाथ सिंह



लखनऊ,13 नवम्बर 2026। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि विकसित भारत का सपना केवल पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था तक सीमित नहीं है, बल्कि हमारा लक्ष्य ऐसा राष्ट्र बनाना है,जहां परिवारों में संस्कार,समाज में सद्भाव,महिलाओं के प्रति सम्मान, युवाओं में अनुशासन और नागरिकों में राष्ट्र के प्रति कर्तव्यबोध हो। उन्होंने कहा कि देश केवल कानूनों से नहीं, बल्कि चरित्र से चलता है। कानून व्यवस्था बनाए रख सकते हैं, लेकिन समाज में विश्वास और सद्भाव अच्छे संस्कारों से ही पैदा होते हैं। रक्षा मंत्री ने शुक्रवार को लखनऊ के सुलतानपुर रोड स्थित ब्रह्माकुमारीज के राजयोग प्रशिक्षण केंद्र गुलजार उपवन में नवनिर्मित 'दिव्य संस्कृति भवन' का लोकार्पण करने के बाद यह बात कही। राजनाथ सिंह ने कहा कि यह भवन सूर्य की भांति आध्यात्मिकता के प्रकाश को लखनऊ ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया में प्रसारित करने में सहायक होगा। ब्रह्माकुमारीज ने आध्यात्मिकता के माध्यम से लाखों लोगों को जीवन में पूर्णता की ओर बढ़ने का अवसर दिया है। संस्था लगभग 140 देशों तक पहुंचकर मानवता को शांति,संतुलन और आत्मसम्मान का संदेश दे रही है। रक्षा मंत्री ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज की बहनें नशामुक्ति अभियान चला रही हैं। संस्था के सदस्य अपने सेवा कार्यों से राष्ट्र निर्माण को गति दे रहे हैं। ऐसे प्रयास आध्यात्मिक चेतना,सेवाभाव और समर्पण से ही संभव हैं। आध्यात्मिक विकास केवल व्यक्तिगत मुक्ति का मार्ग नहीं, बल्कि राष्ट्रीय चरित्र के निर्माण का भी माध्यम है। रक्षा मंत्री ने कहा कि राजनीति केवल सत्ता प्राप्ति का माध्यम नहीं,बल्कि समाज और राष्ट्र को दिशा देने का पवित्र जरिया है। राजनीति का नाम सुनते ही आज युवाओं में नकारात्मक भाव पैदा होते हैं। ऐसे में राजनीति को अध्यात्म और सेवा से जोड़ने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि व्यक्तिगत हित से पहले समाज के हित को महत्व देना चाहिए। राजनीति में आने वालों के मन में अधिकार से पहले उत्तरदायित्व का भाव होना चाहिए। भारत में राजधर्म की समृद्ध परंपरा रही है।

राजा को प्रजा के सुख-दुख का सहभागी होना चाहिए। आज युवाओं को राजनीति से जोड़ने के लिए इसी दृष्टिकोण को फिर से स्थापित करना जरूरी है। यदि राजनीति में सेवा,राष्ट्र निर्माण और चरित्र निर्माण दिखाई देगा तो युवा भी इससे जुड़ेंगे।

राजनाथ सिंह ने कहा कि लखनऊ आज अपनी नई पहचान बना रहा है। शिक्षा, संस्कृति, रक्षा,सुरक्षा,उद्योग और व्यापार सहित हर क्षेत्र में शहर अपनी विशिष्ट उपस्थिति दर्ज करा रहा है। विकास की नई संभावनाओं के साथ लखनऊ देश के सामने एक नई भूमिका में उभर रहा है। ब्रह्माकुमारीज लखनऊ की सब जोन प्रभारी राजयोगिनी बीके राधा दीदी ने बताया कि प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज ईश्वरीय विश्वविद्यालय की स्थापना के 90 वर्ष और लखनऊ में संस्था की आध्यात्मिक सेवाओं के 72 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में नवदशकोत्सव मनाया जा रहा है।

मणिपुर में उग्रवादियों की फायरिंग में 4 की मौत

मरने वालों में दो महिलाएं...उखरुल जिले में वाहनों पर गोलीबारी,इलाके में तनाव

इंफाल,13 नवम्बर 2026। मणिपुर के उखरुल जिले में शुक्रवार को उग्रवादियों ने दो गाड़ियों पर अंधाधुंध फायरिंग कर दी। हमले में दो महिलाओं समेत चार लोगों की मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में तनाव का माहौल है। पुलिस के मुताबिक, हमला इम्फाल-उखरुल रोड पर न्यू हेवन इलाके में हुआ। दोनों गाड़ियों में सवार दो पुरुष और दो महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गई। गाड़ियों के आगे के शीशों पर गोलियों के निशान मिले हैं। इस साल फरवरी से पहाड़ी जिलों में कुकी और नगा समुदायों के बीच हुई झड़पों में कम से कम 50 लोग मारे गए हैं। हमले में मारे गए लोगों की पहचान शांगशक गांव निवासी कपांगखुई आरएस और हाओलेइला आरएस तथा ताशार गांव निवासी ऑगस्ट नगलुंग और खानमिला के रूप में हुई है। शांगशक के दोनों मृतक आपस में भाई-बहन थे, जबकि ताशार के दोनों मृतक मां और बेटे थे। चारों अलग-अलग दो वाहनों- मारुति स्विफ्ट और बोलेरो में सवार होकर इंफाल जा रहे थे, तभी उन पर हमला हुआ। 12 नवंबर को कांगपोकपी जिले के ताफोउ कुकी गांव और सेनापति जिले के कैलेंगजांग के पास भी गोलीबारी हुई थी। इस घटना में 42 साल की एक कुकी महिला की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी, जबकि दो पुरुष घायल हुए थे।



मुख्यमंत्री मान को पाक से मिले निमंत्रण पर विदेश मंत्रालय ने कहा-राष्ट्रीय नीति का पालन होना चाहिए

नई दिल्ली,13 नवम्बर 2026। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने शुक्रवार को इस बात पर जोर दिया कि अन्य देशों के साथ संबंध एक राष्ट्रीय नीति पर चलते हैं और सभी को उसका अनुपालन करना चाहिए। उनका यह बयान पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान को लाहौर में होने वाले पंजाबी सम्मेलन के निमंत्रण के संबंध में था। मुख्यमंत्री मान सार्वजनिक तौर पर इसमें शामिल होने की इच्छा जता चुके हैं। हालांकि उन्होंने इस संबंध में केंद्र से राजनीतिक मंजूरी को लेकर शंका जताई है। वहीं इस मुद्दे पर पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने मान को वीजा सुविधा देने की भी बात कही है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा अन्य देशों के साथ संबंधों के संदर्भ में,हमारी एक राष्ट्रीय नीति है और हम सभी से इसका पालन करने की अपेक्षा करते हैं। विदेश यात्रा पर जाने वाले गणमान्य व्यक्तियों के लिए राजनीतिक मंजूरी के संबंध में मंत्रालय अपनी समग्र नीति के अनुरूप मूल्यांकन करता है और तदनुसार निर्णय लिया जाता है। पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान के प्रति हमारी स्थिति स्पष्ट होनी चाहिए। उल्लेखनीय है कि पंजाब के मुख्यमंत्री मान को पाकिस्तान के लाहौर में 27-29 नवंबर को होने वाले विश्व पंजाबी सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया है। पाकिस्तान के विदेश कार्यालय के प्रवक्ता सज्जाद हैदर खान ने कहा कि यदि मुख्यमंत्री मान बैठक में शामिल होना चाहते हैं तो पाकिस्तान उन्हें वीजा जारी करने पर विचार करने को तैयार है। उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत की मंजूरी के होने का इस यात्रा के लिए वीजा जारी करने से संबंध नहीं है।



राजीव गांधी का पत्र साझा कर राहुल बोले...पिता ने हर जीव के साथ प्रेम व सम्मान से पेश आना सिखाया

नई दिल्ली,13 नवम्बर 2026। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को अपने दिवंगत पिता एवं पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी का 36 साल पुराना पत्र सोशल मीडिया पर साझा किया। उन्होंने कहा कि उनके पिता ने उन्हें हर जीव के साथ प्रेम और सम्मान से पेश आना सिखाया है। इस पत्र को साझा करने से दो घंटे पहले राहुल गांधी ने एक अन्य वीडियो पोस्ट कर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को बहस की चुनौती भी दी थी। राहुल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर 7 फरवरी 1990 को राजीव गांधी की ओर से किशोर आजवानी को लिखे पत्र की तस्वीर साझा की। उन्होंने लिखा,'यह मेरे पिता की दी गई सीख की अच्छी झलक है कि हर जीव के साथ प्रेम और सम्मान से व्यवहार करना चाहिए। 'राजीव गांधी ने पत्र में लिखा था कि जिन लोगों ने किशोर आजवानी का पत्र पढ़कर उन्हें भेजा, उनमें से किसी ने भी उनका मजाक नहीं उड़ाया।

प्रधानमंत्री ने मैसूरु में किया कॉसमॉस तारामंडल का उद्घाटन...

भारत की वैज्ञानिक यात्रा में जुड़ेगा नया अध्याय : पीएम मोदी

मैसूरु,13 नवम्बर 2026 । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि भारत विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में लगातार नई उपलब्धियां हासिल कर रहा है। ऐसे में मैसूरु में अत्याधुनिक कॉसमॉस तारामंडल का निर्माण देश की वैज्ञानिक यात्रा में एक नया अध्याय जोड़ेगा। उन्होंने यह बात शुक्रवार को कर्नाटक के मैसूरु में चामुंडी पहाड़ी की तलहटी में निर्मित कॉसमॉस तारामंडल का उद्घाटन करने के बाद कही। प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर भारत की प्राचीन वैज्ञानिक परंपरा, अंतरिक्ष क्षेत्र की वर्तमान उपलब्धियों और युवा वैज्ञानिकों के नवाचारों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि आर्यभट्ट, वराहमिहिर,भास्कराचार्य और नीलकंठ सोमयाजी जैसे महान खगोल वैज्ञानिकों ने सीमित संसाधनों और तकनीकी सुविधाओं के बावजूद महत्वपूर्ण खोजें कीं। उन्होंने जटिल गणनाओं के माध्यम से विज्ञान के क्षेत्र में अमूल्य योगदान दिया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि सरकार ने देश के अंतरिक्ष क्षेत्र को निजी भागीदारी के लिए खोल दिया है। इससे निजी क्षेत्र के लिए नई संभावनाएं पैदा हुई हैं और भारतीय स्टार्टअप को अपनी क्षमता प्रदर्शित करने का अवसर मिला है। आज बड़ी संख्या में युवा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सक्रिय हैं। युवा वैज्ञानिक रॉकेट प्रक्षेपित कर रहे हैं और नवाचार के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिकी तेजी से दुनिया को बदल रही है। आज लोग आसानी से पता लगा सकते हैं कि कोई ट्रेन कहां है और कितनी देर में स्टेशन पहुंचेगी। इस तरह के वैज्ञानिक एवं तकनीकी विकास में युवाओं की भागीदारी बेहद महत्वपूर्ण है। मैसूरु आगमन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि कुछ महीने पहले भी उन्हें स्वामी विवेकानंद स्मारक के उद्घाटन के लिए यहां आने का अवसर मिला था। इस दौरान उन्होंने कर्नाटक की आराध्य देवी मां चामुंडेश्वरी का स्मरण किया। कॉसमॉस तारामंडल के निर्माण में योगदान देने वाले सभी लोगों को बधाई देते हुए प्रधानमंत्री ने मैसूरु के राजपरिवार की भूमिका की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि नालवडी कृष्णराज वाडियार के परिवार ने विद्यार्थियों और शोधकर्ताओं को प्रोत्साहित कर शिक्षा एवं अनुसंधान के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। मैसूरु ने हमेशा वैज्ञानिक और शैक्षणिक गतिविधियों को बढ़ावा दिया है।



विश्व का पहला 15 डिग्री झुका एलईडी तारामंडल

मैसूरु में निर्मित कॉसमॉस तारामंडल विश्व का पहला 15 डिग्री झुका हुआ एलईडी गुंबद वाला तारामंडल है। मैसूरु विश्वविद्यालय की ओर से 3.5 एकड़ क्षेत्र में जयचामराजा वाडियार उच्च अध्ययन केंद्र परिसर में इसका निर्माण कराया गया है। इस परियोजना पर लगभग 115 करोड़ रुपये खर्च हुए हैं। तारामंडल की एक अन्य विशेषता यह है कि इसमें कन्नड़, अंग्रेजी और हिंदी भाषाओं के अक्षरों का उपयोग कर 'मैसूरु' नाम को आकर्षक रूप दिया गया है। अत्याधुनिक तकनीक से विकसित इस केंद्र का उद्देश्य लोगों,विशेषकर विद्यार्थियों और युवाओं में खगोल विज्ञान एवं अंतरिक्ष के प्रति जागरूकता बढ़ाना है।

पीएम मोदी ने बेंगलुरु मेट्रो में सफर किया काउंटर से टिकट खरीदा,सीएम डीके शिवकुमार साथ रहे

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को बेंगलुरु मेट्रो की पिंक लाइन का उद्घाटन किया। उन्होंने काउंटर से टिकट खरीदा और सीएम डीके शिवकुमार के साथ मेट्रो में सफर किया। पीएम मोदी ने राज्य में 15,600 करोड़ के प्रोजेक्ट्स शुरू किए। उन्होंने कहा कि बेंगलुरु 100 किमी से ज्यादा मेट्रो नेटवर्क वाला देश का तीसरा शहर बन गया है। इससे पहले मोदी ने प्रशांति कुटीरम के स्वर्ण जयंती समारोह में कहा कि कर्नाटक सदियों से योग का केंद्र रहा है। यहां कई योग गुरु और विद्वान हुए हैं। पीएम मोदी ने बेंगलुरु से गोवा के मडगांव के बीच चलने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाई। यह ट्रेन मैंगलुरु होते हुए बेंगलुरु और गोवा को जोड़ेगी। इससे कर्नाटक के तटीय इलाकों और गोवा के बीच रेल कनेक्टिविटी बेहतर होगी। यह 16 कोच वाली वंदे भारत ट्रेन है। इसमें चेयर कार और एग्जीक्यूटिव चेयर कार की सुविधा है। ट्रेन में कुल 1,128 यात्री सफर कर सकेंगे।



पीएम मोदी बोले- कर्नाटक सदियों से योग का केंद्र रहा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बेंगलुरु में प्रशांति कुटीरम के स्वर्ण जयंती समारोह को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि कर्नाटक सदियों से योग का केंद्र रहा है। यहां कई योग गुरु और विद्वान हुए, जिन्होंने योग की परंपरा को आगे बढ़ाया।

आंध्र प्रदेश में तीन लाख करोड़ रुपये की सड़क परियोजनाओं पर काम चालू राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क दोगुना : गडकरी

विशाखापत्तनम,13 नवम्बर 2026। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि आंध्र प्रदेश में करीब तीन लाख करोड़ रुपये की सड़क परियोजनाओं पर काम चल रहा है या उन्हें प्रस्तावित किया गया है। राज्य में राष्ट्रीय राजमार्गों का नेटवर्क 2014 के 4,100 किलोमीटर से बढ़कर 2026 में 8,700 किलोमीटर हो गया है। राज्य में 60 हजार करोड़ रुपये की लागत से 4,750 किलोमीटर की परियोजनाएं पूरी हो चुकी हैं, जबकि एक लाख करोड़ रुपये की 2,500 किलोमीटर की परियोजनाओं पर काम जारी है। इसके अलावा 1.20 लाख करोड़ रुपये की लागत से 4,600 किलोमीटर सड़कों के उन्नयन का काम चल रहा है। गडकरी ने शुक्रवार को यहां भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के 31वें शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि बेहतर सड़क बुनियादी ढांचे से निवेश और रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। राज्य में ग्रीनफील्ड कॉरिडोर, एक्सप्रेसवे, बंदरगाह संपर्क मार्ग, रिंग रोड और बाईपास विकसित किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि 14 हजार करोड़ रुपये की लागत से बन रहे 340 किलोमीटर लंबे बेंगलुरु-कडप्पा-विजयवाड़ा कॉरिडोर का 70 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। इसे दिसंबर 2027 तक पूरा करने का लक्ष्य है। इससे दूरी करीब 210 किलोमीटर कम होगी और यात्रा का समय 12 घंटे से घटकर चार घंटे रह जाएगा। वहीं, 16 हजार करोड़ रुपये की लागत वाले 460 किलोमीटर लंबे रायपुर-विशाखापत्तनम कॉरिडोर का 96 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। इसे 2027 तक पूरा करने का लक्ष्य है। इसके बनने से यात्रा का समय 13 घंटे से घटकर पांच घंटे रह जाएगा और छत्तीसगढ़ तथा ओडिशा को विशाखापत्तनम बंदरगाह से बेहतर संपर्क मिलेगा।



आईएनएस चिल्का से 2756 अग्निवीर भारत की समुद्री सेना का हिस्सा बने

नौसेना के 286 मेडिकल असिस्टेंट और इंडियन कोस्ट गार्ड के 316 नाविक भी परेड में शामिल हुए

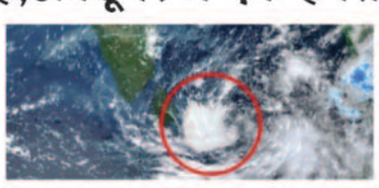
नई दिल्ली,13 नवम्बर 2026। आईएनएस चिल्का में शुक्रवार को शानदार पासिंग आउट परेड के बाद 2,756 अग्निवीर नाविक के रूप में भारत की समुद्री सेना का हिस्सा बन गए, जिनमें 142 महिलाएं भी हैं। प्रशिक्षण पूरा करने वाले भारतीय नौसेना के 286 मेडिकल असिस्टेंट और इंडियन कोस्ट गार्ड के 316 नाविक भी परेड में शामिल हुए। नौसेना के इस ट्रेनिंग सेंटर से प्रशिक्षण लेने वाला यह अब तक का सबसे बड़ा बैच है, जिसमें 3,358 लोगों की ट्रेनिंग एक साथ पूरी हुई है। नौसेना प्रमुख एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन परेड के मुख्य अतिथि और समीक्षा अधिकारी थे। इस मौके पर दक्षिणी नौसेना कमान के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ वाइस एडमिरल समीर सक्सेना के साथ वरिष्ठ नौसेना अधिकारी,सिविल और मिलिट्री संस्थानों के जाने-माने लोग, वेटरन, स्टूडेंट्स और पासिंग आउट प्रशिक्षुओं के पारिवारिक सदस्य मौजूद थे। नौसेना प्रमुख ने कहा कि यह परेड प्रशिक्षुओं के करियर में एक अहम पड़ाव थी, जो अब भारतीय नौसेना और तटरक्षक बल में अनुशासित, काबिल और समुद्री योद्धा के तौर पर शामिल होकर समुद्र में जिन्दगी की चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार हैं। आईएनएस चिल्का से पास आउट होने वाले अग्निवीर के इस 9वें बैच ने 16 हफ्ते की कड़ी ट्रेनिंग पूरी की है। भारतीय नौसेना के सबसे बड़े ट्रेनिंग सेंटर आईएनएस चिल्का पर हुई यह पासिंग आउट परेड युवा रंगरूटों को अनुशासित,शारीरिक रूप से फुर्तीला,मानसिक रूप से मजबूत और प्रोफेशनली काबिल समुद्री योद्धा बनाने के लिए डिजाइन की गई। प्रशिक्षण के दौरान इन्हें पढ़ाई, फिजिकल कंडीशनिंग, स्विमिंग, परेड ट्रेनिंग,आउटडोर एक्टिविटीज और कैंप का प्रशिक्षण दिया गया।

इसके अलावा चरित्र निर्माण, नेतृत्व, अनुशासन, भाईचारा और टीमवर्क के साथ ही ड्यूटी, ऑनर और करेज जैसे नेवी के खास मूल्यों को भी सिखाया गया। पासिंग आउट परेड प्रशिक्षुओं के लिए गर्व और कामयाबी का पल रहा।



अंडमान सागर में नया चक्रवाती सिस्टम बना...ओडिशा,आंध्र में बारिश-तेज हवा चल सकती है,अक्टूबर में एक हफ्ते में दो तूफान आ चुके

नई दिल्ली,13 नवम्बर 2026। इसरो के INSAT-3DS सैटेलाइट ने अंडमान सागर के ऊपर बादलों की तेज गतिविधियों को कैप्चर किया है। यहां कम दबाव का क्षेत्र बन रहा है, जिससे नए चक्रवात बनने की आशंका है। अगले 48 घंटे में पता चलेगा कि यह सिस्टम मजबूत होकर आगे बढ़ता है या नहीं। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, यदि यह और मजबूत होकर चक्रवाती तूफान का रूप लेता है तो इसका नाम 'अकवान' रखा जाएगा। यह नाम ईरान ने सुझाया है। इधर, जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश में बर्फबारी जारी है। इसके असर से मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश में रात के न्यूनतम तापमान में गिरावट हुई है और सुबह धुंध छाने लगी है। राजस्थान में अगले 2 दिन आंधी-बारिश का यलो अलर्ट है। उत्तराखंड के 7 जिलों में आज बारिश की संभावना है। दिल्ली शुक्रवार को पाकिस्तान के लाहौर को पीछे छोड़कर दुनिया का सबसे प्रदूषित शहर बन गया। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने दिल्ली का एयर क्वालिटी इंडेक्स, यानी AQI 403 दर्ज किया।



संपादकीय

संसद के मानसून सत्र में महिला आरक्षण की आस

संसद के मानसून सत्र का तीन माह बाद भी सत्रावसान न किए जाने से जिन चर्चाओं को खूब बल मिला,उनमें सबसे प्रमुख यही रही कि सरकार कभी भी विशेष सत्र बुलाकर महिला आरक्षण लागू करने वाले कानून में संशोधन वाले विधेयक के साथ परिसीमन विधेयक को भी पारित करने का प्रयत्न कर सकती है। अब इसके आसार और बढ़ते दिख रहे हैं। इसका एक कारण तो यह है कि पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव निकट आ गए हैं और दूसरे, महिला आरक्षण वाले नारी शक्ति वंदन अधिनियम को 2029 से पहले तभी लागू किया जा सकता है,जब नई जनगणना के नतीजों की प्रतीक्षा न की जाए। इस अधिनियम में यह प्रविधान था कि महिला आरक्षण नई जनगणना के हिसाब से होने वाले परिसीमन के बाद लागू किया जाएगा,लेकिन कोविड महामारी के कारण जनगणना में जो विलंब हुआ,उसके चलते लोकसभा और विधानसभाओं में 33 प्रतिशत महिला आरक्षण 2029 से पहले लागू करना संभव नहीं।इसे संभव बनाने के लिए ही सरकार ने कुछ माह पहले विशेष सत्र बुलाकर महिला आरक्षण संशोधन विधेयक के साथ परिसीमन विधेयक पारित कराने की कोशिश की थी,लेकिन विपक्ष के असहयोग के कारण वह इसमें नाकाम रही।

हालांकि सरकार ने विपक्ष को संतुष्ट करने के लिए सभी राज्यों में 50 प्रतिशत सीटें बढ़ाने का प्रस्ताव दिया था,ताकि हर राज्य का लोकसभा में प्रतिनिधित्व प्रतिशत वही रहे और महिला आरक्षण लागू करने का सभी दलों का वचन भी पूरा हो जाए। विपक्ष को यह अलिखित प्रस्ताव रास नहीं आया। चूंकि अब सरकार सभी राज्यों की 50 प्रतिशत सीटें बढ़ाने के प्रस्ताव को विधेयक का हिस्सा बनाने के संकेत दे रही है, इसलिए वह महिला आरक्षण संशोधन विधेयक के साथ परिसीमन विधेयक को पारित कराने में सफल हो सकती है। ऐसा होने का एक कारण विपक्षी गठबंधन में बिखराव और टूट-फूट होना भी है। जहां तृणमूल कांग्रेस के 20 लोकसभा सदस्य उससे अलग हो चुके हैं, वहीं आम आदमी पार्टी के आठ राज्यसभा सदस्य भी भाजपा में आ चुके हैं। इसके अलावा द्रमुक विपक्षी गठबंधन से बाहर आ गया है और उसे सभी राज्यों की 50 या 33 प्रतिशत लोकसभा सीटें बढ़ाने की सरकार की पहल में न तो कोई खामी दिख रही है और न ही तमिलनाडु का राजनीतिक अहित। 50 के स्थान पर 33 प्रतिशत सीटों का प्रस्ताव इसलिए सबको रास आ सकता है,क्योंकि महिला आरक्षण के तहत इतने प्रतिशत ही सीटें बढ़नी हैं। जो भी हो,विपक्षी दलों को यह विस्मृत नहीं करना चाहिए कि 2023 में महिला शक्ति वंदन अधिनियम संसद के दोनों सदनों से लगभग सर्वसम्मति से पारित हुआ था।

संबंधित घटकों की समृद्धता ही ग्रंथालय समृद्धि



डॉ.प्रीतम भि. गेडाम
मुंबई,महाराष्ट्र

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

जीवन में जो महत्व अमूल्य शिक्षा का होता है,वही महत्व ग्रंथालयों का भी होता हैं। किसी भी काल या समय में ग्रंथालयों का महत्व कम नहीं हुआ,बल्कि समय के साथ बढ़ा हैं। हमारे भारत देश के प्राचीनतम नालंदा, तक्षशिला नाम से विश्वप्रसिद्ध विश्व विद्यालयों के समृद्ध ग्रंथालय हो या आज के आधुनिक युग में साधनसंपन्न ज्ञान केंद्रों के रूप में स्थापित डिजिटल ग्रंथालय हो। हर ओर शिक्षा और ज्ञान के मुख्य स्रोत के रूप में ग्रंथालयों का महत्व अतुलनीय हैं। आज ग्रंथालयों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग किया जा रहा है, ताकि पाठकों को जलद गति से गुणवत्तापूर्ण ग्रंथालयीन सेवाएं प्रदान की जा सकें। इससे पाठकों और ग्रंथालयीन कर्मचारियों के समय, क्षमता की बचत होकर ग्रंथालयीन विज्ञान के पांचो नियमों का पूर्ण रूप से पालन होता हैं। ग्रंथालयों का निर्माण व्यवसाय या धनोपार्जन के रूप में नहीं होता हैं,यह शिक्षा सेवा या समाज सेवा के रूप में लोककल्याण स्वरुप ज्ञानोपार्जन का केंद्र होता हैं। आज हर तरफ, हर क्षेत्र को पैसा कमाने का जरिया बनाया गया हैं।समाज सुधारकों ने समाज को विकसित करने के दृष्टिकोण से समाजसेवा के रूप में स्कूल, महाविद्यालय,ग्रंथालय स्थापित किये थे,लेकिन समय के साथ आज इसमें बदलाव हुए हैं। अधिकतम शिक्षा क्षेत्र भी अब धनोपार्जन का केंद्र बन चुके है,लेकिन ग्रंथालय द्वारा बेहतर आय स्रोत न होने के कारण इस क्षेत्र में उद्यमी विशेष रूचि नहीं लेते। सरकार द्वारा संचालित ग्रंथालय ही आम लोगों के लिए एक साधन दिखाई पड़ता हैं। केंद्र सरकार द्वारा संचालित शिक्षा केंद्र या प्रसिद्ध निजी स्कूल,महाविद्यालय शिक्षा अनुरूप अपने ग्रंथालयों को काफी हद तक विकसित करते है। लेकिन अनेक राज्य सरकार द्वारा संचालित सार्वजनिक ग्रंथालय,अनुदानित स्कूल,महाविद्यालय और विश्वविद्यालयों साथ ही स्थानीय प्रशासन के ग्रंथालय भी बरसों से समस्याओं से जूझते नजर आते हैं।

ग्रंथालय के विकास के लिए सर्वप्रथम विकसित दृष्टिकोण की आवश्यकता है,क्योंकि अक्सर हम देखते है कि,बहुत-सी महानगरपालिका, नगर निगम जिनका वार्षिक बजट हजार करोड़ से ज्यादा होकर भी वहां के ग्रंथालयों की स्थिति सालो-साल ज्यों की त्यों बनी हैं। हालांकि अभी सरकार ग्रंथालयों के विकास पर जोर देने की कोशिश कर रही है,परंतु विकास का असर ग्रंथालय संबंधित सभी घटकों पर दिखना चाहिए। महाराष्ट्र राज्य के अनुदानित सार्वजनिक ग्रंथालयो के चार वर्ग ए,बी,सी और डी किए गए है,इसी वर्ग श्रेणी अनुसार ग्रंथालयीन खर्च,कर्मचारी वेतन और साहित्य खरीदी की जाती हैं। शायद जानकर हैरान हो जाओगे कि,वर्ग ए,बी,सी और डी वर्ग में बहुत से ग्रंथालय कर्मचारी का वेतन एक मजदुर से भी कई गुना कम होता हैं। वो भी आज के समय में जब महंगाई हमें रोज रुलाती है,ऐसे समय में कई ग्रंथालय कर्मचारी ढाई-तीन हजार रुपये माह का वेतन पाते है,क्या इस वेतन में आज जीना संभव है? महाराष्ट्र राज्य में अधिकतम यह अनुदानित ग्रंथालय संस्थाओं द्वारा संचालित होते है,जैसे यहा अधिकाधिक अनुदानित शाला,महा विद्यालय संस्थाओं द्वारा ही संचालित है,परंतु शाला,महाविद्यालय के कर्मचारियों को सरकारी नियमानुसार वेतनश्रेणी लगायी गयी है,जबकि इन



अनुदानित ग्रंथालय कर्मचारियों को कोई वेतनश्रेणी नहीं दी गई हैं।

अभी मेरी ऐसे ही एक सार्वजनिक ग्रंथालय क्लास ए वर्ग-अन्य अ के ग्रंथालय कर्मचारी से बात हुयी,उन्होंने बताया कि 1977 में 50 रूपये माह वेतन था,जो अब 12000 रुपये हुआ हैं। मतलब पिछले 49 साल में बारह हजार रूपये तक ही पहुंच पाए है,अर्थात श्रम आयुक्त,महाराष्ट्र द्वारा अधिसूचित, अकुशल मजदूरों हेतु महाराष्ट्र में दुकानों और प्रतिष्ठानों के लिए नवीनतम न्यूनतम मजदूरी भी इस वेतन से ज्यादा हैं। आज के समय में परिवार के मुखिया को परिवार की पूरी जिम्मेदारी का क्रियान्वयन इस वेतन में सहज संभव है? इस परिस्थिति में इन ग्रंथालय कर्मचारियों ने अपनी वास्तविकता के बारे में सरकार को अनेक बार अवगत कराया,लेकिन सफलता नहीं मिली। वे कर्मचारी सार्वजनिक ग्रंथालय कर्मचारी संगठन बनाकर मंत्रियो से मिले, निवेदन दिए,आंदोलन किये,लेकिन समाधान नहीं मिला। अब इन ग्रंथालय कर्मचारियों का कहना है कि,उचित समाधान नहीं मिलेगा तो आत्महत्या ही करना पडेगा, जीना बहुत मुश्किल हो चूका है,इस स्थिति तक मानसिकता पहुंच चुकी हैं। यह स्थिति उन ग्रंथालयीन कर्मचारियों की है जो ज्ञान रूपी भंडार समृद्ध कर हम तक ग्रंथालयीन सेवाएं अविरत प्रवाहित करते हैं।

आज देश के अनेक राज्यों के विविध क्षेत्रों के सभी स्तर पर ज्ञान केंद्रों में ग्रंथालय कर्मचारियों की भारी कमी हैं। पुराने कर्मचारी सेवानिवृत्त होते है,लेकिन नए कर्मचारी पद नहीं संभालते क्योंकि बरसों से पद भर्ती नहीं हुई है। महाराष्ट्र राज्य के सरकारी अनुदानित स्कूल के ग्रंथालयों में ढूंढने पर शायद कही कोई कर्मचारी दिख जायेगा,वर्ना अधिकतम अनुदानित स्कूल के ग्रंथालय बिना कुशल कर्मचारियों के ही चल रही हैं। महाराष्ट्र के अनेक वरिष्ठ महाविद्यालयों में पुस्तकालयाध्यक्ष के पद रिक्त पड़े है,अनेक विश्वविद्यालयों में भी यही नजारा है। अगर जरुरत पड़ी तो ठेका पद्धति पर कुछ समय के लिए कर्मचारी रखकर काम चलाते हैं। जबकि दूसरी ओर इस विषय में उच्च शिक्षित वर्ग में भयावह बेरोजगारी का आलम है,ठेका पद्धति के एक छोटे से ग्रंथालयीन कर्मचारी पद के लिए जिसका मासिक वेतन न्यूनतम मजदूरी के आसपास होगा,ऐसे पद के लिए भी सैकड़ो की संख्या में उच्च शिक्षित उम्मेदवार कतार में लगे होते हैं। 20-25 साल पहले जिन्होंने इस विषय में उच्च शिक्षा हासिल की,वे आज भी इस क्षेत्र में रोजगार से वंचित है,जिंदगी जीने के लिए मज़बूरी में मिले वो काम कर लेते हैं। अभी हाल ही में महाराष्ट्र राज्य के अनुदानित वरिष्ठ महाविद्यालय में पुस्तकालयाध्यक्ष (असिस्टेंट प्रोफेसर) पद हेतु 1 करोड़ से ज्यादा का रेट तय होने की भ्रष्टाचार की खबरें समाचारपत्रों में पढ़ी थी,वैसे तो अक्सर ही ऐसी खबरें लगातार आती रहती हैं। ग्रंथालयों में कुशल कर्मचारियों की कमी,उचित वेतनमान न मिलना, ग्रंथालय विकास हेतु निधि की कमी, ग्रंथालय विषय क्षेत्र में शिक्षित युवाओं में बेरोजगारी,पदभरती न होना,भ्रष्टाचार,लालफीताशाही यह समस्याएं ज्ञान केंद्र रूपी ग्रंथालयों को विकसित होने से रोकती है। इन समस्याओं को सरकार ने जल्द सुलझाना चाहिए। देश की नई शिक्षा प्रणाली और समाज को विश्वस्तरीय ग्रंथालयीन सेवाओं के लिए यह जरुरी हैं। ग्रंथालय अनेक घटकों से मिलकर बनी बेहद महत्वपूर्ण श्रृंखला है, बीच में एक भी घटक कमजोर होने पर ग्रंथालय का स्तर गिरता है, क्योंकि ग्रंथालयीन सेवाएं सीधे अवरुद्ध हो जाती है, सभी घटकों की समृद्धता ही समृद्ध ग्रंथालय का आधार हैं। इसमें गुणवत्तापूर्ण साहित्य सामग्री, पाठकों के मांग अनुरूप पूर्ति हेतु बेहतर ग्रंथालयीन सेवाएं,तकनिकी और उन्नत संसाधन,कुशल कर्मचारी, कर्मचारियों को बेहतर वेतनमान, समयानुसार पदभर्ती,पर्याप्त निधि और लगातार विकसित ग्रंथालयीन रुपरेखा के क्रियान्वयन का दृष्टिकोण बेहद आवश्यक हैं। यह सब मिलकर एक समृद्ध विकसित ग्रंथालय की संकल्पना को साकार करते है, जो हर देश, सरकार और समाज का लक्ष्य होता हैं। आज कृत्रिम बुद्धिमत्ता का प्रयोग ग्रंथालयों के विकास में नींव का पत्थर साबित हो रहा हैं। समृद्धता हमें विकसित समाज निर्मिति के प्रगति पथ पर अग्रसर करती हैं। प्रत्येक छात्र, प्रत्येक नागरिक और दुनिया में हर एक मनुष्य तक गुणवत्तापूर्ण ग्रंथालयीन सेवाओं की पहुंच सहज होनी चाहिए,क्योंकि सूचनाओं और ज्ञान की भूख प्रत्येक की जरुरत होती है और यह तभी संभव है जब ग्रंथालय के हर एक घटक की समृद्धता बढ़ेगी,तभी यह सभी मिलकर विकसित ग्रंथालय संचालित करेंगे।

व्यंग्य लेख :मुनाफे में विनम्र, नुकसान में विवेकशील रहना



संजय
एम.तराणेकर
इन्दौर,मध्यप्रदेश

शेयर बाज़ार भी बड़ा निराला रंगमंच है। यहाँ सुबह आदमी अपनी किस्मत का सिकंदर बनकर उठता है और शाम तक मोबाइल की स्क्रीन देखकर जीवन की नश्वरता पर चिंतन करने लगता है। बाजार चढ़े तो निवेशक का सीना 56 इंच का हो जाता है और बाजार गिरे तो वही सीना कैलेंडर में अगली तनख्वाह की तारीख खोजने लगता है। विशेषज्ञ कहते हैं,गिरते शेयर बाज़ार में घबराएँ नहीं,गंभीर रहें। अब सवाल यह है कि भाई साहब,घबराएँ नहीं तो क्या करें? शेयरों के साथ हमारी मेहनत की कमाई भी गोता लगा रही हो और विशेषज्ञ गंभीर रहने की सलाह दें, तो मन करता है कि उन्हें अपनी पोर्टफोलियो रिपोर्ट दिखाकर पूछें-महोदय,इसमें गंभीर होने लायक बचा क्या है?

बाज़ार गिरने पर विशेषज्ञों की भाषा भी अचानक दार्शनिक हो जाती है। कल तक जो कहते थे कि यह शेयर चाँद तक जाएगा,आज समझाते हैं कि निवेश लंबी



अवधि के लिए करना चाहिए। निवेशक बेचारा सोचता है कि चाँद तक जाने के लिए टिकट तो हमने भी खरीदा था, लेकिन हमारा रॉकेट रास्ते में ही कबाड़खाने में उतर गया!

सबसे मजेदार बात यह है कि जब बाजार चढ़ता है,तो हर कोई अपनी बुद्धिमत्ता का ढोल पीटता है। चाय की दुकान पर बैठा व्यक्ति भी बताता है कि उसने सही समय पर शेयर खरीद लिए थे। लेकिन बाजार गिरते ही वही महान निवेशक कहता है,मैं तो लंबे समय के लिए निवेश करता हूँ। मानो घाटा नहीं हुआ, बल्कि उसने भविष्य की पीढ़ियों के नाम संपत्ति जमा कर दी हो! टीवी चैनलों पर विशेषज्ञ आते हैं। कोई कहता है, यह खरीदने का सुनहरा अवसर है। दूसरा कहता है,अभी और गिरावट आएगी। तीसरा समझाता है कि निवेशकों को धैर्य रखना चाहिए। दर्शक उलझन में पड़ जाता है कि आखिर करे क्या? खरीद ले, बेच दे या टीवी बंद करके भगवान का नाम जपे? और फिर आता है लंबी अवधि का निवेश। यह ऐसा ब्रह्मास्त्र है,जिससे हर नुकसान को समझाया जा सकता है। शेयर गिरा तो कहेंगे,इंतजार कीजिए। और गिरा तो कहेंगे,और इंतजार कीजिए। कहीं निवेशक ही पहले लंबी अवधि की यात्रा पर निकल गया,तब भी शायद सलाह यही होगी-बाजार में धैर्य बहुत जरूरी है! सच तो यह है कि शेयर बाजार में समझदारी जरूरी है, लेकिन उससे भी ज्यादा जरूरी है अपनी आर्थिक हैसियत समझना। उधार लेकर निवेश करना और फिर बाजार को कोसना वैसा ही है, जैसे बिना छाता लिए बारिश में निकलना और बादलों पर मुकदमा ठोक देना।

इसलिए बाजार गिरे तो घबराइए मत,मगर आँखें बंद करके गंभीर भी मत हो जाइए। निवेश से पहले जानकारी लीजिए, जोखिम समझिए और अपनी जरूरतों के पैसे दाँव पर मत लगाइए।

आखिर शेयर बाजार में सबसे बड़ा मंत्र यही है-मुनाफा हो तो विनम्र रहिए और नुकसान हो तो विवेकशील। क्योंकि बाजार में पैसा डूबने के बाद भी उम्मीद बची रह सकती है,लेकिन उम्मीद के भरोसे बार-बार पैसा डुबाना कोई निवेश नहीं,आत्मविश्वास का आर्थिक दंगल है!

काला सांड

सेंसर नंबर 78 ने किलोमीटर 142 पर एक छोटी कार को 118 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से गुजरते हुए रिकॉर्ड किया था। स्क्रीन पर एआई सिस्टम ने तुरंत ग्रीन सिग्नल दिया'स्वीकार्य गति सीमा के भीतर। लेन अनुशासनः 100 प्रतिशत। वाहन सुरक्षित।'कंट्रोल रूम के वातानुकूलित सन्नाटे में सब कुछ कंप्यूटर के कोड जैसा सुव्यवस्थित था।उस मोड़ पर स्ट्रीट लाइट्स की तांबे की तारें कई महीने पहले चोरी हो चुकी थीं। और ठीक उस सबसे तेज चलने वाली फास्ट लेन के डामर पर पांच सौ किलो का एक विशाल काला सांड आराम से बैठा था। एक्सप्रेसवे के एआई कैमरे उस सांड को देख ही नहीं सकते थे,क्योंकि सॉफ्टवेयर को केवल 'पंजीकृत नंबर प्लेट' पहचानने के लिए कोड किया गया था। बिना नंबर प्लेट वाली किसी भी जैविक बाधा को सिस्टम शून्य मानकर खारिज कर देता था। कार में बत्तीस साल का केशव अपनी पत्नी शालिनी और छह साल की बेटी आरवी के साथ दीपावली की छुट्टियों के बाद घर लौट रहा था। कार के भीतर धीमी आवाज में संगीत बज रहा था और आरवी अपने पिता के कंधे पर सिर रखकर सो रही थी।



अचानक कार के हेडलाइट्स की रोशनी में वह काला पहाड़ बिजली की तरह कौंधा। फासला मात्र बीस मीटर का था।केशव ने पूरी ताकत से ब्रेक पैडल दबाया,लेकिन एक सौ बीस की रफ्तार को रुकने के लिए जिस दूरी की जरूरत थी, वह कंक्रीट के उस रास्ते पर मौजूद नहीं थी। एक भयानक, कान के पर्दे फाड़ देने वाली गड़गड़ाहट के साथ कार उस भारी जानवर से टकरा गई। गाड़ी हवा में तीन बार घूमी और डिवाइडर के लोहे के क्रैश-बैरियर को चीरती हुई पलट गई। धुआं,पिघलता हुआ प्लास्टिक और शीशों की खूनी बारिश। केशव ने खून से लथपथ होकर अपनी कांपती उंगलियों से सीटबेल्ट खोली। वह घिसटते हुए पिछली सीट की तरफ लपका। आरवी का सिर सामने की टूटी खिड़की से टकरा चुका था। उसके माथे से खून का फव्वारा बह रहा था। केशव चीखा,आरवी! मेरी बच्ची...आंख खोलो बेटा!

दस मिनट के भीतर एक्सप्रेसवे की पेट्रोलिंग वैन सायरन बजाती हुई मौके पर पहुंची।अधिकारी ने अपनी जेब से टैबलेट निकाला और दुर्घटनास्थल का डिजिटल पंचनामा बनाने लगा। केशव ने उसके पैर पकड़ लिए,साहब,एम्बुलेंस बुलाइए! मेरी बेटी की सांसें टूट रही हैं! अधिकारी ने चश्मा ठीक किया और बड़ी प्रशासनिक गंभीरता से बोला,केशव जी, एम्बुलेंस डिस्पैच हो चुकी है,लेकिन पहले आप नियम समझिए। एक्सप्रेसवे के बायलॉज के तहत आपने फास्ट लेन में अचानक हार्ड-ब्रेक लगाया,जिससे पीछे आने वाले ट्रैफिक के लिए जोखिम पैदा हुआ। और आपकी गाड़ी का फास्टैग ब्लैकलिस्टेड दिखा रहा है। केशव की आंखों से आंसुओं के साथ खून बह रहा था। उसने चिल्लाकर कहा,अरे अंधे हो क्या? वो सामने मरा पड़ा सांड नहीं दिख रहा? हमने हर पचास किलोमीटर पर दो सौ रुपये टोल किस बात का दिया है? सड़क पर जानवर कैसे आया?अधिकारी ने दार्शनिक भाव से समझाया,देखिए भाई,आवारा मवेशी कानून की नजर में एक्ट ऑफ गॉड यानी दैवीय आपदा हैं। हमारा अनुबंध केवल कंक्रीट की सड़क बनाने और टोल टैक्स वसूलने का है। पशुओं को पकड़ना स्थानीय ग्राम पंचायत और पशुपालन विभाग का अधिकार क्षेत्र है। हमारा सॉफ्टवेयर सिर्फ स्पीड और टोल नापता है, सांडों को भगाना हमारे टेंडर की शर्तों में शामिल नहीं है। व्यवस्था की सबसे बड़ी खूबी यही है, वह खून के धब्बे पर भी अधिकार क्षेत्र का विवाद खड़ा करके फाइल बंद कर देती है।केशव ने अपनी गोदी में आरवी को उठाया। बच्ची का नन्हा शरीर एकदम ढीला पड़ चुका था। उसकी कलाई से प्लास्टिक की गुलाबी घड़ी टूटकर सड़क के खून सने डामर पर गिर गई थी। आरवी ने अपने पिता के सीने में अपना चेहरा छुपाया और हमेशा के लिए शांत हो गई।

ठीक उसी पल,केशव की जेब में पड़े टूटे हुए मोबाइल पर फास्टैग का एक ऑटोमेटेड मैसेज चमका 'धन्यवाद! किलोमीटर 142 के टोल प्लाजा पर 180 रुपये की सफल कटौती। सुखद यात्रा ही हमारा संकल्प है।'केशव उस खून से सनी कंक्रीट की सड़क पर अपनी मृत बच्ची को गोद में लिए बैठ गया। और उस रात के अंधेरे में,उस एक्सप्रेसवे के चमचमाते ग्रीन साइनबोर्ड पर हरी लाइटों में लिखा था 'गति ही प्रगति हैः विश्वस्तरीय भारत में आपका स्वागत है।'

-डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा उरतृप्त-

देश हित युवाओं से संवाद,बुजुर्गों से मशवरा



किसी राष्ट्र की पहचान केवल उसकी आर्थिक प्रगति,आधुनिक तकनीक,चमचमाते शहरों और ऊँची इमारतों से नहीं होती। राष्ट्र की वास्तविक पहचान उसकी स्मृतियों,संस्कारों, अनुभवों और आने वाली पीढ़ियों के सपनों में होती है। जिस समाज ने अपने अतीत को सम्मान दिया,वर्तमान को संवारा और भविष्य को संस्कार दिए,वही समाज दीर्घकाल तक अपनी सभ्यता और संस्कृति को जीवित रख सका। बुजुर्ग हमारी बौद्धिक विरासत हैं, महिलाएँ हमारी सांस्कृतिक एवं पारंपरिक शक्ति हैं और बच्चे राष्ट्र के सशक्त भविष्य की आधारशिला हैं। इन तीनों को अलग-अलग देखने के बजाय एक ऐसी जीवन-श्रृंखला के रूप में देखना होगा,जिसमें अतीत का अनुभव वर्तमान के संस्कारों से होकर भविष्य की संभावनाओं में बदलता है। आज हम सूचना के ऐसे युग में जी रहे हैं जहाँ एक क्लिक पर हजारों सूचनाएँ उपलब्ध हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता कुछ ही क्षणों में जटिल प्रश्नों के उत्तर दे सकती है, लेकिन जीवन के अनुभव का कोई डिजिटल विकल्प नहीं है।



संजीव कुमार ठाकुर
रायपुर,छत्तीसगढ़

एक बुजुर्ग ने जीवन में जितने उतार-चढ़ाव देखे हैं,वे किसी पाठ्यपुस्तक में नहीं मिल सकते। उन्होंने अभाव का समय देखा,संघर्ष किया,रिश्तों को निभाया,सामाजिक परिवर्तन को अपनी आँखों के सामने घटित होते देखा और अपने अनुभव से परिवारों को संभाला। इसलिए बुजुर्गों को केवल आयु के आधार पर निर्भर व्यक्ति समझना उनके व्यक्तित्व और समाज में उनके योगदान को छोटा करना है। भारतीय परंपरा ने सदैव वृद्धों के अनुभव को महत्व दिया। मनुस्मृति में कहा गया है...

अभिवादनशीलस्य नित्यं
वृद्धोपसेविनः।
चत्वारि तस्य वर्धन्ते
आयुर्विद्या यशो बलम॥

अर्थात जो व्यक्ति वृद्धों का सम्मान और सेवा करता है,उसकी आयु, विद्या,यश और बल में वृद्धि होती है। आज इस श्लोक को केवल धार्मिक संदर्भ में नहीं,बल्कि सामाजिक विज्ञान के संदर्भ में भी समझने की आवश्यकता है। बुजुर्गों के पास अनुभव की वह पूँजी है,जिसे अगली पीढ़ी तक पहुँचाना राष्ट्र की बौद्धिक संपदा का संरक्षण है। दुर्भाग्य से आधुनिक जीवन में संयुक्त परिवारों के विघटन,रोजगार के लिए पलायन और व्यस्त जीवनशैली ने बुजुर्गों के सामने अकेलेपन की समस्या खड़ी की है। कई बार घर में रहते हुए भी वे संवाद से बाहर हो जाते हैं। समस्या का समाधान केवल वृद्धाश्रम नहीं है। वृद्धाश्रम आवश्यकता की स्थिति में उपयोगी संस्था हो सकता है,लेकिन परिवार का विकल्प नहीं। बुजुर्गों को सबसे अधिक आवश्यकता सम्मान,संवाद,अपनत्व और निर्णयों में सहभागिता की है। महिलाएँ संस्कृति की मौन वाहक होती हैं।भारत की सांस्कृतिक परंपरा को यदि किसी ने पीढ़ी-दर-पीढ़ी जीवित रखा है तो उसमें महिलाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। बच्चे की पहली भाषा, पहला संस्कार, पहली प्रार्थना,पहला लोकगीत और परिवार के अनेक रीति-रिवाज अक्सर माँ और दादी-नानी के माध्यम से ही बच्चे तक पहुँचते हैं।

इसलिए महिला को केवल परिवार की जिम्मेदारियों तक सीमित करके देखना उसकी वास्तविक भूमिका को कम करके देखना है। स्वामी विवेकानंद ने कहा था कि किसी राष्ट्र की प्रगति का सर्वोत्तम थर्मामीटर उसकी महिलाओं की स्थिति है। जिस देश की महिलाएँ शिक्षित, सुरक्षित,स्वावलंबी और निर्णय लेने में सक्षम होंगी,वहाँ परिवार और समाज दोनों मजबूत होंगे। भारतीय इतिहास में अहिल्याबाई होल्कर, रानी लक्ष्मीबाई,सावित्रीबाई फुले और अनेक महिलाओं ने यह सिद्ध किया कि नारी केवल संवेदना की प्रतीक नहीं,बल्कि नेतृत्व,संघर्ष, ज्ञान और परिवर्तन की शक्ति भी है। इसलिए महिलाओं के सम्मान की बात केवल भावनात्मक विषय नहीं होनी चाहिए। शिक्षा, स्वास्थ्य,सुरक्षा,आर्थिक आत्मनिर्भरता और समान अवसर ये महिला सशक्तीकरण के वास्तविक आधार हैं। यदि बुजुर्ग अनुभव हैं और महिलाएँ संस्कारों की वाहक हैं,तो बच्चे उस अनुभव और संस्कार के भविष्य हैं।

पंडित जवाहरलाल नेहरू का बच्चों के प्रति विशेष लगाव था। वे बच्चों को देश की भावी शक्ति मानते थे। उनका प्रसिद्ध विचार था कि आज के बच्चे ही कल का भारत बनाएँगे। यह विचार हमें याद दिलाता है कि बच्चों की शिक्षा और परवरिश केवल माता-पिता की निजी जिम्मेदारी नहीं,बल्कि राष्ट्रीय दायित्व है।आज बच्चों के सामने नई चुनौतियाँ हैं। इंटरनेट,सोशल मीडिया,कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डिजिटल मनोरंजन ने ज्ञान के अवसर बढ़ाए हैं,लेकिन इनके साथ ध्यान भटकने, सामाजिक अलगाव और वास्तविक संवाद कम होने जैसी चुनौतियाँ भी सामने आई हैं। बच्चों को केवल महँगे विद्यालय और आधुनिक उपकरण देना पर्याप्त नहीं है। उन्हें समय,संस्कार,अनुशासन,संवेदना, खेल,प्रकृति और परिवार के बुजुर्गों का सान्निध्य भी चाहिए। एक बच्चा जब दादा-दादी से कोई कहानी सुनता है तो वह केवल कहानी नहीं सुन रहा होता,वह परिवार का इतिहास,भाषा, लोकस्मृति और जीवन-दर्शन ग्रहण कर रहा होता है। आज हमारे सामने एक विचित्र स्थिति है। बुजुर्गों के पास अनुभव है,युवाओं के पास ऊर्जा है और बच्चों के पास भविष्य की संभावनाएँ हैं, लेकिन इन तीनों के बीच संवाद लगातार कम हो रहा है।।बुजुर्ग कहते हैं आज की पीढ़ी हमारी बात नहीं सुनती। युवा कहते हैं बुजुर्ग हमें समझते नहीं। और बच्चे कहते हैं हमारे पास किसी के पास बैठने का समय नहीं।

यदि यह दूरी बढ़ती रही तो हम केवल पारिवारिक संबंध नहीं खोएँगे,बल्कि पीढ़ियों के बीच ज्ञान का हस्तांतरण भी कमजोर होगा। इसलिए घर में ऐसा वातावरण बनना चाहिए जहाँ दादा-दादी बच्चों से बात करें,महिलाएँ परिवार की सांस्कृतिक स्मृतियों को आगे बढ़ाएँ और युवा दोनों पीढ़ियों के अनुभव तथा ऊर्जा को जोड़ने का काम करें। हमें यह भी समझना होगा कि संरक्षण का अर्थ अतीत को ज्यों का त्यों ढोना नहीं है। परंपरा वही जीवित रहती है जो समय के साथ स्वयं को उपयोगी बनाती है। बुजुर्गों का अनुभव और युवाओं की तकनीकी दक्षता मिल जाए तो परिवार अधिक सक्षम बन सकता है। महिलाओं की सांस्कृतिक चेतना और आधुनिक शिक्षा मिल जाए तो समाज अधिक संवेदनशील और आत्मनिर्भर बन सकता है। बच्चों को आधुनिक विज्ञान के साथ भारतीय जीवन-मूल्यों की समझ मिल जाए तो भविष्य अधिक संतुलित होगा। महात्मा गांधी का विचार था कि ऐसा जियो जैसे तुम कल मरने वाले हो और ऐसे सीखो जैसे तुम्हें हमेशा जीना है। इस विचार में पीढ़ियों के बीच ज्ञान के हस्तांतरण की गहरी भावना छिपी हैसरकारें बुजुर्गों के लिए योजनाएँ बना सकती हैं, महिलाओं के लिए कानून और सुरक्षा व्यवस्था दे सकती हैं तथा बच्चों के लिए शिक्षा और पोषण की योजनाएँ चला सकती हैं। लेकिन इन सबकी सफलता तभी संभव है जब समाज की मानसिकता बदले।बुजुर्गों को दया नहीं,सम्मान चाहिए। महिलाओं को केवल सुरक्षा नहीं, समान अवसर और निर्णय की स्वतंत्रता चाहिए। बच्चों को केवल सुविधाएँ नहीं, समय, संस्कार और सुरक्षित भविष्य चाहिए। हमें यह समझना होगा कि जिस घर में बुजुर्ग सम्मानित होते हैं,वहाँ अनुभव सुरक्षित रहता है;जिस घर में महिला सम्मानित होती है,वहाँ संस्कृति और संवेदना मजबूत होती है,और जिस घर में बच्चों को अच्छे संस्कार मिलते हैं,वहाँ भविष्य सुरक्षित होता है।

बुजुर्ग अतीत की स्मृति हैं, महिलाएँ वर्तमान की सांस्कृतिक शक्ति हैं और बच्चे भविष्य की संभावना। इन तीनों को जोड़ने वाला मजबूत पारिवारिक और सामाजिक तंत्र ही भारत की सबसे बड़ी शक्ति बन सकता है।इसलिए आज आवश्यकता केवल विकास की नहीं, पीढ़ियों को जोड़ने वाले विकास की है। बुजुर्गों की स्मृतियों को सुरक्षित रखिए,महिलाओं की शक्ति को सम्मान दीजिए और बच्चों के सपनों को पंख दीजिए।



बाल दिवस आया



अशोक पटेल
आशु
शवरीनारायण,
छत्तीसगढ़

बाल दिवस का ये शुभ दिन आया है
बच्चों में खुशियां-उल्लास समाया है।
चाचा नेहरू का जन्म दिवस मनाएंगे
नेहरू को हम चाचा कहके पुकारेंगे।
नेहरू जी को लगते बच्चे बड़े प्यारे हैं
बच्चे को लगते इनको न्यारे-न्यारे हैं।
नेहरू चाचा बच्चों के लगते दुलारे हैं
तभी ये चाचा-चाचा कहके पुकारे हैं।
ये बच्चों को बांटते थे रंगीले-गुब्बारे हैं
और साथ मे इनके ये समय गुजारे हैं।
चाचा नेहरू को लगते गुलाब प्यारे हैं
तभी तो इसे अचकन में ओ उतारें हैं।
नेहरू बने सबसे पहले प्रधानमंत्री हैं
पंचशील दिया तुमने इसी में शांति है।
शांति सद्भावना आपको बड़े प्यारे थे
भारत माता के तुम आंखों के तारे थे।

सूचना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

सम्पादक

CMYK

राशन कार्ड कटौती से 29 हजार परिवार प्रभावित,धान खरीदी से पहले गिरदावरी ने बढ़ाई किसानों की चिंता

टीएस सिंहदेव का सरकार पर हमला,कहीं चार में से तीन सदस्यों के नाम कटे,कहीं 35 किलो की जगह मिल रहा 10 किलो राशन,बोले...पहले शिकायतों की जांच कर सुधार कीजिए,नहीं तो सड़क पर उतरेगी कांग्रेस

डिजिटल रिकॉर्ड की गड़बड़ी से राशन और खेती दोनों पर संकट का आरोप,पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल सहित अपने परिवार के जमीन रकबे का भी दिया उदाहरण



-संवाददाता-
अम्बिकापुर,13 नवम्बर 2026 (घटती-घटना)।

प्रदेश में राशन कार्डों से नाम काटे जाने और धान खरीदी से पहले गिरदावरी में सामने आ रही कथित गड़बड़ियों को लेकर पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव ने राज्य सरकार पर तीखा हमला बोला है। जिला कांग्रेस कार्यालय राजीव भवन में पत्रकारों से चर्चा करते हुए उन्होंने दावा किया कि अकेले सरगुजा जिले में लगभग 29 हजार राशन कार्डधारी प्रभावित हुए हैं। वहीं प्रदेशभर में यह संख्या लाखों में हो सकती है। सिंहदेव ने आरोप लगाया कि सत्यापन और डिजिटल रिकॉर्ड के नाम पर गरीब परिवारों के खाद्यान्न अधिकार प्रभावित किए जा रहे हैं। दूसरी ओर,गिरदावरी में रकबा शून्य दर्ज होने से किसान धान बेचने की चिंता में डूबे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार की प्रशासनिक व्यवस्था ऐसी हो गई है कि न राशन की समस्या का समाधान हो रहा है और न किसानों को अपनी परेशानी का जवाब मिल रहा है।

चार सदस्यों के राशन कार्ड में सिर्फ एक का नाम बचा

राशन कार्डों के सत्यापन और नाम कटौती का उदाहरण देते हुए सिंहदेव ने अपने पीएसओ राजेश पैकरा के परिवार का मामला सामने रखा। उन्होंने बताया कि राजेश पैकरा के राशन कार्ड में चार सदस्यों के नाम दर्ज थे। फोटो वेरिफिकेशन के लिए कर्मचारी उनके घर पहुंचे और सत्यापन के बाद राजेश पैकरा, उनकी पत्नी तथा एक बच्चे का नाम काट दिया गया। कार्ड में केवल एक बच्चे का नाम शेष रह गया। सिंहदेव के मुताबिक जब उनके आसपास ही ऐसी स्थिति है तो सामान्य परिवारों की परेशानी का अंदाजा लगाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि जिन परिवारों को पहले 35 किलो राशन मिलता था,उन्हें अब केवल 10 किलो राशन मिल रहा है। चना छह महीने से नहीं मिलने और कई राशन दुकानों में दो महीने या उससे अधिक समय से शक्कर का वितरण प्रभावित होने की शिकायतें भी सामने आई हैं। कहीं शक्कर पर्याप्त मात्रा में पहुंच रही है तो कहीं उपभोक्ताओं को इसका इंतजार करना पड़ रहा है। उन्होंने इसे खाद्य वितरण व्यवस्था में गंभीर अव्यवस्था बताया।

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का भी रकबा पोर्टल से गायब होने का दावा : सिंहदेव ने गिरदावरी की कथित गड़बड़ियों का उदाहरण देते हुए कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की चार एकड़ जमीन का रकबा भी पोर्टल से गायब बताया जा रहा है। उन्होंने कहा कि उनके परिवार के छोटे बाबा और स्वयं उनके परिवार की 30 एकड़ से अधिक जमीन का रकबा भी सरकारी रिकॉर्ड में शून्य हो गया है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब जनप्रतिनिधियों और बड़े परिवारों के जमीन संबंधी रिकॉर्ड में ऐसी गड़बड़ियां सामने आ रही हैं तो सामान्य किसानों की स्थिति क्या होगी? धान की पैदावार और वास्तविक रकबे का सत्यापन पटवारियों के माध्यम से होना है, लेकिन पटवारी हड़ताल पर हैं। ऐसे में किसानों के खेतों का सही आंकड़ा कौन तैयार करेगा और गलत रिकॉर्ड को ठीक करने की जिम्मेदारी किसकी होगी?

कैलकुलेटर का उदाहरण देकर समझाई डिजिटल गड़बड़ी

डिजिटल व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए सिंहदेव ने कहा कि कैलकुलेटर जोड़-घटाव और गुणा-भाग करने में मदद करता है, लेकिन उसमें गलत आंकड़े डाल दिए जाएं तो परिणाम भी गलत ही आएगा। इसी तरह कंप्यूटर में अधूरी या गलत जानकारी दर्ज होगी तो उसका खामियाजा आम हितग्राहियों को भुगतना पड़ेगा। उन्होंने सरगुजा के कांतिप्रकाशपुर, कंठी, टपरकेला और मानिकप्रकाशपुर गांवों का उदाहरण देते हुए कहा कि यहां सैकड़ों राशन कार्डधारियों के नाम प्रभावित हुए हैं। कई ऐसे उपभोक्ता हैं, जिन्होंने पिछले महीने तक राशन लिया, लेकिन अब डिजिटल रिकॉर्ड में उनका खाद्यान्न आवंटन शून्य दिख रहा है। स्थिति यह है कि वरिष्ठ अधिकारियों को भी इसकी स्पष्ट जानकारी नहीं है कि आखिर राशन अचानक शून्य कैसे हो गया। सिंहदेव ने आरोप लगाया कि तकनीकी व्यवस्था के नाम पर लोगों को खाद्य सुरक्षा के कानूनी अधिकार से वंचित किया जा रहा है।

सरकार पहले जांच करे, फिर सुधार करे; आंदोलन अंतिम विकल्प

सिंहदेव ने कहा कि विपक्ष का पहला काम हर मुद्दे पर सड़क पर उतरना नहीं है। कांग्रेस पहले लोगों से मिल रही है, शिकायतें सुन रही है और यह पता लगा रही है कि सामने आ रही समस्याएं वास्तविक हैं या नहीं। यदि शिकायतें गलत हैं तो सरकार को स्पष्ट करना चाहिए, लेकिन यदि गड़बड़ी है तो तत्काल सुधार होना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि सरकार ने शिकायतों को गंभीरता से नहीं लिया और व्यवस्था में सुधार नहीं किया तो कांग्रेस जनता के साथ सड़क पर उतरकर आंदोलन करेगी।

धान खरीदी से पहले गिरदावरी ने किसानों को संकट में डाला

राशन के बाद सिंहदेव ने धान खरीदी और गिरदावरी की स्थिति को लेकर सरकार को घेरा। उन्होंने बताया कि उनके पास एक बड़े किसान और सरपंच का फोन आया था। किसान ने बताया कि पिछले वर्ष उसने धान बेचा था,लेकिन इस वर्ष सरकारी रिकॉर्ड में उसका रकबा शून्य दिखाया जा रहा है। किसान ने फोन पर अपनी परेशानी बताते हुए कहा कि उसने एक लाख रुपये से अधिक का कर्ज लिया है और यदि धान नहीं बेच पाया तो उसके सामने आत्महत्या के अलावा कोई रास्ता नहीं बचेगा। सिंहदेव ने कहा कि यह केवल एक किसान की समस्या नहीं है। कई किसान इसी तरह की शिकायतें लेकर उनसे संपर्क कर रहे हैं। पटवारियों की हड़ताल के कारण गिरदावरी और डिजिटल फसल सर्वे का काम प्रभावित हुआ है। खेतों में किस किसान ने कितने एकड़ में धान लगाया है,इसका वास्तविक रिकॉर्ड तैयार नहीं हो पाया है। इसके बावजूद 15 नवंबर से धान खरीदी शुरू करने की तैयारी की जा रही है। सवाल यह है कि जब किसानों के रकबे का सत्यापन ही अधूरा है तो खरीदी के समय उनकी समस्याओं का समाधान कैसे होगा?

टोकन व्यवस्था और धान उठाव की तैयारी पर भी सवाल

पूर्व उपमुख्यमंत्री ने धान खरीदी के लिए तय टोकन व्यवस्था को अव्यावहारिक बताते हुए कहा कि सरकार ने खरीदी की तैयारी तो घोषित कर दी है,लेकिन किसानों को होने वाली परेशानियों के समाधान की कोई ठोस व्यवस्था दिखाई नहीं दे रही। गिरदावरी दुरुस्त नहीं है,धान के उठाव की तैयारी पर भी सवाल हैं और किसानों को अपनी समस्या लेकर जाने पर जिम्मेदार अधिकारी स्पष्ट जवाब नहीं दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि कोई भी वास्तविक किसान केवल डिजिटल रिकॉर्ड की गलती के कारण धान बेचने से वंचित न हो। अन्नदाता कर्ज लेकर खेती करता है और यदि उपज बेचने के समय ही उसका रकबा शून्य कर दिया जाएगा तो उसकी आर्थिक स्थिति और खराब होगी।

प्रेसवार्ता में कांग्रेस नेताओं की मौजूदगी

प्रेसवार्ता के दौरान पूर्व मंत्री अमरजीत भगत, कांग्रेस जिलाध्यक्ष बालकृष्ण पाठक,अजय अग्रवाल,नगर निगम में नेता प्रतिपक्ष शफी अहमद,पूर्व कांग्रेस जिलाध्यक्ष राकेश गुप्ता,डॉ. जेपी श्रीवास्तव,इंद्रजीत सिंह धंजल,दीपक मिश्रा,इरफान सिद्दीकी सहित अन्य कांग्रेसजन उपस्थित थे। सिंहदेव की प्रेसवार्ता में राशन कार्ड कटौती और गिरदावरी की गड़बड़ी दो ऐसे मुद्दे रहे, जिनका सीधा संबंध गरीब परिवारों और किसानों के जीवन से है। एक तरफ जरूरतमंद परिवार अपने हिस्से के राशन के लिए परेशान हैं,तो दूसरी तरफ किसान अपनी उपज बेचने के लिए सरकारी रिकॉर्ड दुरुस्त होने का इंतजार कर रहे हैं। अब सवाल सरकार के सामने है कि डिजिटल व्यवस्था और प्रशासनिक प्रक्रियाओं की गलतियों का खामियाजा आखिर आम जनता कब तक भुगतेगी?

करंट से 7 साल के हथिनी की मौत

5 गिरफ्तार,सबूत छिपाने तार फेंका था डैम में



-संवाददाता-
उदयपुर,13 नवम्बर 2026 (घटती-घटना)।

सरगुजा जिले के उदयपुर वन परिक्षेत्र के कुसवामुड़ा में 7 वर्षीय हथिनी की करंट लगने से मौत हो गई थी। जांच में खुलासा हुआ कि किसानों ने अपनी फसल बचाने के लिए खेत में जानलेवा तरीके से बिजली का तार बिछाकर रखा था। इसी तार की चपेट में आकर हथिनी की मौत हो गई। वन विभाग ने इस मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए 5 आरोपियों को गिरफ्तार करके जेल भेजा है।

उदयपुर रेंज में हाथी के मौत की यह दूसरी घटना थी। लगातार हो रही घटनाओं के बाद वन विभाग ने मामले को बेहद गंभीरता से लिया। टीम ने सुखरीभंडार गांव के 12 संदेहियों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की। लगातार दो दिन तक चली गहन पूछताछ के बाद आखिरकार सच सामने आ गया। आरोपियों ने अपना जुर्म कबूल कर लिया। पकड़े गए आरोपियों में जगमोहन मझवार (41), भरोस मझवार (41), पारस मझवार (41), बुधराम मझवार (41) और रतनराम मझवार (37) शामिल हैं। सभी को न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है। जांच में मौत का जाल बिछाने का जो तरीका सामने आया है वो बेहद खतरनाक है। घटनास्थल से करीब 700 मीटर दूर गन्ने की बाड़ी में लगे बिजली के खंभे से सीधे तार जोड़कर खेतों में करंट दौड़ाया जाता था। मुख्य आरोपी भरोस मंझवार रोज शाम 7-8 बजे बिजली चालू करता था और पूरी रात करंट चालू रहता था। सुबह करीब 4 बजे, उजाला होने से पहले ही वह तार निकाल देता था, ताकि किसी को पता न चले। घटना वाले दिन जगमोहन मंझवार अपने खेत से घटनास्थल तक करंट वाला तार खींच कर ले गया था। रात में विचरण के दौरान हथिनी उसी तार की चपेट में आ गई और मौके पर ही उसकी मौत हो गई।

हथिनी की मौत के बाद आरोपी डर गए। पकड़े जाने के डर से उन्होंने करंट वाला तार निकाल कर पास के डैम में फेंक दिया ताकि कोई सबूत न बचे। लेकिन वन विभाग की सूझबूझ से उनका यह प्लान फेल हो गया। इस पूरे मामले का पर्दाफाश करने में रेंजर फैकू प्रसाद चैबे के नेतृत्व में बनी टीम ने अहम भूमिका निभाई। टीम में सर्किल प्रभारी यादवेंद्र सिंह पैकरा,गिरीश बहादुर सिंह,मलेश्वर प्रसाद,अशोक कुमार,वनरक्षक अमरनाथ राजवाड़े, राजेश कुजूर,अनीता मिंज,अरूलिया मिंज और वनपाल शशिकांत सिंह शामिल थे। वन विभाग ने ग्रामीणों से अपील की है कि फसल की सुरक्षा के लिए इस तरह का जानलेवा तरीका न अपनाएं। यह वन्य प्राणी संरक्षण अधिनियम के तहत गंभीर अपराध है, जिसमें जेल और जुर्माने दोनों का प्रावधान है।

जनजातीय समाज को वोट बैंक नहीं,भारत की आत्मा मानती है भाजपा : चिंतामणि महाराज

2047 के विकसित भारत में आदिवासी समाज की भागीदारी का दावा,प्रेसवार्ता में कांग्रेस पर साधा निशाना,योजनाओं और बढ़े बजट का गिनाया हिसाब



-संवाददाता-
अम्बिकापुर,13 नवम्बर 2026 (घटती-घटना)।

जनजातीय समाज को देश की आत्मा और विकसित भारत 2047 की मजबूत नींव बताते हुए सरगुजा सांसद चिंतामणि महाराज ने भाजपा सरकार की नीतियों और केंद्र की योजनाओं का बखान किया। भाजपा कार्यालय संकल्प भवन में आयोजित प्रेसवार्ता में उन्होंने भगवान बिरसा मुंडा सहित जनजातीय स्वतंत्रता सेनानियों के संघर्ष को याद किया और कहा कि भाजपा जनजातीय समाज को वोट बैंक नहीं,बल्कि राष्ट्र निर्माण का महत्वपूर्ण आधार मानती है। हालांकि, प्रेसवार्ता में योजनाओं,बढ़े बजट और सरकारी अभियानों की लंबी सूची तो सामने रखी गई, लेकिन इन योजनाओं का सरगुजा के आदिवासी अंचलों में कितना वास्तविक लाभ पहुंचा है, इस पर कोई ठोस आंकड़ा प्रस्तुत नहीं किया गया। भगवान बिरसा मुंडा की 151वीं जयंती के अवसर पर 11 से 18 नवंबर तक आयोजित जनजातीय गौरव सप्ताह के तहत पत्रकारों से चर्चा करते हुए सांसद ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जनजातीय समाज विकसित भारत 2047 का मजबूत आधार बन रहा है। उन्होंने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा ने अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ जल,जंगल,जमीन और आदिवासी स्वाभिमान की रक्षा के लिए ऐतिहासिक संघर्ष किया था। उनका उलगुलान आंदोलन जनजातीय अस्मिता और अधिकारों की लड़ाई का प्रतीक है।

आजादी की लड़ाई में आदिवासी नायकों के योगदान को किया याद : सांसद ने कहा कि 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम से पहले ही तिलका मांझी, सिद्धो-कान्हू,चांद-भैरव,फूलो-झानो,वीर नारायण सिंह, टंट्या भील,रानी दुर्गावती,अल्लूरी सीताराम राजू,कोमराम भीम और रानी गाइदिन्ल्यू जैसे जनजातीय नायकों ने अंग्रेजी शासन के खिलाफ संघर्ष किया था। मानगढ़ धाम में गोविंद गुरु के अनुयायियों का बलिदान भी इतिहास का महत्वपूर्ण अध्याय है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस शासन के दौरान इन नायकों को इतिहास में वह सम्मान नहीं मिला, जिसके वे हकदार थे।

कांग्रेस पर आरोप,लेकिन स्थानीय समस्याओं पर चर्चा नहीं : प्रेसवार्ता में सांसद ने कांग्रेस पर जनजातीय समाज को केवल वोट बैंक समझने और उसके नायकों को उचित सम्मान नहीं देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि विपक्ष ने आरक्षण, समान नागरिक संहिता और जनजातीय अधिकारों को लेकर भ्रम फैलाया है। हालांकि,प्रेसवार्ता में राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप के बीच सरगुजा के आदिवासी क्षेत्रों की जमीनी समस्याओं पर अपेक्षित चर्चा नहीं हुई। वन अधिकार पट्टों की स्थिति, दूरस्थ गांवों में शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं की उपलब्धता,बेरोजगारी,पेयजल,सड़क, कुपोषण तथा सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन जैसे मुद्दों पर कोई विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई। सवाल यह भी है कि मंत्रालय का बजट बढ़ने और योजनाओं की घोषणा होने के बाद आदिवासी परिवारों के जीवन में कितना बदलाव आया है? विकास के दावों की असली कसौटी सरकारी आंकड़ों से अधिक गांवों में रहने वाले लोगों को मिलने वाली सुविधाएं और उनके जीवन स्तर में सुधार ही है।

बजट बढ़ने को बताया सरकार की उपलब्धि

चिंतामणि महाराज ने बताया कि जनजातीय कार्य मंत्रालय का बजट वर्ष 2014-15 में 4,497.96 करोड़ रुपये था,जो वर्ष 2025-26 में बढ़कर 14,926 करोड़ रुपये हो गया है। उन्होंने पीएम जनमन अभियान, धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान, एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय, वन अधिकार पट्टा, पेसा कानून,आयुष्मान भारत और सिकल सेल उन्मूलन मिशन को जनजातीय समाज के विकास की महत्वपूर्ण योजनाएं बताया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस घोषित कर भगवान बिरसा मुंडा के योगदान को राष्ट्रीय पहचान दिलाई। वर्ष 2023 में उलिहातू पहुंचकर श्रद्धांजलि देने के साथ पीएम जनमन अभियान की शुरुआत की गई। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के कार्यकाल में अलग जनजातीय कार्य मंत्रालय के गठन और छत्तीसगढ़ एवं झारखंड राज्यों के निर्माण को भी जनजातीय समाज के लिए महत्वपूर्ण कदम बताया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के निर्वाचन को भी उन्होंने जनजातीय समाज के बढ़ते सम्मान का उदाहरण बताया।

देशभर के जनजातीय जिलों में होंगे आयोजन

सांसद ने बताया कि भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के निर्देश पर देश के 239 जनजातीय जिलों और 568 अनुसूचित जनजाति विधानसभा क्षेत्रों में जनजातीय गौरव सप्ताह के तहत कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इनमें स्वाभिमान सम्मेलन, शोभायात्रा,युवा संवाद, छात्रावास संपर्क अभियान और जनजातीय स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि देने जैसे कार्यक्रम शामिल हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार का लक्ष्य वर्ष 2047 तक जनजातीय समाज को विकसित भारत की यात्रा में समान भागीदार बनाना है। इसके लिए जनजातीय गांवों में बुनियादी सुविधाओं का विस्तार, युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने, स्थानीय उत्पादों को बाजार उपलब्ध कराने और जनजातीय भाषा एवं संस्कृति के संरक्षण पर जोर दिया जा रहा है। प्रदेशवासियों से 15 नवंबर को भगवान बिरसा मुंडा और क्षेत्रीय जनजातीय नायकों को श्रद्धांजलि अर्पित करने की अपील भी की।

दीवार और नाली विवाद को लेकर दो पक्षों में मारपीट

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,13 नवम्बर 2026 (घटती-घटना)।

गांधीनगर थाना क्षेत्र के ग्राम तुर्रापानी में नाली विवाद दो परिवारों के बीच बड़े झगड़े में बदल गया। दोनों पक्ष ने एक-दूसरे के खिलाफ थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। घटना 12 नवंबर की सुबह 6.30 बजे की है। मनोरमा सोनी ने रिपोर्ट दर्ज कराया है कि पड़ोस में रहने वाला संतोष चैधरी अपने छत के पानी निकासी के लिए कराकट उनकी जमीन की तरफ निकाल दिया था। पहले भी इस बात पर विवाद हुआ था। 12 नवम्बर की सुबह जब वह ब्रश कर रही थी तो संतोष का परिवार उनकी दीवार तोड़ रहा है। मना करने पर संतोष चैधरी, उमेश चैधरी, रोहित और दुर्गेश ने गाली देते हुए हाथ-मुक्का और डंडे से हमला कर दिया। इससे उनके बाएं हाथ, कमर, सिर, चेहरे, छाती और घुटने में चोटें आईं और कपड़े भी फट गए। मारपीट के दौरान उनके नाक का सोने का छुछिया और गले का मंगलसूत्र गायब हो गया। इसके बाद आरोपियों ने उनके बेटे शिवम सोनी के साथ भी मारपीट की। वहीं दूसरे पक्ष के संतोष चैधरी ने पुलिस को बताया है कि उनका घर 20 साल पुराना है और कराकट पहले से लगा है। सुबह स्कूल जाने के लिए निकलते समय पड़ोसी प्रदुमन सोनी की पत्नी मनोरमा सोनी कराकट को लेकर गाली-गलौज करने लगी। इस दौरान प्रदुमन सोनी भी आ गए और दोनों ने मिलकर उनके साथ मारपीट की। शोर सुनकर बीच-बचाव करने आई उनकी पत्नी रेणु चैधरी के साथ भी प्रदुमन और उसकी पत्नी ने मारपीट की, जिससे उनके सिर, उंगली और पीठ में चोट आई है और मंगलसूत्र गुम हो गया। पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया है।

छठ महापर्व की तैयारियों को लेकर पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने किया विभिन्न छठ घाटों का निरीक्षण

अंबिकापुर के शंकर घाट,महामाया घाट और गोधनपुर स्थित शिवधारी कॉलोनी छठ घाट का लिया जायजा

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,13 नवम्बर 2026 (घटती-घटना)।

छठ महापर्व के अवसर पर व्रतियों एवं श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से प्रदेश के पर्यटन, संस्कृति, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व मंत्री राजेश अग्रवाल ने अंबिकापुर शहर के विभिन्न छठ घाटों का निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने शंकर घाट, महामाया घाट तथा गोधनपुर स्थित शिवधारी कॉलोनी छठ घाट का निरीक्षण करते हुए साफ-सफाई, सुरक्षा, प्रकाश व्यवस्था एवं श्रद्धालुओं के लिए उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली। मंत्री अग्रवाल ने संबंधित अधिकारियों को सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए।

मंत्री राजेश अग्रवाल ने शंकर घाट के निरीक्षण के दौरान घाट परिसर की साफ-सफाई, सुरक्षा व्यवस्था, प्रकाश व्यवस्था तथा श्रद्धालुओं के आवागमन की



सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि छठ महापर्व के दौरान बड़ी संख्या में पहुंचने वाले व्रतियों एवं श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। घाट परिसर में स्वच्छता बनाए रखने के साथ ही पर्याप्त रोशनी एवं सुरक्षित आवागमन की व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया जाए। इसके पश्चात मंत्री अग्रवाल ने महामाया घाट पहुंचकर छठ पूजा की तैयारियों का निरीक्षण किया।



उन्होंने घाट पर स्वच्छता एवं श्रद्धालुओं की सुविधाओं से संबंधित व्यवस्थाओं की जानकारी लेते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि छठ महापर्व लोक आस्था और श्रद्धा का महत्वपूर्ण पर्व है। इस अवसर पर पूजा-अर्चना के लिए पहुंचने वाले श्रद्धालुओं को स्वच्छ, सुरक्षित एवं सुविधाजनक वातावरण उपलब्ध कराना प्राथमिकता होनी चाहिए। मंत्री अग्रवाल ने गोधनपुर स्थित शिवधारी कॉलोनी छठ घाट का भी निरीक्षण किया। उन्होंने घाट परिसर की साफ-सफाई एवं पूजा की तैयारियों का जायजा लेते हुए आवश्यक व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि घाटों पर पूजा-अर्चना के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा का विशेष ध्यान रखा जाए तथा तैयारियों में किसी प्रकार की कमी नहीं रहने दी जाए। मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि छठ महापर्व सूर्य उपासना, प्रकृति के प्रति कृतज्ञता, आस्था और पारिवारिक सुख-समृद्धि की कामना का पर्व है। यह महापर्व हमारी समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं और सामाजिक एकता का प्रतीक है। छठ पूजा के अवसर पर व्रती कठिन नियमों एवं अनुशासन का पालन करते हुए भगवान सूर्य और छठी मैया की आराधना करते हैं। ऐसे में घाटों पर उनकी सुविधा और सुरक्षा सुनिश्चित करना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी छठ घाटों पर स्वच्छता, पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था, सुरक्षित आवागमन तथा अन्य आवश्यक सुविधाओं पर विशेष ध्यान दिया जाए।

घाटों पर पूजा की तैयारियों से संबंधित कार्यों को प्राथमिकता के साथ पूर्ण किया जाए,ताकि श्रद्धालु बिना किसी परेशानी के धार्मिक अनुष्ठान संपन्न कर सकें। मंत्री अग्रवाल ने कहा कि छठ महापर्व के दौरान व्रतियों एवं श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। सभी संबंधित अधिकारी आपसी समन्वय से कार्य करते हुए व्यवस्थाओं को बेहतर बनाएं। उन्होंने छठ महापर्व के अवसर पर प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए सभी के जीवन में सुख,शांति,समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की।

CMYK



गांव-गांव वोट चोरी का मुद्दा लेकर निकले अशोक जायसवाल

जन चौपाल से कांग्रेस ने बढ़ाई राजनीतिक हलचल

अशोक जायसवाल ने खोला गांवों में मोर्चा,वोट बचाओ अभियान से सत्ता पक्ष को घेरने की तैयारी

चौपाल से गांव तक पहुंचा वोट चोरी का मुद्दा,अशोक जायसवाल की सक्रियता से कोरिया की राजनीति में नई हलचल

कांग्रेस का नया जनसंपर्क अभियान, अशोक जायसवाल घर-घर पहुंचा रहे मताधिकार की लड़ाई

डकईपारा,खैरी,पटना और रनई में मंडल स्तरीय संवाद,मतदाता सूची की पारदर्शिता और मताधिकार पर ग्रामीणों से सीधी चर्चा,क्या स्थानीय राजनीति में बनेगा बड़ा मुद्दा?

-रवि सिंह-

बैकुंठपुर/कोरिया,13 नवम्बर 2026 (घटती-घटना)।

राजनीति में मुद्दे तभी प्रभावी बनते हैं, जब वे केवल भाषणों और प्रेस कॉन्फ्रेंस तक सीमित न रहकर आम लोगों के बीच चर्चा का विषय बनें,कोरिया जिले में कांग्रेस अब इसी रणनीति के तहत 'वोट बचाओ-देश बचाओ' अभियान को गांव-गांव तक पहुंचाने में जुटी है, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष एवं जिला कांग्रेस कमेटी के कोषाध्यक्ष अशोक जायसवाल लगातार मंडल स्तर पर जन चौपाल और संवाद कार्यक्रमों के माध्यम से मतदाता सूची, कथित वोट चोरी, मताधिकार की सुरक्षा और निर्वाचन प्रक्रिया की पारदर्शिता जैसे मुद्दों को ग्रामीणों के सामने रख रहे हैं, डकईपारा,खैरी,पटना और राजापारा रनई जैसे क्षेत्रों में आयोजित जन चौपालों के माध्यम से कांग्रेस ने इस अभियान को स्थानीय स्तर पर विस्तार देने की शुरुआत की है,इस अभियान की खास बात यह है कि कांग्रेस नेता केवल संगठन के भीतर बैठकें करने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि ग्रामीणों के बीच पहुंचकर पैम्फलेट वितरित कर रहे हैं और लोगों को मतदाता सूची में अपना नाम जांचने तथा किसी भी प्रकार की विसंगति होने पर निर्धारित प्रक्रिया के तहत दावा या आपत्ति दर्ज कराने के लिए जागरूक कर रहे हैं।

पटना से रनई तक जन चौपाल, संगठन के कई चेहरे एक मंच पर-

जन चौपाल संवाद कार्यक्रम में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष बिहारी लाल राजवाड़े, प्रभारी दीपक गुप्ता, मंडल अध्यक्ष संतोष सूर्यवंशी, मंडल अध्यक्ष आस्तिक शुक्ला उर्फ लड्डू, जनपद सदस्य राजू साहू और प्रभारी रामकुमार यादव सहित कांग्रेस के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे, कार्यक्रम में संगठन के स्थानीय पदाधिकारियों की मौजूदगी ने अभियान को मंडल स्तर पर आगे बढ़ाने का संदेश दिया, ग्रामीणों के बीच पैम्पलेट वितरण और संवाद के जरिए कांग्रेस ने मतदाता सूची से जुड़े विषयों को स्थानीय चर्चा का हिस्सा बनाने की कोशिश की, बैकुंठपुर के वार्ड क्रमांक 8 चेर में आयोजित जन चौपाल में भी अशोक जायसवाल के साथ जिला कांग्रेस अध्यक्ष प्रदीप गुप्ता, पूर्व जिला अध्यक्ष नजीर अजहर और पीसीसी सदस्य योगेश शुक्ला सहित अन्य नेताओं ने हिस्सा लिया, इससे स्पष्ट है कि अभियान को केवल एक-दो गांवों तक सीमित रखने के बजाय शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में विस्तार देने की कोशिश की जा रही है।

अशोक जायसवाल ने संभाली गांव-गांव जनसंपर्क की कमान-पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष अशोक जायसवाल इस अभियान को लेकर लगातार सक्रिय नजर आ रहे हैं,डकईपारा,खैरी,पटना और राजापारा रनई में आयोजित मंडल स्तरीय जन चौपाल संवाद कार्यक्रमों में उन्होंने अभियान के उद्देश्यों और मताधिकार की सुरक्षा से जुड़े विषयों पर अपनी बात रखी, कार्यक्रमों में ग्रामीणों को बताया गया कि मतदाता सूची में अपना नाम होना क्यों जरूरी है, सूची में नाम नहीं होने अथवा गलत प्रविष्टि होने पर क्या प्रक्रिया अपनाई जा सकती है और निर्वाचन प्रक्रिया में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए नागरिकों की भूमिका क्या हो सकती है,इस दौरान अभियान से संबंधित पैम्फलेट भी वितरित किए गए,कांग्रेस कार्यकर्ताओं से अपील की गई कि वे केवल कार्यक्रम आयोजित करने तक सीमित न रहें, बल्कि घर-घर जाकर लोगों को जागरूक करें और अभियान का संदेश अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाएं।

कांग्रेस के सामने भी कम नहीं हैं चुनौतियां- इस अभियान को प्रभावी बनाने के लिए कांग्रेस के सामने सबसे बड़ी चुनौती निरंतरता बनाए रखने की है,जन चौपाल में भीड़ जुटाना और पैम्पलेट बांटना एक शुरुआत हो सकती है,लेकिन अभियान का वास्तविक प्रभाव तभी दिखाई देगा जब कार्यकर्ता बूथ स्तर पर मतदाताओं की समस्याओं को समझें और उनके निराकरण के लिए निर्वाचन अधिकारियों तक पहुंचें,साथ ही कांग्रेस को अपने आरोपों के समर्थन में ठोस दस्तावेज और प्रमाण भी जनता के सामने रखने होंगे, केवल 'वोट चोरी' का नारा देने से स्थायी जनविश्वास नहीं बनेगा, मतदाता सूची में वास्तविक गड़बड़ी, गलत तरीके से नाम हटने के मामलों और पात्र मतदाताओं को होने वाली परेशानियों के प्रमाण सामने लाना भी जरूरी होगा,दूसरी ओर सत्ता पक्ष के लिए भी यह मुद्दा नजरअंदाज करने योग्य नहीं है,यदि मतदाता सूची की पारदर्शिता को लेकर नागरिकों के सवाल बढ़ते हैं तो निर्वाचन प्रक्रिया से जुड़े तथ्यों और आधिकारिक स्पष्टीकरण को सामने रखना आवश्यक होगा।

अब सवाल सत्ता पक्ष की राजनीतिक चुनौती का

अशोक जायसवाल की लगातार बैठकों और गांव-गांव जनसंपर्क को राजनीतिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण माना जा सकता है, इसकी वजह यह है कि मतदाता सूची और वोट के अधिकार का मुद्दा सीधे प्रत्येक नागरिक से जुड़ा है,सड़क,बिजली, पानी और विकास जैसे स्थानीय मुद्दों के साथ अब यदि मतदाता सूची में नाम कटने,पात्र मतदाताओं के छूटने और निर्वाचन प्रक्रिया की पारदर्शिता को लेकर ग्रामीणों के बीच चर्चा बढ़ती है,तो इसका राजनीतिक असर भी हो सकता है, कांग्रेस की रणनीति इस मुद्दे को केवल पार्टी कार्यकर्ताओं तक सीमित रखने के बजाय आम ग्रामीणों तक पहुंचाने की दिखाई दे रही है,यदि ग्रामीण अपने मतदाता विवरण की जांच करने लगते हैं,निर्वाचन प्रक्रिया को लेकर सवाल पूछते हैं और राजनीतिक दलों से जवाब मांगते हैं तो यह मुद्दा स्थानीय राजनीति में जगह बना सकता है, हालांकि,इससे सत्ता पक्ष को कितना नुकसान होगा,यह अभी कहना जल्दबाजी होगी, किसी अभियान की राजनीतिक सफलता का आकलन केवल बैठकों की संख्या या उपस्थित लोगों के आधार पर नहीं किया जा सकता,इसके लिए यह देखना होगा कि ग्रामीणों के बीच अभियान को कितनी स्वीकार्यता मिलती है, कितने लोग मतदाता सूची की जांच करते हैं और क्या यह मुद्दा आगे चलकर स्थानीय जनसमस्याओं एवं राजनीतिक विमर्श से जुड़ता है।

बैठकों से आगे बढ़ेगा अभियान या बनेगा राजनीतिक मुद्दा?

कोरिया जिले में अशोक जायसवाल की सक्रियता के साथ 'वोट बचाओ-देश बचाओ' अभियान अब स्थानीय स्तर पर चर्चा का विषय बन रहा है। गांवों में जन चौपाल, ग्रामीणों से सीधा संवाद और पैम्पलेट वितरण के जरिए कांग्रेस अपनी राजनीतिक उपस्थिति दर्ज कराने की कोशिश कर रही है,इस अभियान की असली परीक्षा आने वाले दिनों में होगी, क्या कांग्रेस कार्यकर्ता इस मुद्दे को बूथ स्तर तक पहुंचा पाएंगे? क्या ग्रामीण इसे अपने अधिकारों से जुड़ा विषय मानकर सक्रिय भागीदारी करेंगे? और क्या लगातार जनसंपर्क के जरिए कांग्रेस स्थानीय राजनीतिक विमर्श में इस मुद्दे को प्रमुखता दिला पाएगी? फिलहाल इतना स्पष्ट है कि अशोक जायसवाल ने इस मुद्दे पर गांव-गांव पहुंचने की पहल की है, इसका राजनीतिक प्रभाव कितना व्यापक होगा,यह आने वाले समय में ग्रामीणों की प्रतिक्रिया और अभियान की निरंतरता से तय होगा।

जिले में विधानसभा स्तरीय मतदाता जागरूकता प्रतियोगिताओं का हुआ आयोजन

-संवाददाता-

अम्बिकापुर,13 नवम्बर 2026 (घटती-घटना)।

मतदाता जागरूकता अभियान के अंतर्गत जिले के महाविद्यालयों एवं विद्यालयों में गठित निर्वाचन साक्षरता क्लब के माध्यम निबंध एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में शुक्रवार को जिले के तीनों विधानसभा में विधानसभा स्तरीय निबंध एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। निबंध प्रतियोगिता का विषय 'मतदान का महत्व' तथा प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का विषय ''मतदाता सूची तैयार करना,ईवीएम एवं वीवीपीएटी, मतदान प्रक्रिया और मतगणना प्रक्रिया'' रखा गया। सीतापुर विधानसभा के नोडल अधिकारी श्री प्रेम गुप्ता ने बताया कि प्रतियोगिता के दौरान अनुविभागीय अधिकारी श्रीमती प्राची ठाकुर ने छात्र-छात्राओं को विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी,साथ मतदान के महत्व एवं उनके भूमिका के बारे में बताया गया। अम्बिकापुर विधानसभा के नोडल अधिकारी श्री कमलेश वर्मा ने बताया कि जिला परियोजना अधिकारी एवं नोडल अधिकारी श्री गिरीश गुप्ता द्वारा प्रतियोगिता का निरीक्षण किया गया,साथ ही छात्र-छात्राओं को यह जानकारी दिया गया कि विधानसभा से दोनों विधा में चयनित शीर्ष 10-10 प्रतिभागियों को जिला स्तर पर 17 नवम्बर 2026 को शामिल होना है, जो संत हरकेवल शिक्षा महाविद्यालय अम्बिकापुर में प्रातः 11:00 बजे से आयोजित की जाएगी। लुण्ड्रा विधानसभा के नोडल अधिकारी श्री अरुण गुप्ता द्वारा यह जानकारी दिया गया कि महाविद्यालय एवं विद्यालय के दोनो विधा में 70 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया है। इस अवसर पर शिक्षकगण एवं महाविद्यालयों के नोडल अधिकारी (स्वीप) उपस्थित रहें।



सेवा भावी बहनों ने जरूरतमंद बच्चों के साथ मनाई दीपावली,बांटी खुशियां

-संवाददाता-

अम्बिकापुर,13 नवम्बर 2026 (घटती-घटना)।

शहर की सेवा भावी बहनों ने हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी दीपावली जरूरतमंद बच्चों के साथ मनाई। इस दौरान उन्होंने खैरवार, कंपनी बाजार सहित विभिन्न स्लम बस्तियों में पहुंचकर बच्चों को पटाखे, मिठाइयां और कपड़े बांटे तथा उनके साथ त्योहार की खुशियां साझा कीं। इस आयोजन में वंदना दत्ता, चयती अग्रवाल, अनुभा डबराल, लिली बसु रॉय और स्मिता तिवारी ने बच्चों के बीच पहुंचकर खुशियां बांटीं। अर्चना दीक्षित का भी विशेष सहयोग रहा। आयोजन के लिए मुकेश अग्रवाल ने पटाखों का सहयोग दिया। वहीं पंचशील की ओर से लड्डू और जायसवाल होटल की ओर से भी सहयोग प्रदान किया गया।



छठ पर्व पर शहर में भारी वाहनों की नो एंट्री,आज दोपहर 12 बजे से लागू होगी पाबंदी

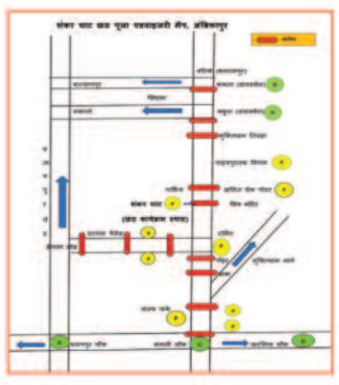
16 नवंबर सुबह 10 बजे तक शहर और रिंग रोड में मालवाहक वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित,13 घाटों पर पुलिस बल तैनात,सुरक्षा में 400 से अधिक जवान संभालेंगे मोर्चा

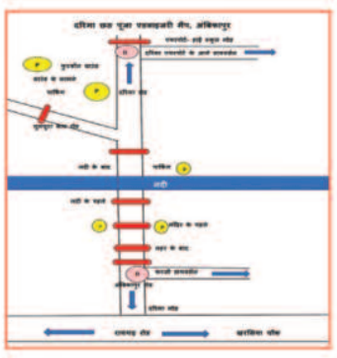
-संवाददाता-

अम्बिकापुर,13 नवम्बर 2026 (घटती-घटना)।

छठ पर्व के दौरान श्रद्धालुओं की भीड़ और यातायात व्यवस्था को देखते हुए सरगुजा पुलिस ने शहर के लिए रूट एडवाइजरी जारी की है। 14 नवंबर को दोपहर 12 बजे से 16 नवंबर को सुबह 10 बजे तक शहर और रिंग रोड में भारी एवं मालवाहक वाहनों का प्रवेश पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। इस दौरान यात्री बसों के लिए कुछ मार्गों पर पुरानी व्यवस्था जारी रहेगी,जबकि कुछ रूट में बदलाव किया गया है। डीआईजी एवं एसएसपी सरगुजा राजेश अग्रवाल के निर्देश पर छठ पर्व के दौरान सुरक्षा और यातायात के व्यापक इंतजाम किए गए हैं। जिले के 13 छठ घाटों पर 244 से अधिक पुलिस अधिकारी-कर्मचारियों की तैनाती की गई है। पूरे जिले में लगभग 400 से अधिक पुलिस अधिकारी-कर्मचारी सुरक्षा व्यवस्था संभालेंगे।

घाटों पर गोताखोर और अग्निशमन की व्यवस्था : खर्रा नदी (घुनघुट्टा बांध) और शंकरघाट (रामानुजगंज रोड) में सबसे अधिक लगभग 45-45 पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है। सभी प्रमुख घाटों पर प्रशिक्षित गोताखोर और अग्निशमन की व्यवस्था रहेगी। भीड़ में असामाजिक तत्वों,चैन स्नैचिंग और अन्य घटनाओं पर नजर रखने के लिए सादे कपड़ों में भी पुलिसकर्मी तैनात रहेंगे। सुरक्षा और यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए पांच पेट्रोलिंग टीम तथा दो बाइक पेट्रोलिंग टीम दो पालियों में लगातार गश्त करेंगी।





यात्री बसों के लिए निर्धारित मार्ग

1. **रायपुर और रायगढ़ मार्ग :** न्यू बस स्टैंड से आने-जाने वाली यात्री बसें पूर्ववत चलेंगी।
2. **बनारस, वाड्रफनगर और मनेन्द्रगढ़ मार्ग :** यात्री बसों का संचालन पूर्ववत रहेगा।
3. **प्रतापपुर मार्ग :** बसें गांधी चौक, अंबेडकर चौक,बनारस मार्ग, सांई कॉलेज,डिगमा और सरगवां होते हुए आवागमन करेंगी।
4. **रामानुजगंज मार्ग :** बसें गांधी चौक, अंबेडकर चौक,बनारस मार्ग, सांई कॉलेज,डिगमा,सरगवां,चिखलाडीह, सिधमा और ककना होते हुए चलेंगी।
5. **शंकरघाट और घुनघुट्टा बांध:** रामानुजगंज से आने वाली यात्री बसों और चारपहिया वाहनों को भकुरा, नवापारा होते हुए सरगवां-सकलो मार्ग से निकाला जाएगा।
6. **दरिमा मार्ग :** लुचकी से आने-जाने वाली बसों और अन्य वाहनों का मार्ग करजी चौक से परिवर्तित रहेगा। नवानगर और दमाली की ओर से आने वाले वाहनों को एयरपोर्ट तिराहा से डायवर्ट किया जाएगा।

इन छह स्थानों पर रोके जाएंगे भारी वाहन : 14 नवंबर दोपहर 12 बजे से 16 नवंबर सुबह 10 बजे तक भारी एवं मालवाहक वाहनों को शहर और रिंग रोड में प्रवेश नहीं मिलेगा। इसके लिए छह स्थानों पर प्रतिबंध लागू रहेगा...

1. दरिमा मोड़ - रायगढ़ रोड
2. सांडबार बैरियर - बिलासपुर रोड
3. अजिरमा बैरियर - मनेन्द्रगढ़ रोड
4. एफसीआई गोदाम,चठिरमा - बनारस रोड
5. ककना मोड़ - रामानुजगंज रोड
6. आरटीओ कार्यालय के पास - प्रतापपुर रोड

वाहनों के लिए पार्किंग व्यवस्था : पुलिस ने श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए अलग-अलग स्थानों पर पार्किंग की व्यवस्था की है–

1. संजय पार्क के सामने - चारपहिया वाहन
2. सूटन ढाबा के पास - दोपहिया वाहन
3. खनिज बैरियर के पास - पार्किंग
4. मोंटफोर्ट स्कूल के पास - पार्किंग
5. घुनघुट्टा नदी के पास - चारपहिया वाहन
6. घुनघुट्टा नदी के पूर्व में - दोपहिया वाहन

सरगुजा पुलिस ने श्रद्धालुओं और वाहन चालकों से अपील की है कि वे निर्धारित रूट और पार्किंग व्यवस्था का पालन करें तथा यातायात एवं सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस का सहयोग करें।

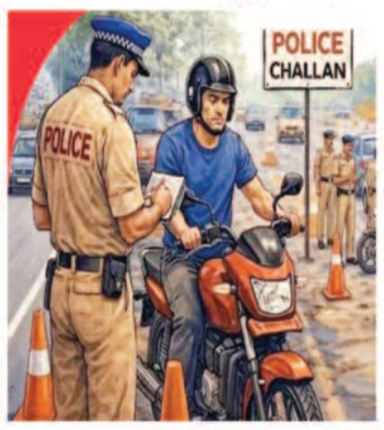
शराब पीकर और बिना लाइसेंस चला रहा था बाइक, न्यायालय ने लगाया 15 हजार रुपये जुर्माना

बतौली पुलिस की चेकिंग में पकड़ा गया चालक,मेडिकल जांच में शराब सेवन की पुष्टि,मोटर व्हीकल एक्ट के तहत हुई कार्रवाई

-संवाददाता-

अम्बिकापुर,13 नवम्बर 2026 (घटती-घटना)।

शराब पीकर वाहन चलाने और बिना वैध ड्राइविंग लाइसेंस के सड़क पर बाइक दौड़ाने वाले चालक को न्यायालय ने 15 हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है। यह कार्रवाई बतौली पुलिस द्वारा वाहन चेकिंग के दौरान की गई। पुलिस के अनुसार,चेकिंग के दौरान बिना नंबर की एचएफ डीलक्स मोटरसाइकिल को रोककर चालक से पूछताछ की गई। चालक की पहचान सत्यनारायण ठाकुर (29 वर्ष),निवासी नवापारा, थाना दरिमा के रूप में हुई। जांच के दौरान वह शराब के नशे में वाहन चलाते पाया गया। मेडिकल परीक्षण में भी शराब सेवन की पुष्टि हुई। इसके अलावा चालक के पास वैध ड्राइविंग लाइसेंस भी नहीं था। पुलिस ने उसके विरुद्ध मोटर व्हीकल एक्ट की धारा 185 एवं 3/181 के तहत कार्रवाई कर प्रकरण न्यायालय में प्रस्तुत किया। सुनवाई के बाद न्यायालय ने चालक पर 15 हजार रुपये का जुर्माना लगाया। पुलिस का कहना है कि सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है। संपूर्ण कार्रवाई में बतौली थाना प्रभारी निरीक्षक विवेक सेंगर सहित पुलिस टीम के अन्य अधिकारी-कर्मचारी सक्रिय रहे।



शादी का झांसा देकर दुष्कर्म,महिला पहुंची थाने

-संवाददाता-

अम्बिकापुर,13 नवम्बर 2026 (घटती-घटना)।

शहर के गांधीनगर थाना क्षेत्र में एक महिला ने शादी का झांसा देकर लगातार दुष्कर्म करने का आरोप लगाया है। पीड़िता ने थाने में लिखित आवेदन देकर न्याय की गुहार लगाई है। जानकारी के मुताबिक 25 वर्षीय पीड़िता वर्तमान में गांधीनगर थाना क्षेत्र में किराए के मकान में अपने 3 साल के मासूम बच्चे के साथ रहती है। पति द्वारा छोड़ने के बाद वह सिलाई-बुनाई का काम करके अपना जीवन यापन कर रही है। लगभग दो साल पहले उसकी पहचान फेसबुक और इंस्टाग्राम के जरिए बोदीटोला, महाराजगंज, जिला बलरामपुर निवासी इस्तफार अंसारी से हुई थी। महिला ने पहले ही आरोपी को बता दिया था कि वह शादीशुदा है और पति उसे छोड़ चुका है। इसके बावजूद आरोपी ने उसे कहा कि वह उसे बहुत पसंद करता है, उससे ही शादी करेगा और बच्चे को भी अपनाएगा। पीड़िता के अनुसार, आरोपी लगातार इंस्टाग्राम पर शादी की बात करता था।

CMYK



भाजपा की नगर सरकार...लेकिन सीएमओ के प्रशासन में शहर बेहाल!

अधिकारी की सुस्ती, भाजपा की फजीहत! बैकुंठपुर में बुनियादी समस्याओं से जनता परेशान

छह महीने से दूषित पानी,जाम नालियां और सड़क पर गड्ढे...नगर पालिका में आखिर चल किसकी रही है?

सीएमओ की कार्यशैली पर उठे सवाल,कहीं आगामी चुनाव में भाजपा को न पड़ जाए भारी!

नगर सरकार भाजपा की,लेकिन जनता को राहत नहीं,प्रशासनिक जवाबदेही पर बड़ा सवाल

भाजपा की नगर सरकार पर भारी पड़ रही सीएमओ की कार्यशैली! जनता की नाराजगी का राजनीतिक खामियाजा भुगतना पड़ सकता है सत्तारूढ़ दल को

बैकुंठपुर में बदहाल सफाई व्यवस्था, जाम नालियां,गाजर घास का साम्राज्य और छह महीने से दूषित पेयजल की शिकायतें, गैस पाइपलाइन के गड्ढे तक नहीं भरवा पा रहा नगर पालिका प्रशासन

अध्यक्ष नविता शिवहरे और भाजपा पार्षद जनता के सवालों के घेरे में, जनप्रतिनिधियों की पहल के बावजूद काम नहीं होने से सीएमओ की कार्यशैली पर उठे गंभीर सवाल

क्या प्रशासनिक निष्क्रियता भाजपा की राजनीतिक जमीन कमजोर कर रही है?

-रवि सिंह-

बैकुंठपुर,13 नवम्बर 2026 (घटती-घटना)।

नगर पालिका परिषद बैकुंठपुर में भाजपा की निर्वाचित परिषद होने के बावजूद शहर की बुनियादी समस्याओं का निराकरण नहीं हो पाना अब केवल प्रशासनिक लापरवाही का विषय नहीं रह गया है,बल्कि यह राजनीतिक जवाबदेही का बड़ा सवाल बनता जा रहा है,शहर की सड़कों,नालियों,पेयजल और साफ-सफाई की बदहाल स्थिति आम नागरिकों की नाराजगी बढ़ा रही है,नगर पालिका अध्यक्ष नविता शिवहरे और भाजपा के पार्षदों के सामने जनता लगातार अपनी समस्याएं रख रही है,लेकिन जब समस्याओं का समाधान नहीं होता तो जनता के निशाने पर स्वाभाविक रूप से निर्वाचित जनप्रतिनिधि भी आते हैं।

सबसे दिलचस्प और गंभीर पहलू यह है कि नगर पालिका में भाजपा की सरकार होने के बावजूद प्रशासनिक व्यवस्था उस गति से काम करती दिखाई नहीं दे रही,जिसकी अपेक्षा शहरवासियों को है,सवाल यह है कि आखिर नगर पालिका का प्रशासनिक अमला किसके निर्देश पर काम कर रहा है? मुख्य नगर पालिका अधिकारी (सीएमओ) की जिम्मेदारी क्या केवल कार्यालयीन औपचारिकताओं और बैठकों तक सीमित रह गई है? यदि अध्यक्ष और पार्षद समस्याओं को लेकर लगातार पहल कर रहे हैं, तो उन निर्देशों का पालन धरातल पर क्यों नहीं दिखाई देता? राजनीति में जनता केवल घोषणाओं और आश्वासनों का हिसाब नहीं रखती,बल्कि अपने वार्ड की सड़क,नाली, पेयजल और सफाई व्यवस्था को देखकर जनप्रतिनिधियों के कामकाज का मूल्यांकन करती है, यही कारण है कि बैकुंठपुर की वर्तमान स्थिति भाजपा की नगर सरकार के लिए भी चिंता का विषय बन सकती है।

सफाई व्यवस्था बदहाल,त्योहारों पर भी नहीं दिखी प्रशासनिक तत्परता-शहर की सफाई व्यवस्था को लेकर लंबे समय से शिकायतें सामने आ रही हैं,बरसात से पहले नालियों की नियमित सफाई और जल निकासी की व्यवस्था दुरुस्त होनी चाहिए थी,लेकिन कई स्थानों पर नालियां जाम रहने और गंदगी जमा होने की शिकायतें बनी हुई हैं,सड़कों के किनारे गाजर घास और झाड़ियों की सफाई भी अपेक्षित स्तर पर नहीं दिखाई दे रही है,त्योहारों के दौरान शहर की सफाई व्यवस्था और अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है,दीपावली जैसे बड़े पर्व पर शहर को स्वच्छ और व्यवस्थित रखने की जिम्मेदारी नगर पालिका की होती है,वहीं लोक आस्था के महापर्व छठ के दौरान घाटों,संपर्क मार्गों और आसपास के क्षेत्रों में विशेष सफाई व्यवस्था की आवश्यकता रहती है,लेकिन स्थानीय स्तर पर सामने आ रही शिकायतें बताती हैं कि नगर पालिका प्रशासन से जिस तत्परता की अपेक्षा थी,वह नजर नहीं आई, आखिर त्योहारों पर विशेष सफाई अभियान चलाने के निर्देशों का पालन क्यों नहीं हो पाया? क्या सफाई कर्मचारियों की पर्याप्त तैनाती नहीं है,या फिर उपलब्ध संसाधनों का सही उपयोग नहीं हो रहा? क्या सीएमओ ने वार्डवार सफाई व्यवस्था की समीक्षा की है? यदि की है तो उसका असर शहर की सड़कों और नालियों पर क्यों नहीं दिख रहा? सफाई व्यवस्था केवल सौंदर्यीकरण का विषय नहीं है। इसका सीधा संबंध नागरिकों के स्वास्थ्य और स्वच्छ वातावरण से है। ऐसे में नालियों का जाम रहना और गंदगी का लंबे समय तक जमा होना नगर पालिका की प्राथमिक जिम्मेदारियों पर सवाल खड़े करता है।

गैस पाइपलाइन के गड्ढे बने नगर पालिका की कार्यप्रणाली का आईना-शहर में गैस पाइपलाइन बिछाने के लिए विभिन्न वार्डों की सड़कों और गलियों में खुदाई की गई थी,लेकिन स्थानीय नागरिकों की शिकायत है कि काम पूरा होने के बाद भी कई स्थानों पर गड्ढों को व्यवस्थित तरीके से नहीं भरा गया है, परिणामस्वरूप सड़कें और गलियां बदहाल हैं तथा लोगों को आवागमन में परेशानी उठानी पड़ रही है,इस मामले में नगर पालिका की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। किसी भी निर्माण या पाइपलाइन परियोजना के दौरान सड़क की खुदाई की अनुमति देने के साथ उसकी बहाली की शर्तों का पालन सुनिश्चित करना भी संबंधित निकाय की जिम्मेदारी होती है,यदि संबंधित कंपनी ने सड़क खोदकर उसे व्यवस्थित रूप से दुरुस्त नहीं किया है,तो नगर पालिका को जिम्मेदारी तय करनी चाहिए,यदि कंपनी को नोटिस जारी किए गए हैं तो उनकी कार्रवाई का विवरण सार्वजनिक होना चाहिए, बार-बार शिकायतों और आश्वासनों के बाद भी गड्ढे जस के तस बने रहना इस बात का संकेत है कि निगरानी और जवाबदेही की व्यवस्था में कहीं न कहीं कमी है,सवाल यह है कि सीएमओ ने संबंधित एजेंसी को कितने नोटिस जारी किए? कितने स्थानों का निरीक्षण किया गया? कितनी सड़कों की मरम्मत पूरी हुई? यदि कोई कार्रवाई नहीं हुई तो इसकी वजह क्या है?

प्रशासनिक सुस्ती का राजनीतिक नुकसान भाजपा को क्यों उठाना पड़े?-यह पूरा मामला एक महत्वपूर्ण राजनीतिक विरोधाभास को सामने ला रहा है,नगर पालिका में भाजपा की परिषद है,लेकिन शहर की समस्याओं को लेकर नाराजगी बढ़ने पर जनता सबसे पहले अपने निर्वाचित प्रतिनिधियों से जवाब मांगती है,आम नागरिक यह नहीं देखता कि सफाई कर्मचारी किस विभाग के अधीन है, पाइपलाइन का ठेका किस एजेंसी को मिला है या फाइल किस अधिकारी की मेज पर लंबित है,उसके लिए नगर पालिका का मतलब वह व्यवस्था है,जिससे उसे सड़क,नाली,पानी और सफाई जैसी सुविधाएं मिलनी चाहिए,यही वजह है कि प्रशासनिक निष्क्रियता का राजनीतिक नुकसान अक्सर निर्वाचित जनप्रतिनिधियों को उठाना पड़ता है,यदि अध्यक्ष और पार्षद जनता के बीच समस्याओं के समाधान का भरोसा देते रहें,लेकिन प्रशासनिक स्तर पर परिणाम सामने न आएं,तो धीरे-धीरे जनता का भरोसा कमजोर हो सकता है,इसका असर केवल वर्तमान नगर पालिका परिषद की छवि तक सीमित नहीं रहेगा,बल्कि आगामी चुनावों में भी भाजपा के लिए असहज स्थिति पैदा कर सकता है,राजनीतिक दृष्टि से सबसे बड़ा जोखिम यह है कि जनता प्रशासनिक विफलता और जनप्रतिनिधियों की निष्क्रियता के बीच अंतर करना बंद कर दे,ऐसे में अधिकारी की कार्यशैली का खामियाजा निर्वाचित प्रतिनिधियों को भुगतना पड़ सकता है।

क्या प्रशासनिक निष्क्रियता से परिषद की छवि प्रभावित हो रही है?-शहर की वर्तमान स्थिति को देखते हुए एक और सवाल चर्चा में है कि क्या नगर पालिका का प्रशासनिक अमला निर्वाचित परिषद की प्राथमिकताओं के अनुरूप काम कर रहा है? क्या अध्यक्ष और पार्षदों के सुझावों तथा निर्देशों को पर्याप्त गंभीरता से लिया जा रहा है? यदि जनप्रतिनिधि समस्याएं उठाते हैं और प्रशासनिक अमला समय पर कार्रवाई नहीं करता,तो इससे परिषद की सामूहिक कार्यक्षमता पर प्रश्नचिह्न लगना स्वाभाविक है,लेकिन प्रशासनिक कामकाज में देरी,शिकायतों का निराकरण नहीं होना और बुनियादी सुविधाओं की बदहाली निश्चित रूप से निष्पक्ष समीक्षा की मांग करती है,सीएमओ को यह स्पष्ट करना चाहिए कि शहर की समस्याओं के निराकरण के लिए अब तक क्या कदम उठाए गए हैं और किन कारणों से काम लंबित हैं।

अब आश्वासन नहीं,वार्डवार जवाबदेही तय करने की जरूरत-बैकुंठपुर की समस्याओं का समाधान अब केवल बैठकों और मौखिक आश्वासनों से संभव नहीं है,नगर पालिका को वार्डवार सफाई अभियान चलाने, जाम नालियों की सफाई,गाजर घास हटाने, दूषित पेयजल की शिकायतों की तकनीकी जांच और गैस पाइपलाइन के बाद क्षतिग्रस्त सड़कों की बहाली के लिए स्पष्ट कार्ययोजना बनानी चाहिए, साथ ही प्रत्येक कार्य के लिए जिम्मेदार अधिकारी, समयसीमा और प्रगति की जानकारी सार्वजनिक की जानी चाहिए,नगर पालिका अध्यक्ष को भी परिषद की बैठकों में इन विषयों की नियमित समीक्षा करनी चाहिए,ताकि प्रशासनिक जवाबदेही सुनिश्चित हो सके, सीएमओ को भी शहर के वार्डों का नियमित निरीक्षण कर यह बताना चाहिए कि छह महीने से लंबित पेयजल शिकायतों, जाम नालियों और गैस पाइपलाइन के गड्ढों पर अब तक क्या कार्रवाई हुई है।

छह महीने से दूषित पानी की शिकायत, आखिर किसका इंतजार कर रहा प्रशासन?

शहर की सबसे गंभीर समस्याओं में से एक कई वार्डों में दूषित पेयजल की शिकायत है, स्थानीय नागरिकों के अनुसार पिछले लगभग छह महीनों से पानी की गुणवत्ता को लेकर शिकायतें की जा रही हैं,लेकिन अब तक स्थायी समाधान नहीं हो पाया है,यह कोई सामान्य प्रशासनिक समस्या नहीं है,जिसे आश्वासन देकर टाला जा सके,स्वच्छ पेयजल नागरिकों की बुनियादी आवश्यकता है,यदि किसी वार्ड में घरों तक पहुंचने वाले पानी की गुणवत्ता पर लगातार सवाल उठ रहे हैं,तो नगर पालिका प्रशासन को तत्काल पानी के नमूनों की जांच करानी चाहिए,पाइपलाइन,जलस्रोत, टंकियों और वितरण व्यवस्था का तकनीकी परीक्षण होना चाहिए,सबसे बड़ा सवाल यह है कि छह महीने से शिकायतें सामने आने के बाद भी क्या संबंधित अधिकारियों ने प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण किया? क्या पानी के नमूनों की प्रयोगशाला में जांच कराई गई? क्या जांच रिपोर्ट के आधार पर कोई सुधारात्मक कदम उठाया गया? यदि शिकायतें सही हैं तो नागरिकों को लंबे समय तक ऐसी स्थिति में छोड़ना गंभीर प्रशासनिक लापरवाही मानी जाएगी,और यदि पानी की गुणवत्ता सामान्य है तो प्रशासन को जांच रिपोर्ट सार्वजनिक कर लोगों की आशंकाओं का समाधान करना चाहिए,आखिर स्वच्छ पेयजल जैसी बुनियादी सुविधा के लिए शहरवासियों को छह महीने तक इंतजार क्यों करना पड़ रहा है?

भाजपा की परिषद,लेकिन प्रशासनिक नियंत्रण किसके हाथ में?

नगर पालिका परिषद में निर्वाचित अध्यक्ष और पार्षद जनता के प्रतिनिधि होते हैं, जबकि मुख्य नगर पालिका अधिकारी प्रशासनिक व्यवस्था का संचालन करते हैं,दोनों के बीच बेहतर समन्वय ही शहर के विकास और नागरिक सुविधाओं का आधार बनता है,लेकिन बैकुंठपुर की मौजूदा स्थिति में यही समन्वय सबसे बड़ा सवाल बनता दिखाई दे रहा है, नगर पालिका अध्यक्ष नविता शिवहरे और भाजपा पार्षदों के सामने जनता की समस्याओं का जवाब देने की जिम्मेदारी है,जनता उनसे सवाल करती है,वार्डों में समस्याएं बताती है और निराकरण की अपेक्षा रखती है,जनप्रतिनिधि भी अधिकारियों के समक्ष समस्याएं उठाते हैं,लेकिन यदि प्रशासनिक स्तर पर काम आगे नहीं बढ़ता तो उनकी राजनीतिक विश्वसनीयता प्रभावित होती है,यहीं पर सीएमओ की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है, प्रशासनिक अधिकारी का दायित्व केवल फाइलों का संचालन नहीं,बल्कि निर्वाचित परिषद के निर्णयों और नागरिक सुविधाओं से जुड़े कार्यों को नियमानुसार जमीन पर उतारना भी है,यदि अध्यक्ष और पार्षदों द्वारा उठाई गई समस्याओं का समाधान नहीं हो रहा है,तो सीएमओ को स्पष्ट करना चाहिए कि अड़चन कहां है,क्या बजट की कमी है? क्या कर्मचारियों की कमी है? क्या संबंधित एजेंसियां निर्देशों का पालन नहीं कर रही हैं? या फिर प्रशासनिक स्तर पर निगरानी और इच्छाशक्ति का अभाव है? इन सवालों का जवाब दिए बिना जिम्मेदारी से बचा नहीं जा सकता।

अब अध्यक्ष नविता शिवहरे की भूमिका भी महत्वपूर्ण

इस पूरे प्रकरण में नगर पालिका अध्यक्ष नविता शिवहरे की भूमिका भी महत्वपूर्ण हो जाती है, आखिर कब तक जनप्रतिनिधि प्रशासनिक व्यवस्था के भरोसे जनता के सवालों का सामना करते रहेंगे? यदि अधिकारी काम नहीं कर रहे हैं तो अध्यक्ष को परिषद के अधिकारों और प्रशासनिक जवाबदेही के दायरे में ठोस कदम उठाने होंगे,भाजपा के पार्षदों के लिए भी यह समय केवल समस्याओं को अधिकारियों के सामने रखने तक सीमित रहने का नहीं, बल्कि अपने-अपने वार्ड में कार्यों की प्रगति का हिसाब लेने का है,जनता को यह जानने का अधिकार है कि उसकी शिकायत किस स्तर पर लंबित है,किस अधिकारी को जिम्मेदारी दी गई है और समाधान कब तक होगा,सवाल केवल सीएमओ की कार्यशैली का नहीं,बल्कि पूरी नगर पालिका व्यवस्था की जवाबदेही का है,बैकुंठपुर की जनता को न राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप चाहिए और न ही बार-बार मिलने वाले आश्वासन,उसे साफ नालियां,स्वच्छ पेयजल,व्यवस्थित सड़कें और नियमित सफाई चाहिए,यदि नगर पालिका प्रशासन समय रहते इन बुनियादी समस्याओं का समाधान नहीं करता है,तो इसका असर जनता के विश्वास पर पड़ना तय है,और जब जनता का विश्वास कमजोर होता है,तो उसका राजनीतिक परिणाम भी सामने आ सकता है,आखिर जब नगर पालिका में भाजपा की सरकार है, अध्यक्ष और पार्षद भी भाजपा के हैं,तो शहर की बदहाली का हिसाब कौन देगा? क्या सीएमओ अपनी प्रशासनिक जिम्मेदारी का जवाब देंगे,या फिर आगामी चुनाव में जनता के सवालों का बोझ भाजपा के निर्वाचित जनप्रतिनिधियों को ही उठाना पड़ेगा?

छठ महापर्व को लेकर गढेलपारा में उत्साह,गेज नदी घाट पर तैयारियां जोरों पर...

जय छठी मैया सेवा समिति की अध्यक्ष अन्नपूर्णा प्रभाकर सिंह ने कहा...स्वच्छता,सेवा और सामाजिक एकता का संदेश देता है लोक आस्था का महापर्व,नगरवासियों से आयोजन में सहयोग की अपील

-रवि सिंह-

बैकुंठपुर/कोरिया,13 नवम्बर 2026 (घटती-घटना)।

लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा को लेकर गढेलपारा सहित बैकुंठपुर नगर और आसपास के क्षेत्रों में उत्साह का माहौल बनने लगा है,पर्व को लेकर गढेलपारा स्थित गेज नदी छठ घाट पर जय छठी मैया सेवा समिति द्वारा तैयारियां जोर-शोर से की जा रही हैं,घाट की साफ-सफाई,रंग-रोगन,साज-सज्जा,प्रकाश व्यवस्था और श्रद्धालुओं की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए विभिन्न कार्यों को अंतिम रूप दिया जा रहा है,समिति के सदस्य आयोजन को सुव्यवस्थित और सफल बनाने के लिए लगातार जुटे हुए हैं। जय छठी मैया सेवा समिति की अध्यक्ष अन्नपूर्णा प्रभाकर सिंह ने कहा कि छठ महापर्व भारतीय संस्कृति,लोक आस्था और प्रकृति की उपासना का अद्भुत पर्व है,यह पर्व परिवार की सुख-समृद्धि,संतान की दीर्घायु, अच्छे स्वास्थ्य और बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामना के लिए पूरी श्रद्धा एवं निष्ठा के साथ मनाया जाता है,छठव्रती कठिन नियमों का पालन करते हुए लगभग 36 घंटे का निर्जला उपवास रखकर भगवान सूर्यदेव और छठी मैया की आराधना करते हैं।

अस्ताचलगामी और उदीयमान सूर्य की उपासना है पर्व की विशेषता-अन्नपूर्णा प्रभाकर सिंह ने कहा कि छठ पूजा की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमें अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने के साथ अगले दिन उदीयमान सूर्य की उपासना की जाती है,बांस के सूप और दउरा में फल,ठेकुआ,नारियल,गन्ना सहित पारंपरिक पूजन सामग्री सजाकर व्रती जल में खड़े होकर सूर्यदेव को अर्घ्य अर्पित करते हैं, यह पर्व प्रकृति के प्रति सम्मान,स्वच्छता, संयम, समर्पण और परिवार के प्रति जिम्मेदारी का संदेश



देता है, छठ महापर्व से जुड़ी प्राचीन धार्मिक कथाएं और मान्यताएं हमारी सांस्कृतिक विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं।

13 से 16 नवंबर तक चलेंगे चार दिवसीय धार्मिक अनुष्ठान-इस वर्ष छठ महापर्व 13 नवंबर से 16 नवंबर तक मनाया जाएगा, चार दिनों तक चलने वाले इस पर्व का शुभारंभ 13 नवंबर,शुक्रवार को नहाय-खाय के साथ होगा। 14 नवंबर,शनिवार को खरना के दिन व्रती गुड़ की खीर एवं रोटी का प्रसाद तैयार कर पूजा-अर्चना करेंगे। 15 नवंबर,रविवार को संध्या के समय अस्ताचलगामी सूर्यदेव को अर्घ्य अर्पित किया जाएगा,वहीं 16 नवंबर,सोमवार की सुबह उदीयमान सूर्यदेव को अर्घ्य देने के साथ व्रत का समापन और पारण किया जाएगा।

सामाजिक एकता और भाईचारे का प्रतीक है छठ महापर्व-अन्नपूर्णा प्रभाकर सिंह ने कहा कि छठ पूजा केवल धार्मिक अनुष्ठान तक सीमित नहीं है,बल्कि यह समाज को एक सूत्र में बांधने वाला पर्व भी है,इस अवसर पर सभी वर्गों के लोग आपसी भेदभाव भुलाकर एक साथ घाट पर पहुंचते हैं और परिवार एवं समाज की सुख-समृद्धि की कामना करते हैं,पर्व की यही विशेषता सामाजिक समरसता,सहयोग और भाईचारे की भावना को मजबूत करती है, उन्होंने नगरवासियों,युवाओं,महिलाओं और सामाजिक संगठनों से अपील की कि वे छठ घाट की साफ-सफाई तथा आयोजन की व्यवस्थाओं में बढ़-चढ़कर सहयोग करें,उन्होंने बताया कि छठव्रतियों की सुविधा,घाट की स्वच्छता और श्रद्धालुओं की सहभागिता को ध्यान में रखते हुए समिति द्वारा आवश्यक व्यवस्थाएं की जा रही हैं,नगर पालिका परिषद बैकुंठपुर के सहयोग से भी स्वच्छता एवं अन्य जरूरी व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने का प्रयास किया जा रहा है।

सामूहिक सहयोग से सफल होगा आयोजन-अन्नपूर्णा प्रभाकर सिंह ने कहा कि छठ महापर्व जैसे आयोजन तभी सफल और व्यवस्थित बनते हैं,जब समाज का प्रत्येक व्यक्ति अपनी जिम्मेदारी समझते हुए सहयोग करता है,उन्होंने समस्त नगरवासियों एवं श्रद्धालुओं को छठ महापर्व की अग्रिम शुभकामनाएं देते हुए गढेलपारा स्थित गेज नदी छठ घाट पर सपरिवार पहुंचकर पूजा-अर्चना में सहभागी बनने की अपील की,उन्होंने विश्वास जताया कि सभी के सहयोग, सहभागिता और सेवा भावना से इस वर्ष का आयोजन सामाजिक एकता,स्वच्छता और भाईचारे का सुंदर उदाहरण बनेगा।

CMYK



एसआईआर के नाम पर 25 लाख मतदाताओं की छंटनी?

विनय उपाध्याय ने निर्वाचन आयोग से मांगा जवाब...

आबादी बढ़ी,मतदाता घटे 25 लाख! एसआईआर के आंकड़ों ने खड़े किए गंभीर सवाल

मतदाता सूची की शुद्धि या मताधिकार की कटौती? 25 लाख नामों पर विनय उपाध्याय का सवाल

वोट का अधिकार या दस्तावेजों की परीक्षा? एसआईआर पर विनय उपाध्याय ने निर्वाचन आयोग को घेरा

19 लाख शिफ्टेड-अनुपस्थित, 6 लाख मृत! छत्तीसगढ़ में एसआईआर की प्रक्रिया पर सवाल

19.13 लाख शिफ्टेड-अनुपस्थित,6.42 लाख मृत घोषित, मनेन्द्रगढ़ के कांग्रेस नेता विनय उपाध्याय ने निर्वाचन आयोग से मांगा जवाब, बूथवार सूची सार्वजनिक करने और फॉर्म-7 के दुरुपयोग की जांच की मांग।

मतदाता सूची साफ हो,लेकिन किसी पात्र नागरिक का लोकतांत्रिक अधिकार नहीं!

रवि सिंह-

मनेन्द्रगढ़,13 नवम्बर 2026 (घटती-घटना)।

लोकतंत्र की मजबूती का आधार केवल चुनाव कराना नहीं,बल्कि प्रत्येक पात्र नागरिक को बिना किसी भेदभाव के मतदान का अधिकार सुनिश्चित करना भी है,मतदाता सूची में पारदर्शिता और शुद्धता आवश्यक है, लेकिन यदि इसी प्रक्रिया में पात्र नागरिकों के नाम कटने की आशंका पैदा हो जाए तो यह केवल प्रशासनिक त्रुटि का विषय नहीं रह जाता,बल्कि सीधे नागरिक के संवैधानिक अधिकार से जुड़ा सवाल बन जाता है, निर्वाचन आयोग की विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया को लेकर देशभर में उठ रहे सवालों के बीच अब छत्तीसगढ़ में भी राजनीतिक बहस तेज हो गई है,मनेन्द्रगढ़ विधानसभा क्षेत्र के कांग्रेस नेता विनय उपाध्याय ने एसआईआर के आंकड़ों और प्रक्रिया पर गंभीर सवाल उठाते हुए इसे मतदाता सूची की शुद्धि के नाम पर संभावित मताधिकार कटौती का मामला बताया है। विनय उपाध्याय का कहना है कि छत्तीसगढ़ में एसआईआर के दौरान लगभग 25 लाख मतदाताओं के नाम कम होना सामान्य आंकड़ा नहीं है,प्रदेश में 2 करोड़ 12 लाख से अधिक मतदाताओं की संख्या घटकर अंतिम सूची में 1 करोड़ 87 लाख के आसपास पहुंच गई,उनका सवाल है कि जब प्रदेश की आबादी और नए मतदाताओं की संख्या बढ़ रही है,तब मतदाता सूची में इतनी बड़ी कमी कैसे आई? क्या इतनी बड़ी संख्या में लोग वास्तव में दुनिया से चले गए, स्थायी रूप से दूसरे स्थानों पर बस गए या फिर सत्यापन के दौरान घर पर नहीं मिलने के कारण उन्हें अनुपस्थित अथवा स्थानांतरित मान लिया गया? यह सवाल इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि निर्वाचन आयोग के अपने आंकड़ों में लगभग 19.13 लाख मतदाताओं को शिफ्टेड/अनुपस्थित श्रेणी में रखा गया है,हालांकि,आयोग के अनुसार इस श्रेणी में वे मतदाता भी शामिल हैं जिनके गणना प्रपत्र निर्धारित समय तक वापस नहीं मिले,जो दूसरी जगह मतदाता बन चुके हैं अथवा सत्यापन के दौरान उपलब्ध नहीं मिले,ऐसे में इन सभी को स्थायी रूप से पलायन कर चुके नागरिक मानना सही नहीं होगा, लेकिन इसी श्रेणी के भीतर वास्तविक मतदाताओं की पहचान और उनके नाम सुरक्षित रखने की प्रक्रिया को लेकर कांग्रेस नेता ने पारदर्शिता की मांग की है।

2.12 करोड़ से घटकर 1.87 करोड़ मतदाता,24.99 लाख की कमी पर सवाल

छत्तीसगढ़ के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय की 21 फरवरी 2026 की आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार एसआईआर से पहले प्रदेश में कुल 2,12,30,737 मतदाता पंजीकृत थे,ड्राफ्ट सूची के प्रकाशन के समय यह संख्या 1,84,95,920 रह गई थी,दावे और आपत्तियों की सुनवाई तथा नए नाम जोड़ने की प्रक्रिया के बाद 21 फरवरी को प्रकाशित अंतिम मतदाता सूची में कुल 1,87,30,914 मतदाता दर्ज किए गए,इस तरह एसआईआर से पहले की सूची और अंतिम सूची की तुलना में 24,99,823 मतदाताओं की कमी दर्ज हुई,वहीं ड्राफ्ट सूची से अंतिम सूची तक 2,34,994 मतदाताओं की शुद्ध वृद्धि हुई,यहीं से आंकड़ों की दो अलग-अलग तस्वीर सामने आती हैं,एक तरफ ड्राफ्ट सूची में बड़ी संख्या में नाम शामिल नहीं हुए,वहीं दूसरी तरफ दावे और आपत्तियों के बाद कुछ नाम पुन : जुड़े और नए मतदाताओं का पंजीयन भी हुआ,विनय उपाध्याय का कहना है कि इतने बड़े अंतर को केवल तकनीकी पुनरीक्षण कहकर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता,आयोग को यह स्पष्ट करना चाहिए कि हटाए गए नामों में कितने वास्तव में मृत, कितने स्थायी रूप से स्थानांतरित,कितने दो स्थानों पर पंजीकृत और कितने केवल सत्यापन के समय अनुपस्थित पाए गए थे।

19.13 लाख शिफ्टेड-अनुपस्थित, आखिर कहां गए इतने मतदाता?- एसआईआर की प्रक्रिया में सामने आए आंकड़ों के अनुसार छत्तीसगढ़ में 6,42,234 मतदाताओं को मृत, 19,13,540 को शिफ्टेड/अनुपस्थित और 1,79,043 को एक से अधिक स्थानों पर पंजीकृत श्रेणी में रखा गया, विनय उपाध्याय ने इसी आंकड़े को आधार बनाकर सवाल उठाया है कि छत्तीसगढ़ जैसे आदिवासी और श्रमिक बहुल प्रदेश में लाखों लोग रोजी-रोटी की तलाश में दूसरे जिलों और राज्यों में जाते हैं,सरगुजा,बस्तर, कोरिया,एमसीबी,बलरामपुर और सूरजपुर जैसे क्षेत्रों से बड़ी संख्या में मजदूर ईंट-भट्ठों, निर्माण कार्यों,खदानों और दूसरे राज्यों में रोजगार के लिए पलायन करते हैं,कई परिवार महीनों तक अपने मूल निवास स्थान से बाहर रहते हैं, ऐसे में यदि BLO सत्यापन के समय उनके घर पहुंचता है और परिवार के सदस्य उपलब्ध नहीं मिलते,तो उनके नाम अनुपस्थित अथवा स्थानांतरित श्रेणी में दर्ज होने की आशंका पैदा होती है,उपाध्याय का सवाल है कि क्या मजदूरी के लिए घर से बाहर जाना किसी नागरिक का मताधिकार समाप्त करने का आधार बन सकता है? क्या ऐसे लोगों की वास्तविक स्थिति का दोबारा सत्यापन किया गया? क्या उनके परिवार,पड़ोसियों और स्थानीय स्तर पर उपलब्ध जानकारियों के आधार पर उनकी पात्रता की जांच हुई? निर्वाचन आयोग के प्रारंभिक आंकड़ों में यह स्पष्ट किया गया था कि शिफ्टेड/अनुपस्थित श्रेणी में शामिल मतदाता दावे और आपत्तियों की प्रक्रिया के दौरान अपना नाम पुनः जुड़वा सकते हैं, लेकिन सवाल यह है कि क्या प्रत्येक प्रभावित नागरिक तक यह जानकारी पहुंची और क्या दूरस्थ क्षेत्रों में रहने वाले मजदूरों को पर्याप्त अवसर मिल पाया?

आबादी बढ़ने के बावजूद मतदाता कम राजनीतिक सवाल भी गंभीर

कांग्रेस नेता विनय उपाध्याय ने 2023 के विधानसभा चुनाव और एसआईआर के आंकड़ों की तुलना करते हुए कहा कि प्रदेश में भाजपा और कांग्रेस के बीच विधानसभा चुनाव में जीत-हार का कुल अंतर लगभग 6.32 लाख मतों का था,जबकि एसआईआर के बाद मतदाता सूची में लगभग 25 लाख की कमी सामने आई है,उनका तर्क है कि जब किसी राज्य में मतदाता सूची से हटाए गए नामों की संख्या पिछले चुनाव में प्रमुख राजनीतिक दलों के बीच मतों के अंतर से कई गुना अधिक हो,तब इसकी गंभीरता को समझना आवश्यक हो जाता है,हालांकि मतदाता सूची में कमी और चुनावी नतीजों के बीच सीधा संबंध स्थापित नहीं किया जा सकता,क्योंकि हटाए गए नामों में मृत,स्थायी रूप से स्थानांतरित और दोहरी प्रविष्टियां भी शामिल हो सकती हैं,लेकिन इतनी बड़ी संख्या में नामों का हटना राजनीतिक दलों और नागरिक संगठनों के लिए बूथवार समीक्षा का महत्वपूर्ण विषय जरूर है।

फॉर्म-7 के इस्तेमाल पर भी उठाए सवाल

विनय उपाध्याय ने मतदाता सूची से नाम हटाने के लिए इस्तेमाल होने वाले फॉर्म-7 की प्रक्रिया पर भी सवाल उठाए हैं, उनका आरोप है कि यदि किसी व्यक्ति के नाम को हटाने के लिए आपत्ति दर्ज कराई जाती है, तो उसकी वैधता और आपत्तिकर्ता की जानकारी की समुचित जांच होनी चाहिए,उनका कहना है कि फॉर्म-7 के संभावित दुरुपयोग की शिकायतों को गंभीरता से लिया जाना चाहिए, यदि किसी व्यक्ति ने दुर्भावनापूर्ण तरीके से किसी पात्र मतदाता का नाम हटवाने के लिए गलत जानकारी दी है तो उसके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए, उन्होंने दावा किया कि ड्राफ्ट सूची के बाद भी प्रदेश के 33 जिलों में 1,08,807 नाम काटे गए,इस संबंध में उनका सवाल है कि कितने मामलों में आपत्तिकर्ता का बयान लिया गया,कितने मामलों में वास्तविक जांच हुई और कितने फर्जी आवेदन सामने आने पर प्राथमिकी दर्ज कराई गई? निर्वाचन आयोग की आधिकारिक प्रक्रिया के अनुसार फॉर्म-7 का उपयोग मतदाता सूची से नाम हटाने अथवा किसी प्रविष्टि पर आपत्ति दर्ज कराने के लिए किया जाता है, ऐसे आवेदनों का नियमानुसार परीक्षण और संबंधित मतदाता को निर्धारित प्रक्रिया के तहत सुनवाई का अवसर देना जरूरी है।

2.34 लाख नामों की शुद्ध वृद्धि, क्या पहले छूट गए थे पात्र मतदाता?

एसआईआर के दौरान सबसे महत्वपूर्ण पहलू ड्राफ्ट सूची और अंतिम सूची के बीच का अंतर है। 23 दिसंबर 2025 को प्रकाशित ड्राफ्ट सूची में 1,84,95,920 मतदाता दर्ज थे,इसके बाद दावे और आपत्तियों की प्रक्रिया चली, जो 22 जनवरी 2026 तक निर्धारित थी। सुनवाई और सत्यापन की कार्रवाई 14 फरवरी तक पूरी की गई, 21 फरवरी 2026 को प्रकाशित अंतिम सूची में 1,87,30,914 मतदाता दर्ज हुए। यानी ड्राफ्ट सूची की तुलना में 2,34,994 मतदाताओं की शुद्ध वृद्धि हुई,विनय उपाध्याय का कहना है कि यदि बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम दावे और आपत्तियों के बाद फिर से जुड़े तो यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि ड्राफ्ट सूची तैयार करते समय किन कारणों से वे नाम शामिल नहीं हो पाए थे,हालांकि अंतिम सूची में हुई शुद्ध वृद्धि को पूरी तरह पहले गलत तरीके से काटे गए नामों की बहाली नहीं कहा जा सकता,क्योंकि इसमें नए मतदाताओं का पंजीयन भी शामिल है,फिर भी आयोग को यह बताना चाहिए कि कितने नाम पुराने मतदाताओं के रूप में बहाल हुए और कितने नए मतदाताओं के रूप में जोड़े गए।

गरीब, आदिवासी और प्रवासी मजदूरों के लिए दस्तावेजों की चुनौती

उपाध्याय ने एसआईआर प्रक्रिया में दस्तावेजों की उपलब्धता को लेकर भी चिंता जताई है,उनका कहना है कि ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों में ऐसे परिवार बड़ी संख्या में हैं, जिनके पास पुराने निवास संबंधी दस्तावेज,जन्म प्रमाण-पत्र अथवा अन्य आवश्यक अभिलेख उपलब्ध नहीं हैं, कई लोग वर्षों से एक ही गांव में रह रहे हैं, लेकिन उनके पास अपने निवास और पारिवारिक पहचान से संबंधित पुराने रिकॉर्ड व्यवस्थित नहीं हैं,महिलाओं के मामले में विवाह के बाद नाम और पते में बदलाव की स्थिति भी आती है, ऐसे में यदि दस्तावेजों की कमी को पात्रता पर संदेह का आधार बना दिया जाए तो गरीब और वंचित तबकों के सामने अनावश्यक कठिनाई पैदा हो सकती है, उन्होंने बिहार के एसआईआर से संबंधित आंकड़ों का हवाला देते हुए महिलाओं और दस्तावेजों से वंचित लोगों पर विशेष ध्यान देने की मांग की, उनका कहना है कि निर्वाचन प्रक्रिया ऐसी होनी चाहिए जिसमें नागरिक को अपना मताधिकार बचाने के लिए अनावश्यक कागजी संघर्ष न करना पड़े।

महिला मतदाताओं और विवाह के बाद बदले पते का मुद्दा

महिला मतदाताओं के नाम में विवाह के बाद परिवर्तन, निवास स्थान बदलना और दस्तावेजों में अलग-अलग नाम दर्ज होना आम प्रशासनिक परिस्थितियां हैं,कई महिलाएं विवाह के बाद दूसरे गांव या जिले में चली जाती हैं, उपाध्याय के अनुसार ऐसी परिस्थितियों में सत्यापन के दौरान विशेष सावधानी बरतने की आवश्यकता है, किसी महिला का पुराना पता बदल जाना या उसके दस्तावेजों में नाम का अंतर होना अपने आप में उसे मतदाता सूची से बाहर करने का पर्याप्त आधार नहीं होना चाहिए, उन्होंने मांग की कि महिला मतदाताओं,वृद्धजनों,दिव्यांगों और प्रवासी परिवारों के लिए अलग से सहायता व्यवस्था बनाई जाए,ताकि पात्र मतदाताओं को प्रक्रिया के दौरान किसी प्रकार की परेशानी न हो।

दो महीने में करोड़ों मतदाताओं का सत्यापन, बीएलओ पर कितना दबाव?

एसआईआर की प्रक्रिया में बूथ लेवल अधिकारियों की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण रही, इन्हीं कर्मचारियों को घर-घर जाकर गणना प्रपत्र वितरित करने,वापस लेने, मतदाताओं का मिलान करने और अनुपस्थित अथवा स्थानांतरित लोगों की जानकारी दर्ज करने की जिम्मेदारी सौंपी गई,छत्तीसगढ़ में निर्वाचन आयोग के अनुसार 27,196 बीएलओ ने घर-घर जाकर सत्यापन किया,इसके अतिरिक्त 38,846 बूथ लेवल एजेंटों की भी राजनीतिक दलों की ओर से नियुक्ति की गई थी, विनय उपाध्याय का आरोप है कि सीमित समय में इतनी बड़ी संख्या में मतदाताओं का सत्यापन करने के कारण कर्मचारियों पर काम का दबाव बढ़ा, ऐसे में मानवीय त्रुटियों की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता,उनका कहना है कि निर्वाचन आयोग को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि किसी भी बीएलओ की जल्दबाजी,गलत रिपोर्टिंग अथवा अधूरे सत्यापन का खामियाजा किसी पात्र नागरिक को अपने मताधिकार से वंचित होकर न भुगतना पड़े।

मतदाता सूची और सरकारी योजनाओं को जोड़ने की आशंका पर चिंता-

उपाध्याय ने मतदाता सूची की शुद्धि और अन्य सरकारी योजनाओं के लाभ को अलग-अलग रखने की मांग की है,उनका कहना है कि मतदाता सूची में नाम नहीं होने को राशन,आधार अथवा अन्य सरकारी योजनाओं की पात्रता से जोड़ना नागरिकों के लिए गंभीर समस्या पैदा कर सकता है,मतदाता सूची का उद्देश्य चुनाव में पात्र नागरिकों की भागीदारी सुनिश्चित करना है,वहीं राशन और अन्य कल्याणकारी योजनाओं के अपने अलग पात्रता मानदंड हैं। इसलिए दोनों व्यवस्थाओं को एक-दूसरे का विकल्प नहीं बनाया जाना चाहिए।

महत्वपूर्ण आधिकारिक आंकड़े

विवरण	आधिकारिक संख्या
SIR से पहले मतदाता	2,12,30,737
ड्राफ्ट सूची	1,84,95,920
अंतिम सूची	1,87,30,914
पहले और अंतिम सूची का अंतर	24,99,823
मृत श्रेणी	6,42,234
शिफ्टेड/अनुपस्थित	19,13,540
एक से अधिक स्थानों पर पंजीकृत	1,79,043
ड्राफ्ट से अंतिम सूची में शुद्ध वृद्धि	2,34,994

स्रोत: मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, छत्तीसगढ़ की 23 दिसंबर 2025 और 21 फरवरी 2026 की आधिकारिक प्रेस विज्ञप्तियां।

निर्वाचन आयोग का पक्षः पात्र मतदाता छूटे नहीं,अपात्र नाम भी शामिल न हों...

इस विवाद के दूसरे पक्ष को भी समझना जरूरी है, निर्वाचन आयोग का आधिकारिक उद्देश्य मतदाता सूची को अद्यतन करना, मृत और स्थायी रूप से स्थानांतरित मतदाताओं की पहचान करना तथा दोहरी प्रविष्टियों को हटाना है, मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी छत्तीसगढ़ की 23 दिसंबर 2025 की प्रेस विज्ञप्ति में स्पष्ट किया गया था कि बीएलओ द्वारा घर-घर जाकर गणना प्रपत्र वितरित किए गए और वापस लेने के लिए कम से कम तीन बार प्रयास किए गए,जिन मतदाताओं के फॉर्म प्राप्त नहीं हुए, उनकी सूची राजनीतिक दलों के बूथ लेवल एजेंटों के साथ साझा की गई थी, आयोग ने यह भी कहा था कि वास्तविक पात्र मतदाता दावे और आपत्तियों की अवधि में अपना नाम पुनः जुड़वा सकते हैं,अंतिम सूची जारी करने से पहले प्राप्त आवेदनों का निराकरण किया गया, वहीं केंद्र सरकार ने 25 जुलाई 2026 को लोकसभा में दी गई जानकारी में एसआईआर के दौरान गलत नाम हटने से रोकने के लिए निर्धारित प्रक्रिया,घर-घर सत्यापन,दो से तीन बार संपर्क के प्रयास, ड्राफ्ट सूची का प्रकाशन, दावे-आपत्तियों और अपील की व्यवस्था का उल्लेख किया था,इसलिए एसआईआर के विरोध और मतदाता सूची के शुद्धिकरण के उद्देश्य के बीच अंतर समझना जरूरी है। वास्तविक प्रश्न यह है कि निर्धारित सुरक्षा उपायों का पालन प्रत्येक बूथ और प्रत्येक मतदाता के मामले में कितना प्रभावी ढंग से हुआ।

कांग्रेस की चार प्रमुख मांगें, विनय उपाध्याय ने कांग्रेस पार्टी की ओर से एसआईआर प्रक्रिया को लेकर चार प्रमुख मांगें रखीं

1. **बूथवार सूची सार्वजनिक हो:** एसआईआर में हटाए गए सभी मतदाताओं के नाम और नाम हटाने के कारणों की बूथवार जानकारी सार्वजनिक की जाए, ताकि पारदर्शिता बनी रहे।
2. **फॉर्म-7 के दुरुपयोग की जांच हो:** गलत अथवा फर्जी आपत्तियों के माध्यम से पात्र मतदाताओं के नाम हटवाने के मामलों की जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए।
3. **छूटे हुए पात्र मतदाताओं के नाम जुड़ें:** सत्यापन में छूट गए पात्र नागरिकों के नाम पुनः जोड़ने के लिए सरल और सुलभ प्रक्रिया अपनाई जाए, ताकि गरीब, आदिवासी और प्रवासी मजदूर दस्तावेजों की जटिलता में न उलझें।
4. **सरकारी योजनाओं से मतदाता सूची को अलग रखा जाए:** मतदाता सूची में नाम नहीं होने के आधार पर राशन अथवा अन्य सरकारी योजनाओं के लाभ को प्रभावित नहीं किया जाए।

लोकतंत्र में शुद्ध मतदाता सूची जरूरी, लेकिन पात्र मतदाता का नाम भी उतना ही जरूरी-

विनय उपाध्याय ने कहा कि कांग्रेस पार्टी मतदाता सूची के शुद्धिकरण के खिलाफ नहीं है,लोकतंत्र में निष्पक्ष और त्रुटिरहित मतदाता सूची होना आवश्यक है,मृत व्यक्तियों के नाम हटाना,दोहरी प्रविष्टियों को समाप्त करना और स्थायी रूप से स्थानांतरित मतदाताओं की जानकारी अद्यतन करना निर्वाचन प्रक्रिया का स्वाभाविक हिस्सा है,लेकिन शुद्धिकरण की प्रक्रिया में यदि किसी पात्र नागरिक का नाम गलत तरीके से हट जाता है तो उसके पास मतदान के दिन अपने मताधिकार का उपयोग करने का अवसर नहीं बचेगा,इसलिए प्रत्येक नाम हटाने की कार्रवाई पारदर्शी,प्रमाणित और नियमानुसार होनी चाहिए,उन्होंने कहा कि लोकतंत्र का सिद्धांत अधिक से अधिक पात्र नागरिकों को मतदान प्रक्रिया से जोड़ने का होना चाहिए,न कि सत्यापन की जटिलताओं के कारण उन्हें बाहर कर देने का,एसआईआर को लेकर उठ रही यह बहस अब केवल राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, निर्वाचन आयोग के आंकड़ों, बूथवार रिकॉर्ड,नाम हटाने के कारणों और सुनवाई के परिणामों को सार्वजनिक रूप से समझने का अवसर नागरिकों को मिलना चाहिए, क्योंकि मतदाता सूची में दर्ज प्रत्येक नाम केवल एक संख्या नहीं, बल्कि एक नागरिक की लोकतांत्रिक पहचान है,मतदाता सूची की शुद्धता और नागरिक के मताधिकार की सुरक्षा,दोनों एक-दूसरे के पूरक होने चाहिए।

अर्शदीप सिंह से सगाई के बाद आशीष चंचलानी से जुड़ा नाम

भड़कीं समरीन कौर,बोलीं-4 साल से नहीं हुई बात

अरशदीप सिंह से सगाई के बाद समरीन कौर का नाम आशीष चंचलानी से जोड़ा जा रहा है। अभिनेत्री ने वायरल रील्स पर नाराजगी जताते हुए कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी है। भारतीय क्रिकेटर अरशदीप सिंह से सगाई के बाद अभिनेत्री और मॉडल समरीन कौर लगातार चर्चा में हैं। इसी बीच सोशल मीडिया पर उनका नाम यूट्यूबर आशीष चंचलानी के साथ जोड़ा जाने लगा। दोनों की पुरानी तस्वीरों और वीडियो को एडिट करके सोशल मीडिया पर कई रील्स और पोस्ट शेयर किए जा रहे हैं। इन वायरल कंटेंट को लेकर अब समरीन ने नाराजगी जाहिर की है। अभिनेत्री ने साफ किया है कि आशीष चंचलानी के साथ उनकी बातचीत पिछले चार साल से बंद है और उन्होंने इतने समय से साथ में कोई कंटेंट भी नहीं बनाया है। समरीन ने पुराने फोटो और वीडियो के आधार पर कहानियां गढ़ने वालों को आड़े हाथों लिया है।

आशीष चंचलानी के साथ वायरल रील्स पर समरीन का जवाब

समरीन कौर ने शुक्रवार,13 नवंबर को अपने इंस्टाग्राम काउंट पर एक पोस्ट साझा कर इस पूरे मामले पर अपनी बात रखी। उन्होंने बताया कि सुबह उठने पर उन्हें अपनी तस्वीरों के साथ एक यूट्यूबर के पुराने वीडियो से तैयार की गई कई रील्स दिखाई दीं। अभिनेत्री के मुताबिक उन्होंने उस यूट्यूबर के साथ करीब चार साल पहले काम किया था, लेकिन उसके बाद से न तो दोनों की बातचीत हुई है और न ही उन्होंने कोई नया वीडियो



या कंटेंट साथ बनाया है। समरीन ने अपनी पोस्ट में स्पष्ट शब्दों में कहा कि चार साल पुरानी तस्वीरों और क्लिप्स को बार-बार इस्तेमाल करके नई कहानियां बनाने की कोशिश बंद होनी चाहिए। उन्होंने सोशल मीडिया यूजर्स से अपील की कि पुराने कंटेंट को मौजूदा घटनाओं से जोड़कर भ्रामक बातें न फैलाएं। अभिनेत्री का कहना है कि कुछ लोग सिर्फ व्यूज और सोशल मीडिया पर चर्चा बटोरने के लिए इस तरह के एडिट्स तैयार कर रहे हैं।

पॉडकास्ट में जिस लड़की की चर्चा,वह मैं नहीं हूं

समरीन ने यह भी स्पष्ट किया कि कुछ पॉडकास्ट में जिस लड़की का जिक्र किया जा रहा है, वह वह नहीं हैं। उन्होंने नाराजगी जताई कि पहले भी स्थिति स्पष्ट करने के बावजूद बार-बार उनका नाम इस तरह के मामलों में घसीटा जा रहा है। अभिनेत्री के मुताबिक,पुरानी तस्वीरों को संदर्भ से हटाकर पेश करना और भ्रामक वीडियो तैयार करना गैर-जिम्मेदाराना है। उन्होंने कंटेंट क्रिएटर्स को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर कोई उनके नाम या तस्वीरों का इस्तेमाल क्लिकबेट और गलत जानकारी फैलाने के लिए करता है तो उनकी टीम ऐसे लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करेगी। समरीन ने इस तरह की हरकत को न सिर्फ गैर-जिम्मेदाराना, बल्कि बेहद अपमानजनक भी बताया।

हर चीज को कंटेंट बनाने की जरूरत नहीं

अभिनेत्री ने अपनी पोस्ट में लोगों से सोशल मीडिया पर कुछ भी साझा करने से पहले उसकी सच्चाई जांचने की अपील की। उन्होंने याद दिलाया कि वायरल पोस्ट और रील्स के पीछे असली लोग,उनकी प्रतिष्ठा और उनके परिवार भी जुड़े होते हैं। सिर्फ व्यूज हासिल करने के लिए किसी की पुरानी तस्वीरों और वीडियो को नए संदर्भ में पेश करना ठीक नहीं है। समरीन ने कहा कि इंटरनेट पर मौजूद हर चीज को कंटेंट में बदलना जरूरी नहीं है।

11 नवंबर को अरशदीप सिंह से की सगाई

समरीन कौर की यह प्रतिक्रिया ऐसे समय आई है, जब उन्होंने हाल ही में भारतीय क्रिकेटर अरशदीप सिंह के साथ सगाई की है। दोनों ने 11 नवंबर 2026 को अपने रिश्ते को नया नाम दिया और सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी साझा की। कपल ने अपनी सगाई की तस्वीरों के साथ एक भावुक संदेश भी लिखा। पोस्ट के कैप्शन में उन्होंने कहा कि जिंदगी उन्हें कई चीजें दे सकती थी, लेकिन एक-दूसरे का साथ मिलना उनके लिए सबसे खास है।



स्केरी पिक्चर से हॉरर फिल्मों में वापसी को तैयार कंगना रनौत

मेकर्स ने जारी किया फर्स्ट लुक,रिलीज डेट पर दिया बड़ा हिंट

कंगना रनौत अपकमिंग फिल्म स्केरी पिक्चर के साथ एक बार फिर हॉरर जॉनर में वापसी करने जा रही हैं, जिसकी आधिकारिक घोषणा कर दी गई है। इस नए प्रोजेक्ट को लेकर कंगना का कहना है कि वह इसे लेकर एक ही समय पर डरी हुई भी हैं और उत्साहित भी हैं। कंगना रनौत एक बार फिर बड़े पर्दे पर नजर आने वाली है, जिसका आधिकारिक ऐलान हो गया है। कंगना अपकमिंग फिल्म स्केरी पिक्चर में नजर आएंगी,जिसके साथ वह हॉरर जॉनर में वापसी करने जा हैं। इस प्रोजेक्ट को राणा दग्गुबाती प्रोड्यूस करेंगे और इसका निर्देशन तेलुगु फिल्म निर्माता रवि बाबू कर रहे हैं। इस फिल्म के साथ रवि बाबू हिंदी सिनेमा की दुनिया में डेब्यू कर रहे हैं। रवि बाबू अपनी लीक से हटकर कहानी कहने की शैली के लिए जाने जाते हैं। हॉररकॉन इंडिया 2026 में हुई घोषणा के बाद, शुक्रवार,13 नवंबर को इस सुरेश प्रोडक्शन्स ने इसका आधिकारिक ऐलान कर दिया, जिसे लेकर कंगना रनौत की प्रतिक्रिया चर्चा में है।

कंगना रनौत की हॉरर फिल्म का आधिकारिक ऐलान

राणा दग्गुबाती ने शुक्रवार, 13 नवंबर को सोशल मीडिया पर स्केरी पिक्चर की आधिकारिक घोषणा की, जिसमें कंगना रनौत मुख्य भूमिका में होंगी। उन्होंने फिल्म का ऐलान करते हुए लिखा,एक नया डरावना अनुभव सामने आने वाला है। डॉ. डी. रामानायडू पेश करते हैं स्केरी पिक्चर, जिसमें कंगना रनौत हैं। यह फ्लाइंग फ्रॉग्स प्रोडक्शन की फिल्म है। इसी के साथ मेकर्स ने ये भी बताया कि ये फिल्म 2027 में कभी भी दर्शकों के बीच दस्तक दे सकती है। कंगना ने भी इस पोस्ट को रीशेयर किया है और फिल्म को लेकर अपनी भावनाएं जाहिर की हैं। उन्होंने कैप्शन में लिखा, डरी हुई हूं,लेकिन उत्साहित भी हूं।

हॉररकॉन इंडिया 2026 में स्केरी पिक्चर का हुआ था ऐलान

इस महीने की शुरुआत में,राणा दग्गुबाती ने हॉररकॉन इंडिया 2026 के दौरान इस प्रोजेक्ट की घोषणा करते हुए पहली बार फिल्म के टाइटल का खुलासा किया था। सोशल मीडिया पर इस ऐलान का एक वीडियो भी सामने आया था,जिसमें राणा दग्गुबाती स्टेज पर दिखाई दिए और उनके पीछे बड़ी सी स्क्रीन पर स्केरी पिक्चर की एक झलक दिखाई देती है। बाद में कंगना ने एक क्लिप रीपोस्ट की,जिसमें राणा इस फिल्म के बारे में बात कर रहे थे। इस पोस्ट से फिल्म में कंगना के होने की भी पुष्टि हो गई थी,लेकिन राणा के प्रोडक्शन हाउस की ओर से कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की थी।

स्केरी पिक्चर के साथ रवि बाबू हिंदी सिनेमा में कदम रख रहे हैं

हॉररकॉन में राणा दग्गुबाती ने इस प्रोजेक्ट के बारे में बात करते हुए ये पुष्टि की कि यह एक हॉरर फिल्म होगी, जिसका निर्देशन उनके दोस्त एक्टर और डायरेक्टर रवि बाबू करेंगे। उन्होंने कहा,ये एक हॉरर फिल्म है और इसका निर्देशन रवि बाबू कर रहे हैं,जो मेरे दोस्त हैं। उन्होंने तेलुगु में तो कई हॉरर फिल्में बनाई हैं,लेकिन हिंदी में उनकी ये पहली फीचर फिल्म होगी। यहां पहली बार इस हॉरर फिल्म के टाइटल की घोषणा की जा रही है। हमने अब तक हिंदी मीडिया के सामने इसका जिक्र नहीं किया था, यह पहली बार है जब हम सार्वजनिक रूप से यह जानकारी दे रहे हैं।

कंगना रनौत की अपकमिंग फिल्में

कंगना रनौत की बात करें तो इससे पहले वह राज 2 और चंद्रमुखी 2 जैसी हॉरर फिल्मों में काम कर चुकी हैं और अब वह फिर स्केरी पिक्चर के जरिए हॉरर जॉनर में वापसी कर रही हैं। वहीं उनके हालिया प्रोजेक्ट्स की बात करें तो आखिरी बार उन्हें भारत भाग्य विधाता में देखा गया था, जो जून 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। फिल्म की कहानी 26 नवंबर 2008 को मुंबई में हुए आतंकी हमले की सच्ची घटना पर आधारित है और मुंबई के कामा और अल्बलेस अस्पताल के इर्द-गिर्द घूमती है,जिस पर आतंकवादियों ने हमला किया था।

मातृभूमि के ट्रेलर में सलमान खान से भिड़ने वाला हैंडसम मेजर कौन है?

पहले ही विलेन बनकर मचा चुका है धूम, मॉडलिंग की दुनिया में बड़ा नाम

सलमान खान की फिल्म मातृभूमि में चीनी सेना के मेजर बने अनूप बिक्रम शाही नेपाली सिनेमा का जाना-पहचाना चेहरा हैं। मॉडलिंग से करियर शुरू करने वाले अनूप अब बॉलीवुड में डेब्यू करेंगे। सलमान खान की फिल्म मातृभूमि के ट्रेलर ने दर्शकों के बीच उत्सुकता बढ़ा दी है। इसमें सलमान चीनी सेना से लोहा लेते नजर आ रहे हैं। ट्रेलर में उनका सामना चीनी सेना के एक मेजर से भी होता है। इस किरदार में दिखे अभिनेता अनूप बिक्रम शाही ने भी लोगों का ध्यान खींचा है। हिंदी सिनेमा के दर्शकों के लिए अनूप भले ही नया चेहरा हों, लेकिन नेपाली फिल्म इंडस्ट्री में वह अपनी दमदार पहचान रखते हैं। ट्रेलर में उनकी झलक सामने आने के बाद लोग उनके बारे में जानने के लिए इंटरनेट पर सर्च कर रहे हैं। आइए जानते हैं कि कौन हैं अनूप बिक्रम शाही और कैसे मॉडलिंग से शुरू हुआ उनका सफर बॉलीवुड तक पहुंचा।



नेपाली सिनेमा के चर्चित विलेन हैं अनूप

अनूप बिक्रम शाही नेपाली सिनेमा के जाने-माने अभिनेताओं में शामिल हैं। लंबी कद-काठी,आकर्षक व्यक्तित्व और दमदार स्क्रीन प्रेजेंस उनकी पहचान है। उन्हें खासतौर पर अपने निगेटिव किरदारों के लिए जाना जाता है। दिलचस्प बात यह है कि अनूप हमेशा हीरो बनना चाहते थे, लेकिन पर्दे पर विलेन के रूप में उन्हें ज्यादा लोकप्रियता मिली। बिना किसी फिल्मी बैकग्राउंड के उन्होंने अपनी मेहनत से इंडस्ट्री में जगह बनाई। काठमांडू में जन्मे अनूप ने शोबिज में कदम मॉडलिंग के जरिए रखा। साल 2013 में उन्होंने मैनहंट इंटरनेशनल नेपाल का खिताब जीता। इसके बाद 2016 में चीन के शेनझेन में आयोजित मैनहंट इंटरनेशनल प्रतियोगिता में नेपाल का प्रतिनिधित्व किया। यहां उन्हें बेस्ट टीवी मॉडल के पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

हसिया से मिली फिल्मों में पहचान

मॉडलिंग में पहचान बनाने के बाद अनूप ने अभिनय की दुनिया का रुख किया। साल 2013 में उन्होंने नेपाली फिल्म सौर्य से अपने फिल्मी करियर की शुरुआत की। हालांकि, 2014 में आई फिल्म हसिया ने उन्हें असली पहचान दिलाई। इसमें उनके निगेटिव किरदार को दर्शकों ने पसंद किया और वह नेपाली सिनेमा के चर्चित विलेन बन गए। इसके बाद अनूप ने कई फिल्मों में काम किया। उनकी प्रमुख फिल्मों में बीर बिक्रम,किंग,क्री,लिली बिली,जय शंभू,पुरानो बुलेट, पासवर्ड, लक्षे और लप्पन छप्पन 2 शामिल हैं। अपने स्टाइल और स्क्रीन प्रेजेंस के चलते उन्हें नेपाली फिल्म इंडस्ट्री के मोस्ट स्टाइलिश एक्टर्स में भी गिना जाता है।

टीवी शो और राजनीति में भी आजमाया हाथ

फिल्मों के अलावा अनूप ने टेलीविजन पर भी अपनी पहचान बनाई। वह नेपाली रियलिटी शो हिमालयन रोडीज में गैंग लीडर के तौर पर नजर आए। शो के फॉर्मेट के साथ उनका बेबाक अंदाज और प्रभावशाली व्यक्तित्व खूब जमे। अभिनय के अलावा उन्होंने राजनीति में भी कदम रखा। साल 2022 में वह नेपाली कांग्रेस पार्टी में शामिल हुए थे।

मातृभूमि में सैकड़ों कलाकारों को पछाड़कर मिला रोल

अनूप के करियर के लिए मातृभूमि एक बड़ा मौका है। निर्देशक अपूर्व लाखिया ने ट्रेलर लॉन्च के दौरान बताया था कि चीनी सेना के मेजर के किरदार के लिए दुनिया भर के कलाकारों के ऑडिशन लिए गए थे। सैकड़ों कलाकारों में से अनूप को इस भूमिका के लिए चुना गया। इस तरह नेपाली सिनेमा में अपनी पहचान बना चुके अभिनेता को अब हिंदी दर्शकों के सामने खुद को साबित करने का मौका मिला है। अनूप सलमान खान के बड़े प्रशंसक हैं। ट्रेलर लॉन्च इवेंट में उन्होंने सलमान के पैर छुए थे। उनका यह अंदाज सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। अब फिल्म में दोनों अभिनेताओं के आमने-सामने आने वाले दृश्यों को लेकर दर्शकों में उत्सुकता है।



गोविंदा संग तस्वीरें शेयर कर चर्चा में आईं कोमल रानी

बॉलीवुड अभिनेता गोविंदा अपनी आगामी फिल्म रूपा के साथ एक बार फिर बड़े पर्दे पर वापसी करने की तैयारी में हैं। इसी बीच फिल्म में उनकी सह-कलाकार कोमल रानी स्वर्णकार ने सोशल मीडिया पर फिल्म की कुछ खूबसूरत तस्वीरें साझा की हैं। इन तस्वीरों में गोविंदा और कोमल रानी एक साथ रोमांटिक अंदाज में नजर आ रहे हैं। तस्वीरें सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर प्रतिक्रियाओं का सिलसिला शुरू हो गया है। खास बात यह है कि कुछ दिनों पहले ही गोविंदा की पत्नी सुनीता आहूजा ने अपने वैवाहिक रिश्ते को लेकर कहा था कि दुनिया में कोई भी उन्हें और गोविंदा को अलग नहीं कर सकता। कोमल रानी स्वर्णकार ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर गोविंदा के साथ तस्वीरों की एक सीरीज साझा की है। इन तस्वीरों में अभिनेत्री लैवेंडर रंग की खूबसूरत साड़ी में नजर आ रही हैं। उन्होंने अपने लुक को आकर्षक नेकलेस के साथ पूरा किया है। वहीं,गोविंदा सफेद शर्ट, सफेद ब्लेजर और काले रंग की पैंट में दिखाई दे रहे हैं। दोनों कलाकारों की तस्वीरों में रोमांटिक अंदाज देखने को मिल रहा है। तस्वीरें साझा करते हुए कोमल रानी ने कैप्शन में लिखा,रूपा की खूबसूरत झलकियां। अभिनेत्री की इस पोस्ट ने फिल्म को लेकर दर्शकों की उत्सुकता बढ़ा दी है। हालांकि,तस्वीरों के सामने आने के बाद गोविंदा की निजी जिंदगी को लेकर भी सोशल मीडिया पर चर्चा शुरू हो गई है। गोविंदा और कोमल रानी की तस्वीरों पर अभिनेत्री राखी सावंत की प्रतिक्रिया ने भी लोगों का ध्यान खींचा है। राखी ने कोमल रानी की पोस्ट पर गुस्से वाले कई इमोजी साझा किए हैं। हालांकि,उन्होंने अपनी प्रतिक्रिया के पीछे की वजह स्पष्ट नहीं की है। राखी सावंत की प्रतिक्रिया के बाद सोशल मीडिया पर कई अन्य यूजर्स ने भी तस्वीरों को लेकर अपने विचार व्यक्त किए हैं। कुछ लोगों ने गोविंदा और कोमल रानी की ऑनस्क्रीन जोड़ी की तारीफ की, जबकि कुछ यूजर्स ने सुनीता आहूजा के हालिया बयान का जिक्र किया। एक सोशल मीडिया यूजर ने तस्वीरों पर प्रतिक्रिया देते हुए लिखा, पुरुष और उनकी ढिठाई। वहीं, एक अन्य यूजर ने सुनीता आहूजा की प्रतिक्रिया का इंतजार करने की बात कही।

खेल समाचार

वनडे मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया की धमाकेदार जीत

पर्थ13 नवम्बर 2026। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच खेले गए पहले वनडे मुकाबले में ऑस्ट्रेलियाई टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सात विकेट से जीत दर्ज की। बियर्डमैन और मार्श के बेहतरीन प्रदर्शन के दम पर ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड को शिकस्त दी और वनडे सीरीज की विजयी शुरुआत की। मुकाबले में ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों का प्रदर्शन प्रभावशाली रहा। बियर्डमैन और मार्श ने अपनी टीम की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इंग्लैंड के खिलाफ सात विकेट से मिली इस जीत के साथ ऑस्ट्रेलिया ने सीरीज में बढ़त हासिल कर ली है। पहले वनडे मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड के खिलाफ मजबूत खेल दिखाया। टीम ने अपने खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत मुकाबले को अपने नाम किया।

न्यायालय नायब तहसीलदार सूरजपुर-01 जिला सूरजपुर,छ0ग0

ईश्तहार

राजस्व प्रकरण क्रमांक/ब-121/2026-27/-121/2026-27

ग्राम — सरमा

एतद् द्वारा सर्व साधारण आम जनता ग्राम सरमा को सूचित किया जाता है कि आवेदिका गिरजा राजवाड़े पति स्व0 द्रोणाचार्य राजचवाड़े जाति रजवार निवासी ग्राम सरमा तहसील सूरजपुर जिला सूरजपुर (छ0ग0) के द्वारा मेरे पुत्र स्व0 धनन्जय राजवाडे एवं मेरे पति स्व0 द्रोणाचार्य राजवाडें का मृत्यु हो जाने से आवेदिका को आश्रित प्रमाण पत्र की आवश्यकता पढने पर आश्रित प्रमाण पत्र प्रदाय कराने हेतु आवेदन पत्र सहित अन्य दस्तावेज की छाया प्रति सहित आवेदन पत्र प्रस्तुत की गई है। जिस कार्यवाही प्रारंभ कर दी गई है। इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति या कोई संस्था को आपत्ति हो तो दिनांक 30/11/2026 को समय 11.00 बजे इस न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है । नियत तिथि के पश्चात् प्राप्त दावा आपत्ति पर विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 12/11/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं पद मुद्रा से जारी ।

सील — **नायब तहसीलदार सूरजपुर**

न्यायालय नजूल अधिकारी सूरजपुर,जिला-सूरजपुर,छ0ग0

रा.प्र.क्र./अ-20(1)/2025-26

ईश्तहार

आगामी तिथि 19/11/2026

इस सार्वजनिक ईश्तहार के जरिये सर्व साधारण आम जनता/संस्था/विभाग को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है आवेदक विजय कुमार आ0 घीसूराम अग्रवाल व अन्य 2 जाति अग्रवाल निवासी केतका रोड सूरजपुर थाना व तहसील सूरजपुर जिला-सूरजपुर (छ0ग0) द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत कर अपने स्वामित्व व अधिपत्य की नजूल भूमि प्लाट नम्बर 2166 रकबा क्रमशः 4359 वर्गफीट भूमि का लीज दिनांक 31/03/2026 को समाप्त होने से आगामी 30 वर्ष के लिए लीज नवीनीकरण कराये जाने हेतु अनुरोध मा. न्यायालय अपर कलेक्टर सूरजपुर के समक्ष किया गया है । जो अग्रिम कार्यवाही हेतु एतद् न्यायालय को प्राप्त हुआ है। जिसके संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन लंबित है।

अतः इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति /संस्था/विभाग को कोई दावा/आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अभिभाषक /लीगल एजेंट के माध्यम से अपना दावा/आपत्ति दिनांक 19/11/2026 को न्यायालयीन अवधि में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है । नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति के संबंध में कोई विचार नहीं किया जायेगा ।

आज दिनांक 23/10/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया ।

सील — **नजूल अधिकारी सूरजपुर**

न्यायालय नजूल अधिकारी सूरजपुर,जिला-सूरजपुर,छ0ग0

रा.प्र.क्र./अ-20(1)/2025-26

ईश्तहार

आगामी तिथि 19/11/2026

इस सार्वजनिक ईश्तहार के जरिये सर्व साधारण आम जनता / संस्था / विभाग को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है आवेदक सुलोचना बाई पति विष्णु प्रसाद अग्रवाल निवासी केतका रोड सूरजपुर थाना व तहसील सूरजपुर जिला - सूरजपुर (छ0ग0) द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत कर अपने स्वामित्व व अधिपत्य की नजूल भूमि प्लाट नम्बर 2167/2 रकबा क्रमशः 2614 वर्गफीट भूमि का लीज दिनांक 31/03/2026 को समाप्त होने से आगामी 30 वर्ष के लिए लीज नवीनीकरण कराये जाने हेतु अनुरोध मा. न्यायालय अपर कलेक्टर सूरजपुर के समक्ष किया गया है । जो अग्रिम कार्यवाही हेतु एतद् न्यायालय को प्राप्त हुआ है। जिसके संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन लंबित है ।

अतः इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति / संस्था / विभाग को कोई दावा/आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अभिभाषक/लीगल एजेंट के माध्यम से अपना दावा/आपत्ति दिनांक 19/11/2026 को न्यायालयीन अवधि में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है । नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा / आपत्ति के संबंध में कोई विचार नहीं किया जायेगा ।

आज दिनांक 23/10/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

सील — **नजूल अधिकारी सूरजपुर**



दिव्या देशमुख और विदित गुजराती को अर्जुन पुरस्कार

इसायाह को लाइफटाइम सम्मान

नई दिल्ली,13 नवम्बर 2026। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्रीय खेल पुरस्कार 2025 के तहत शतरंज के ग्रैंडमास्टर दिव्या देशमुख और विदित गुजराती को अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया। इसके साथ ही इसायाह को लाइफटाइम अवार्ड प्रदान किया गया। खेल के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन और महत्वपूर्ण योगदान के लिए खिलाड़ियों को दिए गए इन सम्मानों से भारतीय खेल जगत का गौरव बढ़ा है। शतरंज की दुनिया में अपनी प्रतिभा और शानदार प्रदर्शन से पहचान बनाने वाले दिव्या देशमुख और विदित गुजराती के लिए अर्जुन पुरस्कार उनके खेल करियर की महत्वपूर्ण उपलब्धि है। वहीं,इसायाह को लाइफटाइम अवार्ड प्रदान कर खेल के क्षेत्र में उनके योगदान को सम्मानित किया गया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा राष्ट्रीय खेल पुरस्कार प्रदान किए जाने के दौरान विभिन्न खेल विधाओं से जुड़े खिलाड़ियों की उपलब्धियों को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली। शतरंज के ग्रैंडमास्टर्स दिव्या देशमुख और विदित गुजराती को अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया जाना भारतीय शतरंज के लिए विशेष महत्व रखता है।

दोनों खिलाड़ियों ने अपनी खेल प्रतिभा के माध्यम से शतरंज के क्षेत्र में पहचान बनाई है। उन्हें मिला यह प्रतिष्ठित सम्मान उनकी मेहनत, खेल कौशल और निरंतर प्रयासों को रेखांकित करता है।

Name Change

I, SHABANAM JAHAN W/O, AZHARUD-DIN ANSARI Resident of NAWAGARH 153/KA, NEXT TO DOUBLE MOBILE TOWER AMBIKA-PUR hereby declared that have changed my name from SHABANAM JAHAN W/O AZHARUDDIN ANSARI to...SHABNAM JAHAN W/O AZHARUD-DIN ANSARI. in all the Government approved Identity proofs to be used for various

Deponent
SHABANAM JAHAN
NAWAGARH 153/KA,
NEXT TO DOUBLE
MOBILE TOWER
AMBIKAPUR.Surguja

नाम परिवर्तन सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं पुराना नाम शबनम जहां पति अजहरुद्दीन अंसारी अपना पुराना नाम को बदल कर नया नाम शबनम जहां पति अजहरुद्दीन अंसारी निवासी / पता नवागढ़ 153/ का,डबल मोबाईल टावर के बगल में अम्बिकापुर सरगुजा (छ0ग0) 497001 रख ली हूँ ।

अतः अब मुझे भविष्य में समस्त शासकीय, अर्द्धशासकीय व अन्य दस्तावेजों में नया नाम शबनम जहाँ पति अजहरुद्दीन अंसारी से जाना एवं पहचाना जाय ।

शपथ कर्ता
निवासी/पता नवागढ़ 153/ का, डबल मोबाईल टावर के बगल में अम्बिकापुर सरगुजा (छ0ग0)

नाम परिवर्तन सूचना

प्ररूप-(तीन)

मैं बिरेन्द्र कुमार जायसवाल (माता/पिता/पालक का नाम) सुपुत्र रमेश प्रसाद जायसवाल निवासी बढ़नीझरिया राघवपुरी अम्बिकापुर सरगुजा छ0ग0 का स्थायी निवासी हूं। मैं अपने नाबालिग पुत्र आबि जायसवाल से बदलकर अविनाश जायसवाल करवाना चाहता । मैं अपने पुत्र का नाम बदलकर, यदि कोई गैर कानूनी काम करता हूं तो उसके लिये मैं स्वयं जिम्मेदार रहूंगा। मेरी पत्नी सविता जायसवाल को हमारे नाबालिग पुत्र के नाम बदलने में कोई आपत्ति नहीं है। यह शपथ पत्र अपने पूरे होशोहवास में रहकर हस्ताक्षर कर सक्षम अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत कर रहा हूं।

दस्तावेज एवं पहचान पत्र के रूप में जन्म प्रमाण पत्र और दसवीं कक्षा की अंक सूची को सत्यापन के लिए शामिल किया गया है।

सपथकर्ता
बिरेन्द्र कुमार जायसवाल

नाम परिवर्तन सूचना

प्ररूप-(एक)

मैं शंकर तिर्की पिता स्व. राम प्रसाद तिर्की, उम्र 58 वर्ष, पटपरिया, अंबिकापुर, थाना गांधीनगर, तह. अंबिकापुर, जिला सरगुजा (छ.ग.) का निवासी हूँ मै अपने आधार कार्ड में मेरा नाम शंकर तिर्की (SHANKAR TIRKEY) से बदल कर धरमसाय (DHARAMSAY) रख लिया है।

पालक
शंकर तिर्की
पटपरिया,अंबिकापुर,गांधीनगर,
अंबिकापुर, जिला सरगुजा (छ.ग.)

15 नवंबर से शुरू होगी धान खरीदी,3100 रुपए प्रति क्विंटल की दर से प्रति एकड़ 21 क्विंटल तक होगी खरीदी

गांव,गरीब,किसान,मजदूर,माताओं-बहनों और युवाओं का सर्वांगीण विकास हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता : मुख्यमंत्री साय

रायपुर,13 नवम्बर 2026। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज मुंगेली जिले के ग्राम कंतेली में आयोजित भव्य कार्यक्रम में जिलेवासियों को 465 करोड़ 40 लाख रुपए से अधिक की लागत के 77 विकास कार्यों की बड़ी सौगात दी। मुख्यमंत्री ने इनमें 68 करोड़ रुपए से अधिक की लागत से पूर्ण हुए 24 विकास कार्यों का लोकार्पण तथा 397 करोड़ रुपए से अधिक की लागत के 53 विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं शिलान्यास किया। इन कार्यों से जिले में सड़क, सिंचाई, पेयजल, शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य बुनियादी सुविधाओं का व्यापक विस्तार होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि गांवों की खुशहाली, किसानों की समृद्धि और प्रत्येक नागरिक के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाना राज्य सरकार का प्रमुख संकल्प है। विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश विकसित भारत के निर्माण की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। इसी संकल्प के अनुरूप छत्तीसगढ़ सरकार भी विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि किसी भी क्षेत्र का वास्तविक विकास तभी संभव है, जब वहां के गांव मजबूत हों,किसानों को बेहतर संसाधन मिलें,युवाओं के लिए शिक्षा और रोजगार के अवसर बढ़ें तथा आम नागरिकों को मूलभूत सुविधाएं सहजता से उपलब्ध हों। मुंगेली जिले में आज जिन विकास कार्यों की सौगात दी गई है,वे इसी सोच को धरातल पर उतारने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं।



सड़क, सिंचाई और पेयजल सुविधाओं के विस्तार से विकास को मिलेगी नई गति

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि मुंगेली जिले में अधोसंरचना विकास को विशेष प्राथमिकता दी जा रही है। आज लगभग 143 करोड़ रुपए की लागत के 25 सड़क विकास कार्यों का भूमिपूजन किया गया है। इन कार्यों से ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के बीच आवागमन सुगम होगा तथा किसानों, विद्यार्थियों, व्यापारियों और आम नागरिकों को बेहतर परिवहन सुविधाएं मिलेंगी। अच्छी सड़कें केवल आवागमन का माध्यम नहीं होतीं, बल्कि वे शिक्षा, स्वास्थ्य, व्यापार और रोजगार के नए अवसरों का रास्ता भी खोलती हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि अमृत मिशन 2.0 के अंतर्गत 203 करोड़ रुपए से अधिक की लागत वाली जल प्रदाय योजना का भूमिपूजन किया गया है। इससे क्षेत्र में पेयजल आपूर्ति व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने और नागरिकों को बेहतर जल सुविधाएं उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। इसके साथ ही जल संसाधन विभाग के 40 करोड़ रुपए से अधिक की लागत के 11 कार्यों का लोकार्पण किया गया है। इन कार्यों से सिंचाई सुविधाओं का विस्तार होगा और किसानों को कृषि उत्पादन बढ़ाने में सहायता मिलेगी। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि राज्य सरकार कृषि को अधिक लाभकारी बनाने के लिए सिंचाई संसाधनों के विकास पर विशेष ध्यान दे रही है। सिंचाई सुविधाओं के विस्तार से किसानों की वर्षा पर निर्भरता कम होगी और उन्हें खरीफ के साथ रबी एवं अन्य फसलों की खेती के बेहतर अवसर प्राप्त होंगे।

कंतेली में महाविद्यालय भवन और पंचायत भवन सहित महत्वपूर्ण घोषणाएं : मुख्यमंत्री साय ने कार्यक्रम में क्षेत्र की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए अनेक महत्वपूर्ण घोषणाएं भी कीं। उन्होंने ग्राम कंतेली में महाविद्यालय भवन एवं पंचायत भवन के निर्माण, ग्राम देवरी में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्मृति वाटिका के निर्माण तथा ग्राम कोदवा से खुर्शी तक सड़क मरम्मत एवं निर्माण कार्य की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षा किसी भी समाज की प्रगति का सबसे सशक्त माध्यम है। कंतेली में महाविद्यालय भवन के निर्माण से क्षेत्र के युवाओं, विशेषकर ग्रामीण परिवेश के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का प्रयास है कि ग्रामीण अंचलों के युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करने के लिए अनावश्यक कठिनाइयों का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि ग्राम देवरी में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्मृति वाटिका का निर्माण हमारी भावी पीढ़ियों को स्वतंत्रता संग्राम के महानायकों के त्याग,बलिदान और राष्ट्रसेवा से प्रेरणा देगा।



किसानों की समृद्धि के लिए सरकार प्रतिबद्ध, 15 नवंबर से शुरू होगी धान खरीदी

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ की अर्थव्यवस्था में किसानों की महत्वपूर्ण भूमिका है। किसानों की मेहनत और समृद्धि से ही प्रदेश की खुशहाली का मार्ग प्रशस्त होता है। राज्य सरकार किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाने,कृषि लागत में राहत देने और खेती को लाभकारी बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश में 15 नवंबर से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी प्रारंभ होगी। किसानों से प्रति एकड़ 21 क्विंटल तक धान की खरीदी 3100 रुपए प्रति क्विंटल की दर से की जाएगी। किसानों की सुविधा के लिए इस वर्ष प्रदेश में 360 नए धान उपार्जन केंद्र स्थापित किए गए हैं। इन्हें मिलाकर लगभग 3100 उपार्जन केंद्रों के माध्यम से धान खरीदी की व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा कि धान खरीदी व्यवस्था को पारदर्शी, सुगम और किसान हितैषी बनाने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां की गई हैं। सरकार का प्रयास है कि किसानों को अपनी उपज बेचने में किसी प्रकार की परेशानी न हो और उन्हें निर्धारित समय पर भुगतान प्राप्त हो।

प्रति एकड़ 13 हजार 839 रुपए की दर से मिलेगी आदान सहायता राशि

मुख्यमंत्री साय ने किसानों के हित में महत्वपूर्ण जानकारी देते हुए कहा कि कृषक उन्नति योजना के तहत पात्र किसानों को प्रति एकड़ 13 हजार 839 रुपए की दर से आदान सहायता राशि प्रदान की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस सहायता राशि का लाभ प्राप्त करने के लिए किसानों को धान की निर्धारित पूरी मात्रा का विक्रय करना अनिवार्य नहीं होगा। उन्होंने कहा कि यदि कोई किसान निर्धारित मात्रा से कम धान का विक्रय करता है, तब भी उसे सत्यापित रकबे के आधार पर निर्धारित पात्रता के अनुसार आदान सहायता राशि का लाभ मिलेगा। राज्य सरकार की मंशा है कि किसानों को खेती के लिए आर्थिक संबल मिले और वे अपनी आवश्यकताओं एवं परिस्थितियों के अनुसार कृषि संबंधी निर्णय ले सकें। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसान केवल अन्नदाता ही नहीं, बल्कि प्रदेश की अर्थव्यवस्था की मजबूत आधारशिला हैं। उनकी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करना और कृषि क्षेत्र में समृद्धि लाना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि महिलाओं का सशक्तीकरण राज्य सरकार की प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल है। महतारी वंदन योजना के माध्यम से प्रदेश की लगभग 68 लाख महिलाओं को प्रतिमाह एक हजार रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है। योजना के अंतर्गत अब तक 33 किस्तों में 21 हजार 340 करोड़ रुपए की राशि महिलाओं के खातों में अंतरित की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि यह योजना महिलाओं के आर्थिक स्वावलंबन, आत्मविश्वास और परिवार की आवश्यकताओं की पूर्ति में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

सौरभ चंद्राकर 19 नवंबर तक ईडी की रिमांड पर

ईडी का दावा...अमेरिकी कंपनी खरीदने में लगाए 766 करोड़,3 साल की कोशिश के बाद पकड़ाया

रायपुर,13 नवम्बर 2026। महादेव ऑनलाइन सट्टा ऐप के प्रमोटर सौरभ चंद्राकर को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शुक्रवार (13 नवंबर) को गिरफ्तार कर लिया। ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में पीएमएलए की धारा 19 के तहत यह कार्रवाई की है। रायपुर की विशेष अदालत ने सौरभ को 7 दिन की ईडी रिमांड पर भेज दिया है। उससे 19 नवंबर तक पूछताछ की जाएगी। करीब 3 साल की कोशिशों के बाद सौरभ को भारत लाया गया है। वह इस सिंडिकेट का पहला प्रमोटर है, जिसे भारत वापस लाकर गिरफ्तार किया गया है।

दुबई से चलाता था सट्टे का नेटवर्क, हर महीने 450 करोड़ की कमाई

ईडी के मुताबिक, सौरभ चंद्राकर और उसके साथी रवि उप्पल महादेव ऑनलाइन बुक नाम से ऑनलाइन सट्टे का नेटवर्क चला रहे थे। इसका मुख्यालय दुबई में था। भारत और यूएई में सट्टे के पैनल फ्रेंचाइजी के जरिए चलाए जाते थे। इस नेटवर्क में लोग ऑनलाइन सट्टा लगाते थे। खिलाड़ियों से मिलने वाला पैसा दूसरे लोगों के नाम पर खोले गए बैंक खातों में जमा कराया जाता था। इसके बाद हवाला के जरिए यह रकम भारत से बाहर भेजी जाती थी। ईडी ने 20 अक्टूबर 2023 को अदालत में पेश की गई अपनी मुख्य शिकायत में इस सिंडिकेट की कमाई करीब 450 करोड़ रुपए हर महीने बताई थी।



समन के बाद भी पेश नहीं हुआ,कोर्ट ने जारी किया था वारंट

ईडी के मुताबिक, सितंबर 2023 में सौरभ चंद्राकर को पूछताछ के लिए समन जारी किया गया था,लेकिन वह जांच एजेंसी के सामने पेश नहीं हुआ। इसके बाद ईडी ने विशेष अदालत में उसके खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी करने की मांग की थी। 4 सितंबर 2023 को अदालत ने उसके खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी कर दिया। ईडी के अनुरोध पर इंटरपोल ने भी उसके खिलाफ रेड नोटिस जारी किया था। सौरभ ने इस वारंट को छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट में चुनौती दी थी,लेकिन 22 मार्च 2025 को उसकी याचिका खारिज हो गई। ईडी के अनुसार, सौरभ ने भारतीय पासपोर्ट होने के बावजूद वानुआतु का पासपोर्ट भी हासिल कर लिया था। उसने विशेष अदालत में यह दावा भी किया था कि वह 28 जून 2022 को भारतीय नागरिकता छोड़ चुका है।

ओमान की कोर्ट ने भारत प्रत्यर्पण का आदेश दिया

सौरभ को भारत लाने के लिए ईडी ने विशेष अदालत के जरिए ओमान को प्रत्यर्पण का अनुरोध भेजा था। यह अनुरोध भारत और ओमान के बीच प्रत्यर्पण संधि के तहत राजनयिक माध्यमों से भेजा गया था। 8 अक्टूबर 2026 को मस्कट की कोर्ट ऑफ अपील ने सौरभ के भारत प्रत्यर्पण का आदेश दिया। अदालत ने उसकी नागरिकता से जुड़ी दलील खारिज कर दी। भारतीय दूतावास ने पुष्टि की थी कि सौरभ भारतीय नागरिक है। ईडी की प्रेस विज्ञप्ति के मुताबिक, सौरभ को मस्कट इंटरनेशनल एयरपोर्ट से फर्जी यात्रा दस्तावेज के साथ बाहर जाने की कोशिश के दौरान पकड़ा गया था। इसके बाद 1 नवंबर 2026 को सीबीआई की टीम उसे मस्कट से भारत लेकर आई। ईडी ने इस कार्रवाई में ओमान के अधिकारियों के सहयोग के लिए आभार जताया है।

बीजापुर के जंगलों में माओवादी डम्प मिले

सुरक्षा बलों ने 136 बीजीएल सेल और 1400 फीट कार्डेक्स वायर जब्त किए

बीजापुर,13 नवम्बर 2026। बीजापुर जिले के पामेड़ और गंगालूर थाना क्षेत्र के जंगलों में सुरक्षा बलों ने सर्च अभियान के दौरान माओवादियों के दो डम्प बरामद किए हैं। दोनों स्थानों पर की गई संयुक्त कार्रवाई में कुल 136 बीजीएल सेल,1400 फीट कार्डेक्स वायर समेत बड़ी मात्रा में माओवादी सामग्री जब्त की गई है। सुरक्षा बलों ने डॉग स्क्वाड की मदद से जंगलों में छिपाकर रखी गई सामग्री का पता लगाया।

पामेड़ क्षेत्र में 103 बीजीएल सेल बरामद

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार,पहली कार्रवाई थाना पामेड़ क्षेत्र के तुमरेल और सिंगमपल्ली के जंगलों में की गई। खुफिया सूचना के आधार पर डीआरजी,208 कोबरा बटालियन और के-9 डॉग स्क्वाड की संयुक्त टीम ने सर्च ऑपरेशन चलाया। इस दौरान डॉग स्क्वाड की मदद से माओवादियों द्वारा छिपाकर रखे गए डम्प का पता लगाया गया। इसके बाद सुरक्षा बलों ने 103 बीजीएल सेल बरामद किए।



गंगालूर क्षेत्र में दो डम्प मिले...

दूसरी कार्रवाई थाना गंगालूर क्षेत्र के एफओबी कुप्पागुड़ा अंतर्गत लेकामपारा के जंगलों में की गई। यहां सीआरपीएफ की 199वीं बटालियन,204 कोबरा बटालियन और के-9 डॉग स्क्वाड वेस्पा की संयुक्त टीम ने सर्चिंग के दौरान दो माओवादी डम्प बरामद किए। इनसे 33 बीजीएल सेल,1400 फीट कार्डेक्स वायर सहित अन्य सामग्री जब्त की गई।

संदिग्ध सामग्री मिलने पर पुलिस को दें सूचना

पुलिस के अनुसार,दोनों थाना क्षेत्रों में बरामद सामग्री के संबंध में अलग-अलग वैधानिक कार्रवाई की गई है। बीजापुर पुलिस क्षेत्र में नक्सल उन्मूलन,शांति और सुरक्षा के मद्देनजर लगातार सर्च अभियान और डीमाइनिंग की कार्रवाई कर रही है। पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि जंगल या आसपास किसी भी संदिग्ध वस्तु अथवा विस्फोटक सामग्री के मिलने पर उसे न छुएं। इसकी सूचना तत्काल नजदीकी थाना या सुरक्षा कैंप को दें।

बिलासपुर में 5100 दीपों से जगमगाया छठ घाट

अरपा में महाआरती के बाद आतिशबाजी-फायर शो हुए,1 किलोमीटर लंबे घाट पर जुटे श्रद्धालु



बिलासपुर,13 नवम्बर 2026। बिलासपुर में आस्था और भक्ति का अद्भुत नजारा देखने को मिला। अरपा तट पर छठ महापर्व की भव्य शुरुआत हुई। 5100 दीपों की रोशनी से पूरा छठ घाट जगमगा उठा। एक किलोमीटर लंबे स्थायी छठ घाट पर अरपा की महाआरती की गई। नहाय-खाय के साथ चार दिवसीय छठ महापर्व का आगाज हुआ। बड़ी संख्या में छठ व्रती और श्रद्धालु इस आयोजन में शामिल हुए। दीपदान के बाद आतिशबाजी और फायर शो भी हुआ। श्रद्धालुओं की सुरक्षा और व्यवस्था के लिए 525 स्वयंसेवकों की तैनाती की गई। छठ पूजा समिति के अध्यक्ष प्रवीण झा और महापौर पूजा विधानी भी आयोजन में शामिल हुए।

200 मीटर बढ़ाया छठघाट, ट्रैफिक प्लान जारी

पिछले साल छठघाट की लंबाई 800 मीटर थी। इस बार इसे 200 मीटर बढ़ाकर 1000 मीटर कर दिया गया है। इसके अलावा 8 पार्किंग जोन, 6 प्रवेश द्वार और 15 कंट्रोल पॉइंट बनाए गए हैं। वहीं, श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए बिलासपुर पुलिस ने ट्रैफिक प्लान भी जारी किया है। 15 नवंबर दोपहर से 16 नवंबर दोपहर तक शहर की यातायात व्यवस्था बदली रहेगी।

कई रास्तों पर भारी वाहनों की आवाजाही बंद

सरकंडा-मोपका और गुरु नानक चौक की ओर से आने वाले वाहनों के लिए डायवर्जन रहेगा। कई मार्गों पर भारी वाहनों की आवाजाही प्रतिबंधित रहेगी, जबकि छोटे वाहनों के लिए भी अलग-अलग रूट तय किए गए हैं।

भूपेश बोले...आज चुनाव हुए तो 4 व्हीलर में सिमट जाएगी भाजपा

राष्ट्रीय अध्यक्ष के दौरे पर कहा...बिहार हारे,अब छत्तीसगढ़ आ रहे नितिन नवीन...

रायपुर,13 नवम्बर 2026। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन के छत्तीसगढ़ दौरे पर तंज कसा है। उन्होंने कहा कि बिहार चुनाव में हार के बाद अब नितिन नवीन छत्तीसगढ़ आ रहे हैं। बघेल ने सवाल उठाया कि 15 नवंबर को छठ पूजा है,ऐसे में उनका दौरा क्यों रखा गया है। आज चुनाव हो जाएं तो भाजपा एक 4 व्हीलर में सिमट जाएगी। भूपेश बघेल ने निर्वाचन आयोग को घेरते हुए नगरीय निकाय चुनाव की मतदाता सूची में गड़बड़ी का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में करीब 25 हजार नए वोटरों के नाम सूची में नहीं जुड़ पाए हैं। इनमें अकेले भिलाई के करीब 5 हजार वोटर शामिल हैं। धान खरीदी को लेकर उन्होंने सरकार से पूछा कि जब खरीदी के लिए केवल 42 कार्यदिवस बचे हैं तो सभी किसानों का धान कैसे खरीदा जाएगा? इसके अलावा उन्होंने पटवारियों की हड़ताल और जनगणना-2027 में जातिगत गणना को लेकर भी सरकार पर सवाल उठाए।

जेन-जी के वोटरों से डर रही भाजपा : बघेल ने कहा कि 23 अक्टूबर को मतदाता सूची प्रकाशित की गई थी। इसमें कई मतदाताओं के नाम इधर से उधर कर दिए गए। कांग्रेस ने इस गड़बड़ी को लेकर आपत्ति दर्ज कराई, जिसके बाद निगम ने सुधार के लिए समय बढ़ाया। उन्होंने बताया कि नए मतदाताओं के नाम जुड़वाने के लिए फॉर्म-6 भरने की अंतिम तारीख 11 नवंबर थी, लेकिन बड़ी संख्या में नए वोटरों के नाम सूची में नहीं जुड़ पाए। भिलाई में करीब 5 हजार और पूरे प्रदेश में लगभग 25 हजार नए मतदाता इससे प्रभावित हुए हैं। भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि पार्टी जेन-जी के वोट से डर रही है।



भाजपा एक 4 व्हीलर में सिमट जाएगी : भूपेश

बघेल ने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के छत्तीसगढ़ दौरे पर तंज कसा है। उन्होंने कहा कि 15 नवंबर को छठ पूजा है, लेकिन भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बिहार नहीं जा रहे हैं। बिहार चुनाव में हार के बाद वे सीधे छत्तीसगढ़ आ रहे हैं। बघेल ने भाजपा की राजनीतिक स्थिति पर भी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि आज चुनाव हो जाएं तो भाजपा एक 4 व्हीलर में सिमट जाएगी। निर्वाचन आयोग पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि ज्ञानेश कुमार रहेंगे तो भाजपा 90 में 91 सीटें जीत जाएगी।

42 दिन में कैसे खरीदेंगे पूरा धान?

धान खरीदी को लेकर बघेल ने कहा कि मुख्यमंत्री ने घोषणा की है कि किसान 21 क्विंटल धान बेचे या नहीं बेचे, उसे आदान राशि दी जाएगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार की राजीव गांधी किसान न्याय योजना में भी किसानों को आदान सहायता दी जाती थी। बघेल ने कहा कि सरकार के पास धान खरीदी के लिए केवल 42 कार्यदिवस हैं। यदि इस अवधि में किसान अपना धान नहीं बेच पाए तो सरकार क्या व्यवस्था करेगी? पटवारियों की हड़ताल को लेकर बघेल ने कहा कि किसानों के नाम में सुधार और राजस्व से जुड़े कई काम पोर्टल पर पटवारियों के जरिए होने हैं। जब पटवारी हड़ताल पर हैं तो किसानों के रिकॉर्ड में सुधार कौन करेगा? सरकार को इसका जवाब देना चाहिए। जनगणना-2027 को लेकर बघेल ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा।

टीएस सिंहदेव ने सीएम साय को लिखा पत्र...छात्रावास-आश्रमों में भोजन की राशि बढ़ाने की मांग,अधीक्षकों के परिवारों के लिए अलग आवास का सुझाव

रायपुर,13 नवम्बर 2026। छत्तीसगढ़ के पूर्व उपमुख्यमंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता टीएस सिंहदेव ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को पत्र लिखकर छात्रावासों और आश्रमों में रहने वाले बच्चों के मेस भत्ते में बढ़ोतरी की मांग की है। उन्होंने कहा है कि पिछले तीन साल से बच्चों के भोजन और नाश्ते के लिए तय राशि में कोई वृद्धि नहीं हुई है, जबकि इस दौरान खाद्य सामग्री की कीमतें काफी बढ़ गई हैं। ऐसे में मौजूदा राशि में बच्चों को पौष्टिक और संतुलित भोजन उपलब्ध कराना मुश्किल हो रहा है। सिंहदेव ने छात्रावास अधीक्षकों की कामकाज से जुड़ी परेशानियों का भी जिक्र किया है। उन्होंने कहा कि अधीक्षकों को 24 घंटे ड्यूटी करनी पड़ती है। उन्हें न तो पर्याप्त छुट्टी मिलती है और न ही छात्रावास परिसर में परिवार के साथ रहने की सुविधा है।



उन्होंने मांग की है कि अधीक्षकों के परिवारों के रहने के लिए छात्रावास से अलग आवास बनाए जाएं। सिंहदेव ने पत्र में लिखा है कि छात्रावासों और आश्रमों में रहने वाले अनुसूचित जाति और जनजाति वर्ग के बच्चों के भोजन की राशि में तीन साल से बढ़ोतरी नहीं हुई है। इस दौरान दाल, चावल, खाद्य तेल, सब्जियों, मसालों और ईंधन की कीमतों में वृद्धि हुई है। इसका सीधा असर भोजन व्यवस्था पर पड़ रहा है। उन्होंने आशंका जताई कि कम राशि के कारण बच्चों को सुबह का नाश्ता और दोनों समय पौष्टिक एवं संतुलित भोजन उपलब्ध कराना व्यावहारिक रूप से मुश्किल होता जा रहा है। इसका असर बच्चों के स्वास्थ्य, शारीरिक विकास और पढ़ाई पर भी पड़ सकता है।सिंहदेव ने छात्रावासों के मेस बजट में एचएमएस पोर्टल के जरिए होने वाली कटौती पर भी सवाल उठाए हैं।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050,डॉक रजिस्टर्ड क्र.:-13/सरगुजा/डीएन/2026-2028-मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)